धनबाद
मंगलवार 21.07.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-149 पृष्ठ- 12
आषाढ़ शुक्ल पक्ष-7
संवत 2083

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

संसद में सवाल, बाहर बवाल : चढ़ावा चोरी, पेपर लीक को लेकर संसद में हंगामा

कॉकरोच जनता पार्टी के 'संसद चलो' अभियान को लेकर दिल्ली में जंतर मंतर से लेकर संसद तक मचा रहा हंगामा

शांतिपूर्ण मार्च पर बरसी आंसू गैस की गोलियां और लाठियां ● जंतर-मंतर पर लाठीचार्ज से बच्चों की आवाज दबा रही सरकार : खड़गे

नई दिल्ली (ईएमएस): मानसून सत्र के पहले दिन विपक्ष के हंगामे के चलते कार्यवाही नहीं चल पाई। लोकसभा और राज्यसभा को छह बार स्थगित करना पड़ा। विपक्षी सांसद नीट पेपर लीक, राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर चर्चा की मांग कर रहे थे। कुछ सांसद पोस्टर-बैनर लेकर सदन के अंदर आए। मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में जंतर-मंतर पर हुए कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन पर चर्चा की। खड़गे ने कहा- जंतर-मंतर पर बच्चे इकठ्ठा हुए, उनकी आवाज को दबाया जा रहा। सरकार ने उन पर लाठीचार्ज किया। उधर हंगामे के बीच लोकसभा में कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने वाला बिल पेश किया। दोपहर ३ बजे लोकसभा का कार्यवाही फिर से शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने हंगामा किया। सदन की कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी गई।

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के 'संसद चलो' अभियान को लेकर दिल्ली में जंतर मंतर से लेकर संसद तक हंगामा मचा रहा। नीट-यूजी २०२६ पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर बैरिकेड्स पार करके संसद की ओर बढ़ने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने आंसू गैस और हल्का बल प्रयोग किया, जिसमें कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। हजारों समर्थक जंतर-मंतर पर जमा हुए, जहां विपक्षी नेता प्रदर्शन में शामिल हुए, हालांकि बाद में जंतर मंतर पर प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हटा दिया और जंतर मंतर खाली करवा दिया। इस बीच सीजेपी के संसद चलो अभियान का असर संसद की कार्यवाही पर भी दिखी। इस मुद्दे पर संसद में भी हंगामा होता रहा और कार्यवाही हंगामे की भेंट चढ़ गयी। दूसरी ओर केंद्र सरकार ने प्रदर्शनकारियों से संपर्क साधकर समाधान निकालने का प्रयास किया है। सीजेपी नेता सौरभ दास और आशुतोष रांका ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात की। नड्डा ने उन्हें आश्वासन दिया कि वे इस मामले पर आंतरिक रूप से चर्चा करेंगे। सौरव दास ने कहा है कि सीजेपी की मांगे जब तक मानी नहीं जातीं, तब तक सीजेपी की प्रदर्शन जारी रहेगा।

50 लोगों के सिर फोड़ दिए

कॉकरोच जनता पार्टी ने दावा किया कि उसके नेता अभिजीत दीपके को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने इस दावे से इनकार किया है। पार्टी के प्रवक्ता सौरव दास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आरोप लगाया कि पुलिस कार्रवाई में एक १२ वर्षीय लडक़ी पर हमला हुआ और ४० से ५० प्रदर्शनकारियों के सिर फूट गए। उन्होंने दिल्ली पुलिस को टैग करते हुए कार्रवाई पर सवाल उठाए। जवाब में दिल्ली पुलिस ने इन सभी आरोपों को गलत और भ्रामक बताया।

पांच मेट्रो स्टेशन बंद, यात्री फंसे

दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने सीजेपी के पार्लियामेंट मार्च को लेकर सुरक्षा चिंताओं ▶▶ 8

भारत में पहली डेंगू वैक्सीन को मिली मंजूरी!

4 से 60 साल तक के लोग लगवा सकेंगे क्यूडेंगा

नई दिल्ली (ईएमएस): हर साल जैसा ही मॉनसून दस्तक देता है, वैसे ही डेंगू का प्रकोप भी बढऩे लगता है। बारिश के मौसम में डेंगू लाखों लोगों को अपनी चपेट में लेता है। डेंगू के मरीजों से अस्पतालों का भरना तो अब जैसे आम बात बन गई है। कई मामलों में तो मरीजों की स्थिति बहुत गंभीर हो जाती है। साल-दर-साल ये समस्या बढ़ती ही जा रही थी। इस बीच अब भारत के लिए एक बड़ी राहत की खबर आई है। दरअसल, भारत में पहली बार डेंगू से बचाव के लिए एक वैक्सीन को मंजूरी मिल गई है। इस वैक्सीन का नाम क्यूडेंगा है, जिसे जापान की फार्मा कंपनी टकेडा ने तैयार किया है। भारत के ड्रग कंट्रोलर जनरल ने इसे ४ से ६० साल की उम्र के लोगों के लिए मंजूरी दी है।

क्यूडेंगा भारत में मंजूर होने वाली पहली डेंगू वैक्सीन है। इसकी खासियत ये है कि इसे लगवाने से पहले ये टेस्ट कराने की जरूरत नहीं होगी कि व्यक्ति को पहले कभी डेंगू हुआ है या नहीं। यानी ये वैक्सीन किसी को भी लगाई जा सकती है। अगर किसी को पहले डेंगू हो चुका है, उसे भी ये लगाई जा ▶▶ 8

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने की घोषणा

सरकारी दफ्तरों में अब सिर्फ बंगाली में काम

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को घोषणा की है कि राज्य सरकार १ सितंबर से सभी सरकारी कामों के लिए बंगाली भाषा को अनिवार्य कर देगी। ये फैसला राज्य के सरकारी कामों के लिए लिया गया है। वहीं केंद्र सरकार के साथ आधिकारिक बातचीत के लिए हिंदी का भी इस्तेमाल किया जाएगा। सरकार १ सितंबर से सभी तरह के पब्लिक कम्युनिकेशन चैनलों पर बंगाली भाषा का इस्तेमाल अनिवार्य कर देगी। इसमें नागरिकों के लिए सेवाएं, डिजिटल गवर्नेंस सिस्टम, एप्लीकेशन फॉर्म, सर्टिफिकेट, पोर्टल, वेबसाइट, मोबाइल एप्लीकेशन, ट्रेनिंग का सामान, पब्लिक साइनबोर्ड, प्रेस रिलीज और दूसरी आधिकारिक बातचीत शामिल हैं।

शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि आज मैं आयोग की रिपोर्ट जारी कर रहा हूं, जिसे २०११ में टीएमसी सरकार के दौरान जस्टिस सुशांत चटर्जी की अध्यक्षता में बनाया गया था। १ सितंबर २०२६ से सरकारी कामकाज में बांग्ला भाषा का इस्तेमाल अनिवार्य होगा। उन्होंने बताया कि भूमि और भूमि सुधार विभाग से लेकर मुख्यमंत्री कार्यालय तक का कामकाज बांग्ला भाषा में होगा।उन्होंने कहा कि नागरिकों की सेवाओं, हलफनामों, ऐप्स, नागरिक चार्टर, एफआईआर और नोटिफिकेशन ▶▶ 8

त्रिपुरा के डीजीपी की संदिग्ध मौत

पुलिस मुख्यालय में मिला शव

अगरतला(ईएमएस): त्रिपुरा के डीजीपी अनुराग धनखड़ पुलिस मुख्यालय में मृत पाए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार इस मामले में आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है। त्रिपुरा के डायरेक्टर जनरल आफ पुलिस और आईपीएस अधिकारी अनुराग धनखड़ सोमवार २० जुलाई को अगरतला में पुलिस हेडक्वार्टर स्थित अपने ऑफिस में मृत पाए गए। आशंका जताई जा रही है कि ये आत्महत्या का मामला हो सकता है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक धनखड़ पीएचक्यू में अपने ऑफिस के कमरे में फंदे से लटके हुए पाए गए। उन्हें तुरंत अगरतला के गोविंद बल्लभ पंत अस्पताल ले जाया गया, जहां आगे की प्रक्रिया चल रही है। जीबी पंत अस्पताल के सीनियर डॉक्टर प्रदीप भौमिक ने कहा कि जब उन्हें यहां लाया गया तो हमारे डॉक्टर ने उनकी जांच की। हमें उनकी नब्ज, ब्लड प्रेशर कोई अन्य पैरामीटर के संकेत नहीं मिले। तुरंत ही इमरजेंसी यूनिट में कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन शुरू किया गया। हमारे विशेषज्ञों की एक टीम ने लगभग ४८ मिनट तक सीपीआर दिया। हमारी तमाम कोशिशों के बावजूद हम उन्हें बचा नहीं पाए। मौत की वजह पूछने पर मेडिकल ऑफिसर ने कहा कि चूंकि उन्हें जब यहां लाया गया तो उनके शरीर में लाइफ के कोई संकेत नहीं थे। इसलिए हमारे लिए कुछ भी पता करना संभव नहीं था।

पेड़ लगाएं और मुफ्त बिजली पाएं, योजना का प्रचार करें, वन पट्टा के लंबित मामलों का निष्पादन करें:सीएम

रांची (एजेंसी): मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने आज झारखंड मंत्रालय में वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अद्यतन कार्य प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा की। अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य गठन के बाद से अब तक के सभी वन क्षेत्रों का टेक्निकल एवं डिजिटल रिकॉर्ड एक माह के भीतर तैयार करें। उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्था विकसित हो, जिससे एक क्लिक पर पूरे राज्य के वन क्षेत्रों का अवलोकन कर उसके वास्तविक स्वरूप, संरचना और वर्तमान स्थिति की जानकारी उपलब्ध हो सके। मुख्यमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण को शहरी विकास से जोड़ते हुए कहा कि शहरों को बचाने के लिए भी पौधरोपण आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों से शहरी क्षेत्रों में वृक्षारोपण बढ़ाने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने को कहा। साथ ही राज्य सरकार द्वारा पेड़ लगाओ, ५ यूनिट फ्री बिजली पाओ योजना का प्रभावी प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि अधिकाधिक नागरिक इस अभियान से जुड़ सकें। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत एक पेड़ लगाने पर पांच यूनिट बिजली निः शुल्क प्रदान किये जाने की योजना है। ▶▶ 8

होर्मुज संकट का असर: अमेरिका और ईरान तनाव से तेल 90 डॉलर के पार

3 महीने में भारत का क्रूड ऑयल आयात बिल 60 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली(ईएमएस): अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर बढ़ते सैन्य टकराव के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आया है। सोमवार को ब्रेंट क्रूड २.७ प्रतिशत बढक़र ९०.४९ डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान इसकी कीमत ९१.४१ डॉलर प्रति बैरल तक गई, जो जून के बाद सबसे ऊंचा स्तर है। वहीं भारत का कच्चे तेल का आयात बिल मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही में तेजी से बढ़ा है। पेट्रोलियम मंत्रालय के प्रोविजनल आंकड़ों के अनुसार, सालाना आधार पर देश का क्रूड ऑयल आयात बिल ६० प्रतिशत से अधिक बढ़ गया, जबकि आयात की मात्रा (वॉल्यूम) में हल्की गिरावट दर्ज की गई। इसकी मुख्य वजह पश्चिम एशिया में जारी तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास सप्लाई बाधित होने की आशंका से कच्चे तेल की ▶▶ 8

असम में बाढ़ का कहर, 57,000 से अधिक प्रभावित, सेना-वायुसेना अलर्ट पर

गुवाहाटी (ईएमएस): असम में बाढ़ की स्थिति लगातार भयावह होती जा रही है। एक ताजा मौत के साथ, राज्य में बाढ़ से प्रभावित लोगों की संख्या अब ५७,००० का आंकड़ा पार चुकी है। बिगड़ते हालात को देखकर राज्य सरकार ने बचाव और राहत कार्यों में सहयोग के लिए सेना और वायुसेना को हर समय तैयार रहने का निर्देश दिया है।

असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार, शिवसागर जिले में हुई एक और दुखद मौत से वर्ष बाढ़ से मरने वालों की कुल संख्या पाँच हुई है। राज्य के सात जिले चारादेव, धेमाजी, डिब्रूगढ़, जोरहाट, शिवसागर, तिनसुकिया और उदलगुरी बाढ़ की चपेट में हैं, जहाँ ५७,१०० से अधिक लोग सीधे तौर पर प्रभावित हुए हैं। इनमें चारादेव में करीब २४,००० और धेमाजी में २२,००० लोग शामिल हैं। शनिवार तक प्रभावितों की संख्या २४,००० थी, जिससे स्पष्ट होता है कि स्थिति कितनी तेजी से बिगड़ी है।

आज अगर बिल्डिंग गिरा भी दिया जाए...तब मैं लिस्टिंग की अनुमति नहीं दूंगा

सीजेआई ने हाईकोर्ट जाने की बात कही

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उस याचिका पर तत्काल सुनवाई से साफ इंकार किया, जिसमें एक प्रॉपर्टी के संभावित डिमोलिशन का मामला था। इस दौरान जस्टिस सूर्यकांत ने याचिकाकर्ताओं द्वारा सीधे सर्वोच्च न्यायालय पहुंचने की बढ़ती प्रवृत्ति पर कड़ा रुख दिखाया, यह स्पष्ट करते हुए कि इसतरह के मामलों में पहले संबंधित हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि इमारत को वैध बिल्डिंग प्लान की अनुमति से बनाया गया है, जबकि प्रशासन तालाब क्षेत्र में निर्मित बताकर तोड़ने की कार्रवाई शुरू कर रहा है। हालांकि, जस्टिस सूर्यकांत ने तत्काल सुनवाई या किसी तरह की अंतरिम रोक लगाने से साफ इंकार किया। ▶▶ 8

टीएमसी के तीन बैंक अकाउंट्स पर जारी रहेगी डेबिट रोक : हाईकोर्ट

जस्टिस राव की बेंच ने कहा- कोर्ट ईडी के फैसले में नहीं देगा दखल

कोलकाता (ईएमएस): कलकत्ता हाईकोर्ट की सिंगल-जज बेंच ने सोमवार को टीएमसी के तीन बैंक अकाउंट्स को फ्रीज करने के ईडी के फैसले पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया। इन खातों में कुल मिलाकर ४४० करोड़ रुपए जमा हैं। पश्चिम बंगाल की पूर्व सीएम ममता बनर्जी के गुट ने ईडी द्वारा इन बैंक अकाउंट्स को फ्रीज करने के फैसले पर अंतरिम रोक लगाने की याचिका दायर की थी, जिसे जस्टिस कृष्णा राव की सिंगल-जज बेंच ने सुनने से इनकार कर दिया। इसके बाद अगले आदेश तक इन अकाउंट्स पर डेबिट पर रोक जारी रहेगी।

पुलिस के निर्देशों के बाद बैंक अधिकारियों ने सबसे पहले इन तीनों अकाउंट्स पर डेबिट पर रोक लगाई थी। इस महीने की शुरुआत में जस्टिस सौगत भट्टाचार्य की एक और सिंगल-जज बेंच ने राज्य पुलिस के निर्देशों के बाद लगाई गई डेबिट पर रोक में आंशिक और अस्थायी छूट की अनुमति दी थी। हालांकि, इसी बीच ईडी ने भी १६४ करोड़ रुपए के संदिग्ध लेन-देन के कारण इन तीनों बैंक अकाउंट्स पर डेबिट पर रोक लगा दी। इसके बाद ममता बनर्जी के गुट ने ईडी द्वारा लगाए गए फ्रीज पर रोक लगाने की मांग करते हुए जस्टिस राव की बेंच में फिर से याचिका दायर की।सोमवार सुबह जस्टिस राव की बेंच के सामने यह मामला सुनवाई के लिए आया। जस्टिस राव की बेंच ने कहा कि कोर्ट अभी ईडी के फैसले में दखल नहीं देगा। यानी, तृणमूल के तीनों अकाउंट फ्रीज़ रहेंगे और पैसे निकालने की पाबंदियां जारी रहेंगी।

ई20 पेट्रोल पर विवाद के बीच पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय तैयार कर रहा पॉलिसी

अब एथेनॉल से पकेगा खाना... सब्सिडी भी मिलेगी, एलपीजी की होगी छुट्टी!

नई दिल्ली (ईएमएस): पेट्रोल में ई२० मिलावट के बाद, अब खाना पकाने के ईंधन के तौर पर एथेनॉल जल्द ही जगह बना सकता है और रसोई गैस की छुट्टी हो सकती है. एथेनॉल को लेकर चल रहे विवाद के बीच पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय एक ऐसी पॉलिसी तैयार कर रहा है, जिसका उद्देश्य एथेनॉल को घरेलू खाना पकाने के फ्यूल के तौर पर मुख्यधारा में लाना है. वहीं सरकार से उम्मीद की जा रही है कि वह इसकी जांच करेगी और सब्सिडी व्यवस्था भी लागू कर सकती है. एक रिपोर्ट के अनुसार, इस समय ईंधन आपूर्तिकर्ताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले उद्योग संघ प्रस्तावित नीति पर सरकार के साथ समानांतर चर्चा कर रहे हैं.

रसोई में एथेनॉल की पॉलिसी सितंबर तक तैयार हो सकती है. रिपोर्ट में कहा गया है कि एलपीजी पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए खाना पकाने के ईंधन के तौर पर एथेनॉल को उपयोग में लाया जाएगा और आयात बिल को कम किया जाएगा. एक अधिकारी ने कहा कि वैकल्पिक स्वच्छ खाना पकाने की नीति पर काम चल रहा है, जो घरेलू खाना पकाने के ईंधन के रूप में एलपीजी के साथ-साथ एथेनॉल को अपनाने में मदद करेगी. अप्रैल में एक रिपोर्ट में सुझाव दिया गया था कि सरकार के निर्देश के बाद, घरेलू खाना पकाने के लिए एक स्वच्छ विकल्प के रूप में एथेनॉल से चलने वाले खाना पकाने के चूल्हों का परीक्षण किया जा रहा है.

सब्सिडी योजना भी शुरू कर सकती है सरकार

रिपोर्ट में आगे यह भी कहा गया है कि एथेनॉल बेस्ड खाना पकाने को बढ़ावा देने के लिए सरकार किसी भी तरह की सब्सिडी योजना भी शुरू कर सकती है. भारत द्वारा घरेलू खाना पकाने के ईंधन के रूप में एथेनॉल को बढ़ावा देने का कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब घरेलू एथेनॉल की उपलब्धता में तेजी से वृद्धि हुई है. मई में जारी केयरएज रेटिंग्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, देश की वार्षिक एथेनॉल उत्पादन क्षमता पहले ही २० अरब लीटर से अधिक हो चुकी है, और चालू वित्त वर्ष के दौरान इसमें अतिरिक्त ४ अरब लीटर की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है. इस क्षमता में से, सरकार के ई२० एथेनॉल मिलावट के तहत हर साल लगभग ११ अरब लीटर की खपत होती है, जबकि शराब निर्माता, दवा कंपनियां और रसायन उत्पादक मिलकर ३-३.५ अरब लीटर का उपयोग करते हैं. इससे लगभग ७ अरब लीटर उत्पादन क्षमता अप्रयुक्त रह जाती है. इसके साथ, भारत नेपाल, बांग्लादेश और इंडोनेशिया जैसे पड़ोसी बाजारों में एथेनॉल निर्यात की संभावनाओं का भी पता लगा सकता है, जहां एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य १०त्न है, लेकिन घरेलू कच्चे माल की उपलब्धता अपर्याप्त बनी हुई है.

ऐसा माना जा रहा है कि तेल विपणन कंपनियां भी इस पहल से संबंधित चर्चाओं में शामिल हैं. उन्होंने एथेनॉल से चलने वाले चूल्हों से संबंधित रिसर्च और विकास कार्य किया है और मौजूदा एथेनॉल बेस खाना पकाने की तकनीकों से जुड़े संभावित अधिग्रहण या साझेदारी की संभावनाओं का पता लगा रही हैं.

संपादकीय | रूसी तेल पर सौ फीसद शुल्क का दांव

एक तरफ अमेरिका भारत से व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में जुटा है, दूसरी ओर वह रूस से तेल खरीदने पर सौ फीसद आयात शुल्क लगाने की तैयारी कर रहा है। व्यापारिक रिश्तों में विरोधाभास का यह विचित्र उदाहरण है। दरअसल, अमेरिका के दोनों प्रमुख दलों के सांसदों के एक समूह ने सीनेट में एक विधेयक पेश किया है, जिसमें रूस से तेल खरीदने वाले भारत और चीन सहित पांच देशों पर सौ फीसद तक आयात शुल्क लगाने का प्रस्ताव है।

इस विधेयक के पारित हो जाने पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भारी-भरकम शुल्क थोपने का अधिकार मिल जाएगा। इस नए परिदृश्य में भारत-अमेरिका के बीच चल रही व्यापार वार्ता का क्या भविष्य होगा, यह एक बड़ा सवाल है और फिर समझौते का भी क्या महत्त्व रह जाएगा?

गौरतलब है कि बीती फरवरी में व्यापार समझौते के लिए रूपरेखा तय होने पर रूसी तेल से जुड़े अतिरिक्त पच्चीस फीसद शुल्क को हटा दिया गया था। अब नए सिरे से सौ फीसद शुल्क लगाने की प्रक्रिया से प्रतीत होता है कि अमेरिका भयादोहन की नीति अपना रहा है।

हालांकि, संशोधित विधेयक को पहले के मसविदे से नरम बताया जा रहा है। शुरुआती प्रस्ताव में ट्रंप प्रशासन ने संसद में विधेयक पेश कर पांच सौ फीसद तक शुल्क लगाने की पेशकश की थी। मगर सवाल है कि कोई देश अगर रूस से तेल खरीदता है, तो उस पर अमेरिका को शुल्क लगाने का अधिकार कैसे मिल जाता है!

ईरान पर हमले से लेकर शुल्क थोपने तक के मुद्दे पर जिस तरह से राष्ट्रपति ट्रंप अपने रुख से पलटते रहे हैं, उससे अमेरिका की साख कम हुई है। यह स्पष्ट है कि दूसरे देशों को मनमाने तरीके से संचालित करने और उन पर नाहक दबाव बनाने से अमेरिका की महाशक्ति की छवि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। दबाव बनाने और अपने मुताबिक संचालित करने के अलोकतांत्रिक कदमों से अमेरिका ने अपनी छवि धुंधली ही की है।

अब नाहक शुल्क लगाने की नीति से भारत के साथ उसके व्यापारिक रिश्तों पर नकारात्मक प्रभाव भी पड़ सकता है। सवाल है कि अमेरिका की लगातार मनमानी से दुनिया प्रगति के रास्ते पर बढ़ेगी या पीछे चली जाएगी और इसका खुद अमेरिका पर कैसा असर पड़ेगा?

सौ बुलेटप्रूफ वाहन, बढ़ता खौफ

मणिपुर में हाल के दिनों में हिंसक घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। पिछले सप्ताह उखरुल जिले में उग्रवादियों के घात लगाकर किए गए हमले में असम राइफल्स के दो जवान शहीद हो गए थे। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन के बाद सरकार के फिर से कमान संभालने पर यह माना जा रहा था कि राज्य में स्थायी तौर पर शांति बहाली की दिशा में प्रयास तेज होंगे। मगर इन अपेक्षाओं के विपरीत हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। जातीय संघर्ष से उपजी विरोध की चिंगारी आए दिन हिंसक घटनाओं के रूप में सामने आ रही है। स्थिति यह है कि राज्य में तैनात सुरक्षाबलों को भी अब अपनी सुरक्षा की चिंता सताने लगी है। इसी कारण सुरक्षा कर्मियों की तैनाती और आवाजाही के लिए रणनीतिक तौर पर बदलाव किए जा रहे हैं। सेनापति जिले में हाल ही में असम राइफल्स के एक शिविर पर भीड़ के हमले के बाद केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने अपनी सुरक्षा के लिए करीब सौ बुलेटप्रूफ वाहनों को अपने काफिले में शामिल किया है। ऐसे में सवाल है कि जब सुरक्षाबलों की सुरक्षा को ही खतरा पैदा हो गया है, तो आम लोग खुद को कैसे सुरक्षित महसूस कर पाएंगे? आखिर क्या वजह है कि राज्य में सामाजिक सौहार्द और अमन-चैन कायम करने के प्रयासों में सरकार की इच्छाशक्ति एवं गंभीरता नजर नहीं आ रही है? गौरतलब है कि मणिपुर में हाल के दिनों में हिंसक घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। पिछले सप्ताह उखरुल जिले में उग्रवादियों के घात लगाकर किए गए हमले में असम राइफल्स के दो जवान शहीद हो गए थे। इसके कुछ दिन बाद सेनापति जिले में स्थानीय लोगों की भीड़ ने सैन्य बल के शिविर पर हमला कर वहां आगजनी और तोड़फोड़ की। ये घटनाएं बताती हैं कि राज्य में आम लोगों के असंतोष के बीच उग्रवादी संगठनों की सक्रियता भी बढ़ती जा रही है। हालांकि, कुछ विरोधी संगठनों ने सरकार के साथ समझौता कर शांति बनाए रखने की प्रतिबद्धता जताई है, लेकिन इनसे इतर नए समूह खड़े हो गए हैं, जो अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए हिंसक वारदात को अंजाम देने का कोई मौका नहीं चूकते। राज्य में जटिल होते हालात के पीछे एक कारण यह भी है कि स्थानीय लोगों का व्यवस्था पर भरोसा कमजोर हो रहा है। ऐसे में सबसे पहले सरकार की प्राथमिकता यही होनी चाहिए कि आम लोगों में विश्वास बहाली के लिए गंभीरता से प्रभावी कदम उठाए जाएं।।

आज का कार्टून

एक बुलडोजरबद्ध प्रार्थना

हम आजम खान के समर्थक नहीं हैं। न ही आजम खान की तरह सरकारी लाभ लेकर विश्वविद्यालय बनाने के आरोपों का समर्थन करते हैं। उस विश्वविद्यालय के बनने के तौर-तरीकों, अच्छाई-बुराई, कानूनी-गैरकानूनी तय करना अदालत का काम है, वह तय करे। हम इसके किसी राजनीतिक पहलू पर अपनी राय नहीं रख रहे हैं। हम इसे सिर्फ आज के शिक्षा के हालात से जोड़ कर देख रहे हैं। बुनियादी शिक्षा की हालत इस बात से भी तय होती है कि आपके ज्ञान व अनुसंधान के शीर्ष की क्या हालत है।

मुकेश भारद्वाज

जब हम चांद और मंगल पर बस्ती बसाने की बात कर रहे हैं तो हमारे देश के काबिल वैज्ञानिक इसरो में नहीं रहना चाह रहे हैं। परीक्षाओं को संचालित करने में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की इतनी नाकामियां साबित होने के बाद भी शिक्षा महकमा निश्चिंत बैठा रहा। वह समय बीता जब सत्ता का शुभंकर इसरो जैसा संस्थान होता था, अब सबकी पसंद बुलडोजर है। बेबाक बोल की बुलडोजरबद्ध प्रार्थना, जौहर यूनिवर्सिटी गिरनी ही चाहिए।

जी हां, जौहर यूनिवर्सिटी को गिराया जाना चाहिए। आज सभी जगह आवाज बुलंद हो रही है कि इसे न गिराया जाए, यहां तक कि 'सरकारी एंकर' भी कह रहे हैं कि इसे न गिराया जाए। मगर हम दृढ़ता के साथ कह रहे हैं कि इसे गिराया जाए। न सिर्फ इसे गिराया जाए, बल्कि इसके खंडहर को ऐतिहासिक धरोहर की तरह महफूज रखा जाए। धरोहर की स्मारिका में लिखा जाए कि ऐसा भी शासन आया था, जिसमें शिक्षा व्यवस्था की यह हालत थी। जौहर यूनिवर्सिटी तो प्रतीक है, अन्य विश्वविद्यालयों पर न जाने किस-किस तरह के बुलडोजर चल रहे हैं। आज जो हमारी शिक्षा व्यवस्था की हालत है, जिस तरह से शिक्षा-बजट कम हो रहा है, जिस तरह से विश्वविद्यालयों को निशाना बनाया जा रहा है, उन सबका संयुक्त प्रतीक जौहर का खंडहर होगा।

देश के सबसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय को पिछले दो दशकों से महज इसलिए निशाना बनाया जा रहा है, क्योंकि उसकी बुनियाद की पत्थर के साथ उसके नाम में उस राजनेता का नाम जुड़ा है जिन्हें कोसने के लिए शायद अच्छे-खासे बजट का इंतजाम किया गया होगा। हमारे पड़ोस के कई देशों के कई बड़े राजनेता तक इसका गुणगान करते नहीं थकते, इसलिए भी इसके प्रति गुस्सा जायज है। देश के सबसे बड़े कृत्रिम मेधा के मेले में गलगोटिया जैसे विश्वविद्यालय ने देश की शैक्षणिक साख का गला घोट कर आपकी शिक्षा नीति पर सवाल उठा दिए थे तो यह और भी जरूरी लगने लगा होगा कि पुरानी सत्ता के बनाए विश्वविद्यालयों पर बुलडोजर चलाना शिक्षा के क्षेत्र में सबसे ज्यादा जरूरी है।

जौहर विश्वविद्यालय को इसलिए भी गिराया जाना जरूरी है, ताकि सनद रहे, इस देश में कोई सामाजिक, पर्यावरण कार्यकर्ता जिसका नाम सोनम वांगचुक था वह बीस दिनों से ज्यादा जंतर मंतर पर भूखा-प्यासा बैठा रहा। अदालत तक ने कह दिया कि जिंदगी अनमोल है, लेकिन सरकार के कान पर जूं नहीं रेंगी। शिक्षा मंत्री बने रहे। शिक्षा मंत्री की नाकामी पर किसी को एक फीसद भी शक नहीं है। चाहे वह पेपर लीक की कड़ी हो, चाहे शिक्षा का गिरता स्तर हो, चाहे फेल करने वाले बढ़ रहे हों, चाहे हजारों स्कूल बंद हो रहे हों। शिक्षा मंत्री को सिर्फ इसलिए बने रहना चाहिए, क्योंकि एक वर्ग चाहता है कि उन्हें हटाया जाना चाहिए।

एक बात और साफ कर देना चाहते हैं। हम भी कहते हैं, शिक्षा मंत्री को हटाया जाना चाहिए। हम धर्मेंद्र प्रधान को न तो निजी तौर पर जानते हैं, न उनसे निजी मुलाकात है, न निजी सहानुभूति और न निजी गुस्सा। हम उन्हें निकालने की मांग का समर्थन कर रहे हैं,

क्योंकि देश प्रतीकों पर चलता है। उनको हटाया जाना सरकार के उस संकल्प का जाहिर बनेगा कि हां, हम बदलाव चाहते हैं। हम मौजूदा स्थिति के मुताबिक देश को नहीं चलाना चाहते हैं। इसलिए हम चाहते हैं कि धर्मेंद्र प्रधान जाएं। इसलिए जाएं ताकि देश की युवा पीढ़ी, देश का शिक्षित वर्ग, देश के शिक्षक और विद्यार्थी इस बात को लेकर आश्वस्त हो सकें कि एक सरकार है, जिसे लगता है कि कोई भी नेता अपनी जिम्मेदारी से कैसे बच सकता है, अगर उसके अधिकार क्षेत्र में नाकामी ही नाकामी हो।

स्वतंत्रता सेनानी और भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू आज इस दुनिया में नहीं हैं। लेकिन चीन के साथ जंग में देश की पराजय में उनकी जिम्मेदारी की हिस्सेदारी बढ़ती जा रही है। आज उनका नाम लेकर उन्हें कोसा जा रहा है, संसद के लिए चुने गए लोग उनके खिलाफ असंसदीय बातें बोल रहे हैं। इंदिरा गांधी अब नहीं हैं, लेकिन 1984 के दंगों के लिए आज तक उन्हें कठघरे में रखा गया है। आज उनके खिलाफ जिस तरह की बातें की जा रही हैं, कल को इतिहास की किताबें भी हमारे इस वर्तमान को लेकर शर्मिंदा होंगी।

राजीव गांधी पर आज तक भ्रष्टाचार का कोई आरोप साबित नहीं हुआ। फिर भी उन्हें देश में 'मिस्टर टेन परसेंट' कह कर पुकारा जाता है। हम उनकी बात तो कर ही नहीं रहे जो थोड़े समय के लिए आए, लेकिन वे भी अपनी जिम्मेदारियों से नहीं बच सके हैं। अब आप एक जिम्मेदारीमुक्त युग लाना चाहते हैं तो स्वागत है।

जौहर विश्वविद्यालय का गिरना काव्यात्मक न्याय का प्रतीक होगा। बहुत ज्यादा पैसे खर्च कर बनाए गए विश्वविद्यालय की कक्षाएं, प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय भी अवैध हो सकते हैं, अगर उसके साथ कोई खास नाम जुड़ा हो। बुलडोजर के जरिए सबसे बड़ा संदेश जाएगा कि एक चीज जो सत्ता प्रतिष्ठान के मुताबिक गलत थी, उसे नेस्तनाबूद कर दिया गया। इसलिए जौहर विश्वविद्यालय का गिरना हम जरूरी मान रहे हैं। हम चाहते हैं कि जो बुलडोजर उधर की ओर चले हैं, वे किसी दबाव में नहीं आएं। जौहर यूनिवर्सिटी की ईंट से ईंट गिरा कर ही बाहर निकलें।

2022 के चुनाव के बाद संदेश मिल चुका है कि बुलडोजर आपका सबसे बड़ा संदेशवाहक है। बुलडोजर की सार्थकता यह है कि विपक्ष वाली सरकार के राज्य में कमल से ज्यादा बुलडोजर का निशान याद दिलाया जाता है कि हमारी सरकार बनाओ और हर समस्या को ध्वस्त करने के लिए बुलडोजर बुलाओ। वह पुराने समय की बातें हैं जब शिक्षा संस्थानों में प्रतीक के रूप में वाग्देवी, कलम, दवात होते थे। जौहर यूनिवर्सिटी के धराशायी होने के बाद शिक्षा संस्थानों के प्रवेश द्वार पर बुलडोजर स्थापित होना चाहिए।

अब हमारी बुलडोजरबद्ध प्रार्थना है कि सरकार जल्द से जल्द जौहर विश्वविद्यालय को गिराए और धर्मेंद्र प्रधान को न हटाए। सोनम वांगचुक के साथ जो होना होगा हो जाए, उनके साथ भूख हड़ताल कर रहे युवाओं का शरीर कंकाल में बदले तो बदले। देश की अदालतें जो कहती हैं, कहती रहें, देश का प्रबुद्ध वर्ग जो कहता है, कहता रहे, आपको उस पर न तो कान देना है, न ध्यान देना है। बस धर्मेंद्र प्रधान अपने पद पर बने रहने चाहिए। रक्षा मंत्री का वाक्य ही आपके कर्तव्य-पथ का ध्येय होना चाहिए कि इस सरकार में इस्तीफे नहीं होते हैं।

सरकार को अपने फैसले पर बने रहने का पूरा हक है। सरकार, धर्मेंद्र प्रधान को अपना मान-सम्मान बनाए हुए है तो उसकी ठोस वजह होगी। धर्मेंद्र प्रधान ने वैसे नतीजे दिए होंगे, जो सरकार को चाहिए, भले ही वे शिक्षा व किसी अन्य क्षेत्र में हों। आज से पहले इतना भाईचारा भी तो किसी सरकार में नहीं दिखा था। पेट्रोल व एथेनॉल पर सड़क-परिवहन मंत्री ने जो मसीहाई रूप दिखाया है, वह सारी सत्ताओं के लिए संदेश है कि काम के नतीजे वहां नहीं खोजिए, जहां मंत्री जी की कुर्सी है।

अभी तो हमारी सबसे बड़ी शिकायत जंतर मंतर पर बैठे लोगों से है। आपने कैसे मान लिया कि धर्मेंद्र प्रधान नाकाबिल मंत्री हैं? आपने कैसे मान लिया कि उन्होंने अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाई? आपने कैसे मान लिया कि उनकी जिम्मेदारी शिक्षा-व्यवस्था में सुधार है? आप लोग जंतर मंतर का दुरुपयोग ऐसे व्यक्ति को परेशान करने में कर रहे हैं, जो सरकार से मिली हर जिम्मेदारी को अच्छी तरह से निभा रहे हैं। क्या आपको जंतर मंतर से उत्तर प्रदेश नहीं दिख रहा है? क्या आपको सत्ता का निशान बुलडोजर नहीं दिख रहा है? अब कृपया जंतर मंतर और वेधशाला का इतिहास मत बताइएगा, क्योंकि इतिहास बदला जा रहा है।

क्या भारत का विकास हाशिये के आखिरी आदमी तक पहुंच पाया है

मानव सभ्यता के इतिहास पर अगर हम निष्पक्ष दृष्टि डालें, तो यह स्पष्ट होता है कि प्राकृतिक आपदाओं, महामारियों या हिंसक वन्यजीवों ने मानवता को उतना नुकसान नहीं पहुंचाया है, जितना स्वयं मनुष्य ने मनुष्य को पहुंचाया है। पशु जगत में हिंसा का आधार प्रायः जैविक है - भूख या आत्मरक्षा। मगर मनुष्य ही एकमात्र ऐसी प्रजाति है, जो बिना किसी स्पष्ट उकसावे के, विचारधारा, धर्म, जाति या वर्चस्व के नाम पर संगठित हिंसा को अंजाम देती है। घृणा और असहिष्णुता का यह विषाक्त वातावरण एक ऐसी पीढ़ी को जन्म देता है, जो विरासत में ही द्वेष की घुट्टी लेकर पैदा होती है।

संतोष पटेल

जब हम घृणा, गरीबी और शोषण के अंतर्संबंधों पर बात करते हैं, तो प्रगतिशील कवि और गीतकार साहिर लुधियानवी की कालजयी पंक्तियां मानस पटल पर उभर आती हैं। उन्होंने अपनी नज्म 'चकले' में उस कड़वे सच को उकेरा था, जो आज भी हमारे आधुनिक समाज के चेहरे पर एक तमाचा है–'संसार की हर एक बेशर्मी, गुरबत की गोद में पलती है/ चकले ही में आकर रुकती हैं, फाकों (भूख) में जो राहें निकलती हैं।'

'घृणा' एक ऐसा शक्तिशाली और विनाशकारी भाव है, जिसने मानव इतिहास के पृष्ठों को रक्त और राख से रंगा है। शेक्सपियर ने प्रेम और घृणा को व्यक्तित्व के दो ध्रुव बताया है। वास्तविकता यह है कि घृणा में जलने वाला व्यक्ति अपनी समस्त ऊर्जा उस व्यक्ति या व्यवस्था के प्रति समर्पित कर देता है, जिसे वह नापसंद करता है। यह एक ऐसी आत्मघाती प्रक्रिया है, जो पाने वाले का कम, लेकिन उसे पोषित करने वाले का सर्वस्व नष्ट कर देती है। तथागत बुद्ध ने 'धम्मपद' में इस शाश्वत सत्य को अत्यंत स्पष्टता से रेखांकित किया है–इस संसार में द्वेष कभी भी द्वेष से शांत नहीं होता, वह केवल अद्वेष, प्रेम और करुणा से ही शांत होता है। दरअसल, अपराध और सामाजिक पतन का मूल कारण आमतौर पर व्यक्ति का जन्मजात चरित्र नहीं, बल्कि व्यवस्था द्वारा थोपी गई

दरिद्रता, बेबसी और निरंतर अभाव होता है। जब एक समाज अपनी ही संतानों को भूख और हताशा के आगे घुटने टेकने पर मजबूर कर देता है, तो उस समाज में मानवीय मूल्यों का क्षरण होना स्वाभाविक है। साहिर का मार्मिक सवाल 'जिन्हें नाज है हिंद पर, वो कहां हैं' आज भी उन सत्ताधीशों, नीति-निर्माताओं और संभ्रांत वर्ग को झकझोरने के लिए पर्याप्त है, जो विकास की चकाचौंध और बड़े-बड़े आंकड़ों में तो चमकते हैं, लेकिन हाशिये पर खड़े उस अंतिम व्यक्ति की पीड़ा को देखने से कतराते हैं, जिसके श्रम से यह राष्ट्र खड़ा है।

अक्सर हम सामाजिक अपराधों और दंगों को केवल व्यक्तिगत नैतिक पतन या सांप्रदायिक कट्टरता के रूप में देखते हैं, जबकि इसका एक गहरा आर्थिक आधार भी है। शहरों में जिस प्रकार का विभाजन हुआ है, वह बढ़ती असमानता का जीवंत प्रमाण है। जब एक तरफ समृद्धि के उत्तुंग शिखर हों और दूसरी तरफ सुविधाओं से वंचित मलिन बस्तियां, तो वहां उपजे आक्रोश की पृष्ठभूमि को समझा जाना चाहिए। यह आक्रोश केवल गरीबी का परिणाम नहीं है, बल्कि संसाधनों के अनुचित वितरण, अवसर की असमानता और निरंतर शोषण का संचित परिणाम है।

गरीब वर्ग स्वभाव से कहीं अधिक सहिष्णु और कानून का पालन करने वाला होता है, लेकिन जब उसे यह अहसास होता है कि व्यवस्था, भ्रष्टाचार, अकर्मण्यता और पक्षपात के कारण उसके हकों को कुचला जा रहा है, तो उसके भीतर 'सापेक्षिक वंचना' का भाव जागृत होता है।

आज के भारत में एक साथ कई शताब्दियां जी रही हैं–कहीं बैलगाड़ी है, तो कहीं लेम्बोर्गिनी। उपभोक्तावादी संस्कृति ने अमीर और गरीब के बीच की गहरी खाई को और अधिक चौड़ा कर दिया है। अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, लेकिन यह विकास वंचित वर्गों के लिए समावेशी नहीं बन पाया है। जो लोग विकास की इस दौड़ में पीछे छूट गए हैं, उनका धैर्य अब जवाब दे रहा है।

यह नीति-निर्माताओं के लिए खतरे की घंटी है। यदि हम शहरी विकास के नाम पर केवल उन लोगों की सुविधा सुनिश्चित करेंगे, जो आर्थिक रूप से संपन्न हैं, तो हम उन लाखों-करोड़ों लोगों की उपेक्षा कर रहे हैं, जिनके श्रम और पसीने पर यह पूरी शहरी सभ्यता और उसके आराम का ढांचा टिका है।

आजादी के अमृतकाल में भी हम केवल 'मुफ्त की योजनाओं' और लोक-लुभावन वादों के सहारे समाज को सांत्वना दे रहे हैं। सच्चाई यह है कि ये कृत्रिम और तात्कालिक उपचार अब नाकाफी हैं। राष्ट्र की वास्तविक वृद्धि तब होगी, जब युवाओं को उनके परिश्रम का उचित प्रतिफल मिलेगा, तंत्र में संवेदनशीलता होगी और विकास की मुख्यधारा में हर हाथ को काम मिलेगा। यह न केवल सामाजिक न्याय का तकाजा है, बल्कि बढ़ते हुए मध्य वर्ग के लिए भी आत्म-संरक्षण का प्रश्न है। अगर मध्य वर्ग हाशिये के समाज को साथ लेकर नहीं चलता, तो सामाजिक विखंडन और अराजकता का खतरा बना रहेगा।

आज हमें ऐसे दूरदर्शी विचारकों और नेतृत्व की आवश्यकता है, जो एक ऐसे भारत की कल्पना कर सकें जो केवल सांख्यिकी में नहीं, बल्कि मानवीय गरिमा में उन्नत हो। घृणा का उन्मूलन केवल उपदेशों या कठोर कानूनों से नहीं, बल्कि समानता और न्यायपूर्ण वितरण से होगा।

जब एक मजदूर का बेटा यह महसूस करेगा कि राष्ट्र उसके सपने का भी उतना ही सम्मान करता है, जितना कि किसी बड़े कॉरपोरेट जगत के नायक का, तभी 'भारत' का विचार पूर्ण होगा। समय आ गया है कि हम 'दलों' और 'दस्तावेजों' की राजनीति से ऊपर उठकर एक ऐसे समावेशी भारत का निर्माण करें, जहां किसी भी नागरिक को घृणा, भूख या अभाव की गोद में न पलना पड़े। सच्चा राष्ट्रवाद वही है, जो अपने सबसे कमजोर व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान ला सके

काला हीरा में कलाकारों ने नाट्य मंचन व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया

धनबाद (कासं) : सीसीडब्ल्यूओ कम्युनिटी हॉल में 'काला हीरा'

(ऑल इंडिया मल्टीलिंगुअल ड्रामा, डांस, ड्रॉइंग एंड म्यूजिक) कार्यक्रम का तीसरा दिन जमशेदपुर की कला क्रिएशन मैं नाटक में से बोल रहा हूं और गिरिडीह की सांस्कृतिक संस्था आईना ने तुमने मुझे खूबसूरत क्यों कहा की शानदार प्रस्तुति दी, नाट्य मंचन के साथसाथ स्थानीय कलाकारों वह अन्य राज्यों से आए कलाकारों द्वारा बहुत ही सुंदर सांस्कृतिक गीत नृत्य प्रस्तुत किए गए।
कलाकारों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिसे देख दर्शकों ने काफी प्रशंसा की। बता दें कार्यक्रम के तीसरे दिन अंतिम दिन मंगलवार तक नाट्य मंचों में एमपी के आईटीएम नाट्य मंच, वेस्ट बंगाल के बांकुड़ा से जॉय की टीम, उड़ीसा से नटराज थियेटर गिरिडीह से तीन टीम कलासंगम, विरंग और महेश अमन की टीमें नाटक की प्रस्तुति करेंगे।
गुजरात से दो डांस की टीमें में अपनी शानदार और मनमोहक प्रस्तुतियां पेश करेंगे, विगत सोमवार को सर्वप्रथम जमशेदपुर की संस्था कला क्रिएशन द्वारा प्रस्तुत किया गया नाटक मैं नर्क से बोल रहा हूं वर्तमान सामाजिक विषमता, प्रशासनिक लालफीताशाही और राजनीतिक ढोंग पर एक तीखा प्रहार करता है।

महान व्यंग्यकार हरि शंकर परसाई की रचना पर आधारित इस नाटक का सशक्त निर्देशन और अभिनय मसरूर सिद्दीकी ने किया है। यह नाटक आम आदमी की लाचारी और व्यवस्था की संवेदनहीनता को बहुत ही बेबाकी से मंच पर प्रस्तुत करता है।

नाटक का मुख्य पात्र नर्क से संवाद करते हुए समाज की दोहरी मानसिकता पर सवाल उठाता है। उसका कहना है कि जब इंसान जीवित रहता है, तब उसे भरपेट खाना या सम्मान नहीं मिलता, लेकिन मृत्यु के बाद उसकी लाश पर जुलूस निकाले जाते हैं और दिखावा किया जाता है। समाज जीवित अवस्था का तिरस्कार और मरण का सत्कार करने का ढोंग करता है।कहानी में सबसे बड़ा मोड़ तब आता है जब मुख्य पात्र की मृत्यु भयानक गरीबी और भुखमरी के कारण हो जाती है। इसके बावजूद, सरकार और अन्न मंत्री संसद में यह बयान देते हैं कि व्यक्ति की मौत भूख से नहीं, बल्कि आत्महत्या से हुई है। सत्ता अपनी नाकामी और अन्न की कमी को छुपाने के लिए एक मृत व्यक्ति को ही अपनी मौत का जिम्मेदार ठहरा देती है।मरने के बाद जब पात्र नर्क पहुँचता है और उसका वफ़ादार कुत्ता स्वर्ग में जाता है, तो वह न्याय के लिए भगवान के पास जाता है। भगवान भी सरकारी पोस्टमार्टम रिपोर्ट और कागज़ात का हवाला देकर उसे नर्क का भागीदार बताते हैं। इस पर पात्र खुलासा करता है कि उसका कभी पोस्टमार्टम हुआ ही नहीं, उसे तो सीधे जला दिया गया था। सरकारी मशीनरी राख बनने के बाद भी झूठी रिपोर्ट तैयार कर लेती है। मसरूर सिद्दीकी ने अपने अभिनय और निर्देशन के माध्यम से नाटक में अमीर और गरीब के बीच की गहरी खाई को बहुत बारीकी से उभारा है। एक तरफ रईसों के पास अनाज के हज़ारों बोरे सड़ रहे होते हैं और पुलिस प्रशासन उनकी रखवाली में लगा रहता है, वहीं दूसरी तरफ एक आम इंसान अपनी झोपड़ी में तिलतिल कर भूख से दम तोड़ देता है। संक्षेप में कहा जाए तो कला क्रिएशन की प्रस्तुति मैं नर्क से बोल रहा हूं केवल एक नाटक नहीं, बल्कि शासन तंत्र और सामाजिक ढाँचे पर एक करारा तमाचा है। मसरूर सिद्दीकी के अभिनय और कुशल निर्देशन में यह नाटक यह स्पष्ट दिखाता है कि कैंसे सत्ता अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए झूठ और कागज़ी हेरफेर का सहारा लेती है, जबकि आम नागरिक व्यवस्था की बलि चढ़ जाता है।

तीसरे दिन का दूसरा नाटक गिरिडीह की सांस्कृतिक संस्था आइना ने महेश अमन निर्देशित तुमने मुझे खूबसूरत क्यों कहा नाटक उपन्यासकर यशपाल द्वारा लिखित कहानी जिसका नाट्य रूपांतरन नाटककार अख्तर अली ने किया है का मंचन किया गया। यह नाटक मानव मनोविज्ञान पर आधारित है जिसमें यह दिखाने का प्रयास किया गया है कि किसी के मन में जीने की आशा जगाने के लिए संवाद के माध्यम से श्रृंगार पैदा किया जाय। जीने की आशा छोड़ चुकी युवती के मन में चिकित्स्क ने उसमें श्रृंगार उत्पन्न कर उसे बिना औषधि के बीमारी से मुक्ति प्रदान कर जीने की चाहत जगा दी। उमंग की भूमिका में तरुण राज सिंह, बीमार युवती की भूमिका में प्रगति वर्मा, डॉ की भूमिका मे षभ नंदन, नर्स की भूमिका मे शानवी सिंह, जूनियर डॉ. की भूमिका में अंशु तथा मामा की भूमिका में आदित्य अमन की भूमिका ने नाटक को सजीवता प्रदान कर दी है।

नाटक ने शुरू से दर्शकों को बाँधे रखा और जीने के लिए प्रेम की आवश्यकता को जरूरी बताया है। नेपथ्य में प्रकाश व्यवस्था : आयुष और पृथ्वी, रूप सज्ञा आदित्य, संगीत व्यवस्था आंसूं गोसाई,मंच सज्ञा आदित्य ने नाट्य मंचन को आकर्षक बनाया। कार्यक्रम में को सफल बनाने में काला हीरा के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद, पूनम प्रसाद, वैभव प्रसाद, मिताली मुखर्जी, सरसी चंद्रा, वशिष्ठ प्रसाद सिन्हा सचिव हेमंत कुमार मंडल, कोषाध्यक्ष नरेश राय, यू सी मिश्रा, शिवानी पंडित, साक्षी सक्रिय थे।

भागवत कथा सुनने का अवसर अत्यंत दुर्लभ होता है : सुरेन्द्र हरिदास जी

गोविंदपुर (ससे) : साबलपुर में हो रही श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन कथावाचक सुरेन्द्र हरिदास ने कहा कि भागवत कथा सुनने का अवसर अत्यंत दुर्लभ होता है। देवताओं के राजा इंद्र के पास स्वर्ग के असीम सुख हैं, फिर भी उन्हें भागवत कथा सुनने का सौभाग्य प्राप्त नहीं होता। मनुष्य जन्म स्वयं में दुर्लभ है और यदि इस जीवन में भगवान की कथा सुनने, संतों का संग प्राप्त करने तथा भक्ति करने का अवसर मिले तो उसे व्यर्थ नहीं जाने देना चाहिए। भागवत कथा केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि आत्मा को भगवान से जोड़ने और जीवन को सही दिशा देने का माध्यम है। इसलिए श्रद्धा, एकाग्रता और विनम्रता के साथ कथा श्रवण करना चाहिए।

श्री हरिदास ने कहा कि ताप्ती नदी हमें प्रकृति के सम्मान, आध्यात्मिक चिंतन और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़े रहने की प्रेरणा देती है। ताप्ती नदी में स्नान करने तथा श्रद्धापूर्वक पूजाअर्चना करने से मन को शांति, सकारात्मक ऊर्जा और भगवान के प्रति भक्तिभाव की प्राप्ति होती है। यह नदी केवल जल का स्रोत नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति, आस्था और सनातन परंपराओं की जीवंत धरोहर भी है।

कथा को सफल बनाने में मंतोष साधू बाबा, यजमान तपन कुमार गोपपारूल देवी एवं विनोद महतोउतरा देवी समेत सुभाष गिरि, कमलेश गोप, नितेश गोप, गौतम गोप, शिवपूजन गोप, डीएन सिंह, धीरेन महतो, राजकिशोर गोप, महेंद्र प्रसाद, संतोष गोप, मनोज गोप, अरुण गिरि, लछू गोप, पार्थो सारथी, हरि भजन गोप, सत्यनारायण महतो, छठी लाल महतो, परमेश्वर महतो, भरत कुंभकार, विश्वनाथ कुंभकार, लखन गिरि, परमेश्वर गोप, रंजीत गोप, सुनील गोप आदि साबलपुरमोसाईंडीह निवासी सक्रिय हैं।

बलियापुर के मजदूर की गुमला में मौत

बलियापुर (ससे) : बलियापुर प्रखंड के घड़बड़ बाउरी टोला के तीन मजदूर गुमला जिले के बसिया थाना क्षेत्र के सोंगबीरा गांव में सड़क हादसे का शिकार हो गए। हादसे में संजय बाउरी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि राकेश बाउरी और बापी बाउरी गंभीर रूप से घायल हैं। घटना की सूचना मिलते ही

मृतका की फाईल फोटो

गांव में की लहर दौड़ गई। घायलों का इलाज जारी है।

धनबाद के समग्र विकास को ले महाधरना कल

धनबाद (कासं) : धनबाद के समग्र विकास को लेकर आगामी २२ जुलाई को शहर में एक बड़ा धरनाप्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। इस धरना में विभिन्न राजनीतिक दलों के सात विधायक और दो सांसद के शामिल होने की संभावना जताई गई है।

धरना के माध्यम से धनबाद के लिए नई रेल सेवाएं, एयरपोर्ट, एम्स की तर्ज पर सुपरस्पेशियलिटी अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर सहित कई महत्वपूर्ण मांगों को केंद्र सरकार के समक्ष मजबूती से उठाया जाएगा। आयोजकों ने धनबाद की जनता से बड़ी संख्या में धरना में शामिल होकर जिले के विकास की आवाज बुलंद करने की अपील की है। २२ जुलाई को प्रस्तावित इस महाधरना में धनबाद से रोजाना के लिए मुंबई के लिए सीधी रेल सेवा शुरू करने की मांग प्रमुख रूप से उठेगी, ताकि कैंसर सहित गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए मरीजों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। इसके अलावा धनबादकटिहार, धनबाद-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस और धनबाद से सिलीगुड़ी के लिए नई रेल सेवा शुरू करने की भी मांग की जाएगी।

धरना के दौरान तोपचांची के पास करीब १३ सौ एकड़ सरकारी भूमि पर एयरपोर्ट निर्माण का मुद्दा भी उठाया जाएगा। आयोजकों का कहना है कि यह स्थान एयरपोर्ट के लिए उपयुक्त है और यहां से बोकारो, पारसनाथ और गिरिडीह की दूरी महज ३० से ४० किलोमीटर है। इसके साथ ही धनबाद सेंट्रल अस्पताल को एम्स की तर्ज पर सुपरस्पेशियलिटी अस्पताल बनाने और जिले में अत्याधुनिक ट्रॉमा सेंटर स्थापित करने की मांग भी प्रमुखता से रखी जाएगी। बताया गया कि इन मांगों से संबंधित प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा जा चुका है। आयोजकों के अनुसार इस धरना में माले विधायक अरूप चटर्जी और चंद्रदेव महतो, भाजपा विधायक राज सिन्हा और रागिनी सिंह, जेएलकेएम के जयराम महतो, धनबाद सांसद ढुल्लू महतो तथा गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी के शामिल होने की उम्मीद है। आयोजकों ने इसे दलगत राजनीति से ऊपर उठकर धनबाद के विकास की लड़ाई बताते हुए जिले के सभी लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस आंदोलन को सफल बनाने की अपील की है।

पाटलीपुत्र अस्पताल में अत्याधुनिक तकनीक से सफल घुटना प्रत्यारोपण

धनबाद (कासं) : जोड़ाफाटक रोड स्थित पाटलीपुत्र अस्पताल में आर्थोपेडिक्स एवं ज्वॉइंट रिप्लेसमेंट विशेषज्ञ डा. निखिल ड्रोलिया ने अत्याधुनिक यूनिकोम्पार्टमेंटल नी रिप्लेसमेंट (यूकेआर) तकनीक से ४२ वर्षीय महिला मरीज का सफल घुटना प्रत्यारोपण किया। अस्पताल सूत्र के अनुसार धनबाद में इस तकनीक से किया गया यह पहला आपरेशन है, जबकि झारखंड में भी इसका उपयोग अभी सीमित है। मरीज मंजू देवी (४२) निवासी तेलमच्चो बाजार, पिछले छह माह से घुटने के असहनीय दर्द से परेशान थीं। चलनेफिरने और बैठने में उन्हें काफी कठिनाई हो रही थी। जांच में घुटने के एक हिस्से की हड्डी क्षतिग्रस्त पाई गई। इसके बाद डॉ. निखिल ड्रोलिया और उनकी टीम ने यूनिकोम्पार्टमेंटल नी रिप्लेसमेंट तकनीक से सफल सर्जरी की। फिलहाल मरीज स्वस्थ है और तेजी से रिकवरी कर रही हैं।

डॉ. निखिल ड्रोलिया ने बताया कि इस तकनीक में घुटने के केवल क्षतिग्रस्त हिस्से को बदला जाता है, जबकि स्वस्थ हड्डियां और प्राकृतिक लिगामेंट सुरक्षित रहते हैं। इससे घुटने की स्वाभाविक कार्यप्रणाली बनी रहती है। सर्जरी के दौरान केवल तीन से साढ़े तीन इंच का छोटा चीरा लगाया जाता है, जिससे रक्तस्राव और दर्द कम होता है तथा मरीज जल्दी सामान्य जीवन में लौट सकता है। अधिकांश मरीज सर्जरी के दिन या अगले दिन चलनेफिरने लगते हैं और आसानी से बैठ भी सकते हैं। उन्होंने कहा कि अब तक इस तरह की सर्जरी के लिए धनबाद और आसपास के मरीजों को दिल्ली, मुंबई या कोलकाता जाना पड़ता था। अब यह सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होने से मरीजों का समय और खर्च दोनों बचेंगे। पाटलीपुत्र अस्पताल के निदेशक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डा. निर्मल ड्रोलिया ने कहा कि अस्पताल आधुनिक तकनीक और अनुभवी विशेषज्ञों के माध्यम से धनबाद समेत पूरे झारखंड के मरीजों को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत है।

बिजलीपानी व पुनर्वास की मांग पर ग्रामीणों का आंदोलन

कतरास (ससे) : कतरास स्थित वेस्ट मोदीडीह और खास सिजुआ के सैकड़ों ग्रामीणों ने बिजली, पानी और पुनर्वास की मांग को लेकर भूमि आउटसोर्सिंग कंपनी के परिवहन कार्य को रोककर प्रदर्शन किया। आंदोलन के कारण करीब दो घंटे तक परिवहन कार्य बाधित रहा। ग्रामीणों का आरोप है कि वार्ता का आश्वासन मिलने के बावजूद प्रबंधन ने बातचीत नहीं की, जिसके विरोध में दोबारा आंदोलन किया गया। मौके पर बड़ी संख्या में महिलाएं और ग्रामीण मौजूद रहे। आंदोलन शांतिपूर्ण रहा।

विद्यार्थियों के बीच साइकिल वितरण शुरू

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर प्रखंड मुख्यालय में आयोजित समारोह में प्रखंड प्रमुख निर्मला सिंह एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी जहीर आलम ने स्कूली विद्यार्थियों के बीच साइकिल वितरण शुरू किया। उन्होंने कहा कि प्रखंड के सभी विद्यालयों के सूचीबद्ध बच्चों के बीच साइकिल का वितरण किया जाएगा। साइकिल आपूर्ति और वितरण की जिम्मेदारी कोलकाता की एजेंसी को सरकार की ओर से दी गई है। वर्तमान में करीब २१सौ साइकिल की सामग्री पहुंच गई है और पिछले वित्त वर्ष की १६०० साइकिल का वितरण भी किया जाएगा। प्रखंड प्रमुख और प्रखंड विकास पदाधिकारी ने आपूर्ति एजेंसी को विद्यालयों तक साइकिल पहुंचने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि विद्यालयों तक साइकिल पहुंचाने के एवज में विद्यार्थियों से वसूली किसी हालत में नहीं होनी चाहिए। इससे लोगों में सरकार के प्रति गलत संदेश जाता है। एजेंसी को विद्यालय तक साइकिल हर हाल में पहुंचना होगा। इस मौके पर पूर्व प्रमुख डीएन सिंह, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी मंतोष कुमार, वासुदेव महतो, अब्दुल मजीद आदि मौजूद थे।

डीवाईएफआई ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला फूंका

धनबाद (कासं) : भारत की जनवादी नौजवान सभा धनबाद जिला कमिटी द्वारा देश में शिक्षा

व्यवस्था की बदहाल स्थिति और बारबार हो रहे हैं पेपर लीक तथा जंतर मंतर में चल रहे छात्र युवाओं के धरना वा सोनम वांगचुक के द्वारा अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल में सरकार की पुलिस द्वारा गिरफ्तारी के खिलाफ उनकी रिहाई के साथसाथ शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा की मांग को लेकर रणधीर वर्मा चौक धनबाद में शिक्षा मंत्री का पुतला दहन किया गया। नौजवान सभा के द्वारा कोर्ट मोड़ से जुलूस की शक्ल में रैली करते हुए। रणधीर वर्मा चौक पहुंचे जुलूस में शामिल नौजवान शिक्षा मंत्री इस्तीफा दो, देश की शिक्षा व्यवस्था को ठीक करो, पेपर लीक पर रोक लगाओ, और छात्र नौजवान के भविष्य के साथ खिलवाड़ करना बंद करो, आदि नारे लगा रहे थे। पुतला दहन कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान सरकार शिक्षा व्यवस्था को चौपट कर दिया एक तरफ शिक्षा का व्यवसायीकरण किया जा रहा है। तो दूसरी तरफ १२ साल में ९० बार पेपर लीक कर छात्र युवाओं के भविष्य के साथ खेल रहा है। यह पूरी तरह से सरकार के द्वारा प्रायोजित पेपर लीक है। वक्ताओं ने कहा कि इसके खिलाफ आंदोलन करने वालों पर दमनात्मक करवाई किया जा रहा है। सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी इसका ज्वलंत उदाहरण है। वक्ताओं ने सोनम वांगचुक की रिहाई और शिक्षा मंत्री के इस्तीफा की मांग की। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष विश्वजीत महतो, जिला सचिव नौशाद अंसारी, प्रजा पासवान आदि शामिल थे।

कतरी नदी में दिखा मगरमच्छ, लोगों में दहशत

कतरास (ससे) : कतरास के पंजाबी मोहल्ला स्थित कतरी नदी में एक मगरमच्छ दिखाई देने से इलाके में दहशत फैल गई। स्थानीय लोगों के अनुसार मगरमच्छ नदी में उल्टा तैरता हुआ नजर आया। आसपास के लोग प्रतिदिन इसी नदी में स्नान करने जाते हैं, जिससे किसी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है। लोगों ने इसकी सूचना संबंधित अधिकारियों को दी, लेकिन समाचार लिखे जाने तक रेस्क्यू टीम मौके पर नहीं पहुंची थी।

आईएसएम में फैकल्टी नेतृत्व विकास पर प्रशिक्षण शुरू

धनबाद (कासं) : आईआईटी-आईएसएम धनबाद के मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर (एमएमटीटीसी) में मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम (एमएमटीटीपी) के तहत १० वें नर्चरिंग फ्यूचर लीडरशिप प्रोग्राम (एनएफएलपी) की शुरुआत हुई। पांच दिवसीय इस आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के विभिन्न प्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्थानों से आए ३४ फैकल्टी सदस्य हिस्सा ले रहे हैं।

प्रतिभागियों में आईआईटी खड़गपुर, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू), आईआईईएसटी शिबपुर, बीएमएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बेंगलुरु, झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, रांची सहित हुगली, कोडरमा,चतरा, हजारीबाग और

बीबीएमकेयू, धनबाद से जुड़े कॉलेजों के शिक्षक शामिल हैं।

कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. मृणालिनी पांडेय ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों में करियर के शुरुआती दौर से ही नेतृत्व क्षमता विकसित करना है, ताकि वे अपने संस्थानों के साथ-साथ समाज के विकास में भी प्रभावी भूमिका निभा सकें। प्रो. कृष्णेंदु शॉ ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए कहा कि आज के समय में अकादमिक संस्थानों में भी नेतृत्व कौशल उतना ही जरूरी है जितना उद्योग जगत में्।उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान केस स्टडी, रोल प्ले, नेतृत्व आधारित गतिविधियों और अनुभवात्मक शिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों की नेतृत्व क्षमता को मजबूत किया जाएगा।

प्रबंधन अध्ययन एवं औद्योगिक अभियंत्रण विभाग के अध्यक्ष प्रो. संदीप मंडल ने कहा कि शिक्षक केवल स्वयं नेता बनने तक सीमित न रहें, बल्कि विद्यार्थियों में भी नेतृत्व के गुण विकसित करें। उन्होंने कहा कि नेतृत्व केवल पढ़ाने से नहीं, बल्कि व्यवहार और अभ्यास से विकसित होता है। इस अवसर पर मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. सोमनाथ चट्टोपाध्याय भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में प्रो. मोहम्मद इरफान ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

अपर्णा पब्लिक स्कूल में स्वच्छता शपथ कार्यक्रम आयोजित

धनबाद (कासं) : इनर व्हील क्लब ऑफ धनबाद माइलस्टोन की ओर से जूनियर अपर्णा पब्लिक स्कूल, कुसुम विहार फेज२ में स्वच्छता जागरूकता अभियान के अंतर्गत एक स्वच्छता शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के कक्षा ५ एवं ६ के विद्यार्थियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए क्लब की सचिव गीता चौबे ने स्वच्छता की शपथ दिलाई। विद्यार्थियों ने अपने विद्यालय, घर एवं आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में क्लब की उपाध्यक्ष रेणु कौशल की गरिमामयी उपस्थिति रही। विद्यालय के शिक्षकों ने भी उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया तथा बच्चों को स्वच्छता के महत्व से अवगत कराया। इनर व्हील क्लब ऑफ धनबाद माइलस्टोन का उद्देश्य समाज में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत के निर्माण में अपना योगदान देने का संकल्प दोहराया।

जरीडीह की कृषक पाठशाला बनेगी किसानों के लिए आधुनिक कृषि प्रशिक्षण का मॉडल केंद्र : उपायुक्त

बोकारो (ससे): उपायुक्त अजय नाथ झा ने संयुक्त बिरसा ग्राम विकास योजन के अंतर्गत जरीडीह कृषक पाठशाला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परियोजना की प्रगति, निर्माण कार्यों एवं उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को इसे किसानों के लिए अत्याधुनिक प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन केंद्र के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने कहा कि कृषक पाठशाला किसानों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यहां कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन, मृदा संरक्षण सहित विभिन्न कृषि आधारित गतिविधियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे किसान नई तकनीकों को अपनाकर अपनी उत्पादकता एवं आय बढ़ा सकें।

उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जरीडीह स्थित कृषक पाठशाला को किसानों के लिए नियमित किसान चौपाल के रूप में विकसित किया जाए। यहां समय-समय पर किसानों के साथ संवाद, कृषि विशेषज्ञों के व्याख्यान तथा विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं एवं आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी* उपलब्ध कराई जाए, ताकि किसान वैज्ञानिक खेती अपनाकर अपनी आय में वृद्धि कर सकें।

उपायुक्त ने कहा कि जिले के जलभराव वाले क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए ऐसी फसलों एवं उन्नत किस्मों की पहचान की जाए, जिनकी खेती इन परिस्थितियों में सफलतापूर्वक की जा सके। किसानों को इन फसलों के संबंध में प्रशिक्षण एवं तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाए, ताकि अनुपयोगी भूमि का भी बेहतर उपयोग हो सके।

उपायुक्त ने *कृषक पाठशाला को आधुनिक एवं वैज्ञानिक कृषि प्रशिक्षण का मॉडल केंद्र बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यहां उन्नत कृषि तकनीक, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, बागवानी, पशुपालन, मत्स्य पालन सहित कृषि आधारित आजीविका गतिविधियों पर नियमित प्रशिक्षण आयोजित किए जाएं।

उपायुक्त ने कृषक पाठशाला को कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) से समन्वित करते हुए विशेषज्ञों की नियमित सहभागिता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि केवीके के तकनीकी सहयोग से फसल प्रदर्शन, प्रशिक्षण कार्यक्रम, नवाचारों का प्रदर्शन तथा किसानों को वैज्ञानिक परामर्श उपलब्ध कराया जाए, ताकि कृषक पाठशाला जिले में कृषि नवाचार और क्षमता विकास का प्रभावी केंद्र बन सके।

उन्होंने कहा कि आसपास के जिलों के किसान समूहों एवं किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के सदस्यों को नियमित प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। किसानों को वैज्ञानिक खेती, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, जोखिम प्रबंधन, मिश्रित एवं सामूहिक खेती सहित आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी देकर उन्हें आत्मनिर्भर एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का प्रयास किया जाएगा।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने पाठशाला में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे किसानों की संख्या, एफपीओ को कृषक पाठशाला हस्तांतरित करने की प्रक्रिया तथा परियोजना की प्रगति की क्रमवार समीक्षा की। उन्होंने कृषि, मृदा संरक्षण, मत्स्य पालन एवं पशुपालन विभागों के बीच बेहतर कन्वर्जेंस सुनिश्चित करने, एफपीओ से जुड़े किसानों का सत्यापन करने तथा परियोजना की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने परिसर में पानी पंचायत का गठन, पाथवे निर्माण, बैरिकेडिंग, किसान चौपाल की स्थापना तथा प्राकृतिक वातावरण को संरक्षित रखते हुए आधारभूत सुविधाओं का विकास करने पर बल दिया। साथ ही निर्देश दिया कि वर्षभर के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए विस्तृत वार्षिक प्रशिक्षण कैलेंडर (एनुअल एक्शन प्लान) तैयार किया जाए, ताकि विभिन्न फसलों एवं कृषि गतिविधियों के अनुरूप किसानों को समयबद्ध प्रशिक्षण मिल सके।

उपायुक्त ने कृषक पाठशाला का संचालन कर रही संस्था इंटीग्रेटिव डेवलपमेंट थ्रू इफेक्टिव अप्रोच (आईडिया) के प्रतिनिधियों को परिसर की फेंसिंग का कार्य अगस्त माह तक पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ निर्धारित समय सीमा में कार्य पूरा कर कृषक पाठशाला को राज्य के एक आदर्श किसान प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित करने को कहा।

इस दौरान उपायुक्त ने कहा कि उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए कृषक पाठशाला को किसानों के लिए सीखने, नवाचार और आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रसार का उत्कृष्ट केंद्र बनाना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है।

इससे पूर्व, उपायुक्त अजय नाथ झा ने कृषक पाठशाला परिसर में संचालित विभिन्न गतिविधियों का निरीक्षण किया। उन्होंने बॉयलर मुर्गी पालन, बत्तख पालन, मत्स्य पालन सहित अन्य कृषि आधारित इकाइयों का अवलोकन कर उनके संचालन एवं प्रगति की जानकारी ली।

उपायुक्त ने रिबन काटकर हेल्पलाइन का किया शुभारंभ

बोकारो (ससे): विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-२०२६ अभियान के अंतर्गत मतदाताओं को त्वरित सहायता एवं आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से समाहरणालय, बोकारो में स्थापित २४□७ हेल्पलाइन कॉल सेंटर का शुभारंभ जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ)-सह-उपायुक्त अजय नाथ झा* ने सोमवार को रिबन काटकर किया।

हेल्पलाइन के शुभारंभ के तुरंत बाद प्राप्त पहली कॉल का उत्तर स्वयं डीईओ-सह-डीसी श्री अजय नाथ झा ने दिया। उन्होंने ३६-बोकारो विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत चास निवासी मतदाता तापेश कुमार से सीधे संवाद कर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। बातचीत के दौरान *मतदाता ने गणना प्रपत्र तथा पूर्व में संपन्न विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान हुई मैपिंग से संबंधित शंकाओं पर स्पष्टीकरण चाहा।

डीईओ-सह-डीसी ने उन्हें पूरी प्रक्रिया विस्तार से समझाते हुए आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई। साथ ही उन्होंने सभी मतदाताओं से अपील की कि यदि उन्हें गणना प्रपत्र प्राप्त करने, भरने, जमा करने अथवा एसआईआर से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी या सहायता की आवश्यकता हो, तो वे २४□७ हेल्पलाइन का अधिकतम उपयोग करें।

डीईओ-सह-डीसी ने कहा कि हेल्पलाइन का उद्देश्य प्रत्येक मतदाता तक समय पर सही एवं प्रमाणिक जानकारी पहुंचाना है, ताकि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को अधिक पारदर्शी, सुगम, प्रभावी एवं नागरिक-अनुकूल बनाया जा सके।

राजस्व संग्रह बढ़ाने एवं मामलों के त्वरित निष्पादन पर दें विशेष ध्यान : प्रमण्डलीय आयुक्त

बोकारो (ससे): सोमवार को उत्तरी छोटानागपुर प्रमण्डल, हजारीबाग के प्रमण्डलीय आयुक्त विजय कुमार गुप्ता ने समाहरणालय सभागार में विभिन्न विभागों के राजस्व संग्रह, जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) की योजनाओं तथा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-२०२६ अभियान की प्रगति की विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में जिला वन पदाधिकारी नीतीश कुमार, उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, एसी सुनील चन्द्र, डीपीएलआर पूर्णिमा कुमारी, एसडीओ चास प्रांजल ढांडा, वन पदाधिकारी संदीप शिंदे, प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, संबंधित विभागों के पदाधिकारी, सभी अंचलाधिकारी आदि उपस्थित थे।

समीक्षा के क्रम में प्रमण्डलीय आयुक्त ने वन विभाग, खनन विभाग, निबंधन विभाग, नगर निगम चास, उत्पाद विभाग, वाणिज्यकर विभाग, बाजार समिति, माप-तौल विभाग सहित अन्य विभागों के राजस्व संग्रह की समीक्षा की।

उन्होंने परिवहन विभाग से पिछले तीन माह में की गई कार्रवाई एवं राजस्व संग्रह की जानकारी ली। खनन विभाग द्वारा अवैध खनन के विरुद्ध की गई कार्रवाई एवं राजस्व प्राप्ति की भी समीक्षा की। प्रमण्डलीय आयुक्त ने बालू उठाव के संबंध में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने अंचल अधिकारियों को नियमित जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने तथा जिला अवर निबंधक को गैर-मजरुआ भूमि का निबंधन नहीं होने देने का निर्देश दिया।

उन्होंने जिला परिवहन पदाधिकारी को विशेष अभियान चलाकर एक माह से अधिक समय से जिले में संचालित बाहरी राज्यों के पंजीकृत वाहनों का स्थानीय निबंधन सुनिश्चित करते हुए राजस्व बढ़ाने को कहा। नगर निगम चास, माप-तौल विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों को भी विशेष अभियान चलाकर राजस्व संग्रह बढ़ाने के निर्देश दिए।

प्रमण्डलीय आयुक्त ने अनुमंडल पदाधिकारियों को नियमित रूप से अंचल अधिकारियों के कार्यों की समीक्षा करने तथा लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी आवेदक को अनावश्यक रूप से परेशान नहीं किया जाए। सभी अधिकारी राजस्व नियमावली का अध्ययन कर दाखिल-खारिज, परिशोधन एवं अन्य लंबित मामलों का समयबद्ध निष्पादन करें। परिशोधन पोर्टल पर लंबित मामलों में आवश्यक अभ्युक्ति दर्ज करें तथा जिन मामलों का निष्पादन संभव है, उनका तत्काल निस्तारण करें।

भू-अर्जन एवं माननीय उच्च न्यायालय में लंबित मामलों में समय पर शपथ-पत्र दाखिल करने में भी विशेष सावधानी बरतने का निर्देश दिया गया।

बैठक में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) के तहत संचालित योजनाओं की भी समीक्षा की गई।

उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शताब्दी मजूमदार ने बताया कि डीएमएफटी के तहत अब तक कुल १२०१ परियोजनाएं स्वीकृत की गई थीं, जिनमें १०८ परियोजनाओं को ड्रॉप किया गया है। वित्तीय वर्ष २०२५-२६ में अब तक ३१ नई योजनाएं स्वीकृत की गई हैं। इनमें १९ योजनाओं पर कार्य प्रगति पर है, ८ योजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं, जबकि ४ योजनाओं पर कार्य प्रारंभ होना शेष है।

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-२०२६ अभियान की समीक्षा के दौरान प्रमण्डलीय आयुक्त ने जिले के अब तक के प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त किया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त ने बताया कि जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में अब तक ९१.५९ प्रतिशत गणना प्रपत्रों का वितरण तथा ६५.३७ प्रतिशत गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन पूरा हो चुका है। आगामी तीन से चार दिनों में डिजिटाइजेशन कार्य में और तेजी आने की संभावना है।

प्रमण्डलीय आयुक्त ने कहा कि *अभियान की समय-सीमा समाप्त होने में अब केवल एक सप्ताह शेष है। सभी अधिकारी और कर्मी पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हुए निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करें तथा सत्यापन कार्य में भी तेजी लाएं।

विभिन्न गांवों में चलाया गया जागरूकता अभियान

डुमरी (ससे): भारतीय वाणिज्य मंडल आईसीसीएससीडब्लूई के राज्य महासचिव सह झारखंड एकता किसान मजदूर यूनियन के केन्द्रीय महासचिव रवीन्द्र कुमार महतो ने सोमवार को गिरिडीह प्रखंड में संगठन द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं जनकल्याणकारी कार्यों की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाने के उद्देश्य से जनजागरण अभियान चलाया।अभियान के दौरान उन्होंने विभिन्न गांवों का भ्रमण कर ग्रामीणों से भेंट कर संगठन की कार्यप्रणाली,उद्देश्य तथा किसान, मजदूर एवं आम लोगों के हित में संचालित कार्यक्रमों की जानकारी दी।उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य ग्रामीणों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा सामाजिक एवं आर्थिक विकास की दिशा में उन्हें संगठित करना है।

वहीं झाएकिमयू केन्द्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए उनकी समस्याएं भी सुनीं और संगठन की ओर से हर संभव सहयोग दिलाने का भरोसा दिया।उन्होंने कहा कि गांव स्तर पर जनसंपर्क अभियान जारी रहेगा ताकि अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़कर उनके हक एवं अधिकारों तथा योजनाओं की जानकारी दी जा सके।

मौके पर झाएकिमयू के सौरभ विश्वकर्मा,दीलिप राय, कसीरन खातुन,रामरतन वर्मा,संजय विश्वकर्मा,हकीम अंसारी,कमलदेव शर्मा,सुरेश राय,राजेन्द्र राय आदि उपस्थित थे।

बीएलओ ऑफ द डे पहल बनी एसआईआर की सफलता का प्रेरक मॉडल

बोकारो (ससे): विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के सफल संचालन के लिए जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त अजय नाथ झा के मार्गदर्शन में बोकारो जिला प्रशासन द्वारा बीएलओ ऑफ द डे नामक अभिनव पहल की शुरुआत की गई।

इस पहल का उद्देश्य उत्कृष्ट कार्य करने वाले बूथ लेवल ऑफिसरों (बीएलओ) को प्रोत्साहित करना था। इस पहल के तहत प्रतिदिन ई-फॉर्म वितरण एवं डिजिटाइजेशन के प्रदर्शन के आधार पर जिले के सर्वश्रेष्ठ बीएलओ का चयन किया गया।

चयनित बीएलओ की उपलब्धियों एवं उत्कृष्ट कार्यों एवं सफलता की कहानियां को जिले के सभी बीएलओ के साथ साझा किया गया तथा उनके उत्कृष्ट कार्यों को सार्वजनिक रूप से सराहा गया। प्रतिदिन मिलने वाली पहचान और सम्मान ने बीएलओ का आत्मविश्वास एवं मनोबल बढ़ाया, जिससे वे और अधिक समर्पण एवं उत्साह के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित हुए।

इसका प्रत्यक्ष प्रभाव विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के दौरान ई-फॉर्म वितरण एवं डिजिटाइजेशन कार्यों की गति में उल्लेखनीय वृद्धि के रूप में देखने को मिला। सभी बीएलओ ने बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास किया, जिससे अभियान के लक्ष्यों को समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से पूरा करने में महत्वपूर्ण सफलता मिली। जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह-उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा ने कहा कि अच्छे कार्यों की समय पर पहचान और सम्मान किसी भी टीम के प्रदर्शन को नई ऊर्जा प्रदान करता है। बीएलओ ऑफ द डे जैसी पहल ने यह सिद्ध किया कि सकारात्मक प्रोत्साहन के माध्यम से प्रशासनिक कार्यों में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-२०२६ अभियान के प्रभावी, पारदर्शी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन में सहायक सिद्ध हुई, बल्कि चुनाव प्रबंधन में नवाचार एवं प्रेरणादायी कार्य संस्कृति का भी उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरी।

डीसी का औचक निरीक्षण

बोकारो (ससे): उपायुक्त अजय नाथ झा ने पूर्वाह्न १०:४५ बजे समाहरणालय के द्वितीय तल्ले स्थित विभिन्न कार्यालयों जिसमें सामाजिक सुरक्षा,जिला कल्याण शाखा आदि का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय में कार्यरत कुछ कर्मियों के अनुपस्थित रहने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने स्थापना उप समाहर्ता प्रेमचंद सिन्हा को संबंधित कर्मियों से स्पष्टीकरण प्राप्त करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को समय पर कार्यालय पहुंचकर निर्धारित समयावधि में अपने दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

सिद्ध चक्र मंडल विधान का आयोजन, ध्वजारोहण

डुमरी (ससे): इसरी बाजार स्टेशन रोड स्थित दिगंबर जैन बीस पंथी कोठी जिनालय में सोमवार को १००८ श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान का आयोजन किया गया।यह आयोजन शास्त्री वीरेन्द्र जी,मंजू दीदी एवं अंजू दीदी के सानिध्य में संपन्न होगा।प्रातः ०६ बजे ध्वज पूजन किया गया तथा सात बजे गुवाहाटी निवासी अशोक कुमार जैन छावडा उनकी धर्मपत्नी चंद्रकला जैन छाबडा ने ध्वजारोहण किया।

२१ जुलाई से प्रारंभ होने वाले इस कार्यक्रम का समापन २८ जुलाई को होगा। पहले दिन दोपहर १२ बजे से तकलीकरण, इंद्र प्रतिष्ठा,मंडप प्रतिष्ठा,भगवन अभिषेक एवं शांति धारा कार्यक्रम होगा।वहीं प्रतिदिन संध्या ७ बजे आरती एवं मंगल प्रवचन होगा।अंतिम दिन विधान समापन के उपलक्ष्य में अभिषेक शांति धारा,विश्व शांति महायज्ञ हवन सम्पन्न कराया जाऐगा। इधर ध्वजारोहण से पूर्व महिलाओं ने कलश में जल लेकर घट यात्रा निकाली।आठ दिनों तक यह आयोजन चलेगा जिसमें विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किऐ जाऐंगे।

बिहार ऑब्जर्वर के गिरिडीह ब्यूरो चीफ को साइबर ठगों ने बनाया निशाना, बिहार थाना में प्राथमिकी दर्ज

गिरिडीह (ससे) : गिरिडीह में पत्रकारों की सुरक्षा और बढ़ते साइबर अपराध से जुड़ा एक बेहद गंभीर मामला सामने आया है। समाचार पत्र 'बिहार ऑब्जर्वर' के गिरिडीह ब्यूरो चीफ को साइबर ठगों द्वारा अपना शिकार बनाने की कोशिश की गई। ठगी के इस प्रयास के बाद ब्यूरो चीफ ने तत्काल मुस्तैदी दिखाते हुए 'बिहार थाना' में लिखित शिकायत दर्ज कराई है और मामले की निष्पक्ष जांच व दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

कॉल और व्हाट्सएप के जरिए बिछाया जाल प्राप्त शिकायत के अनुसार, अज्ञात अपराधियों ने मोबाइल कॉल और व्हाट्सएप मैसेज के माध्यम से ब्यूरो चीफ से संपर्क साधा और संदिग्ध गतिविधियों के जरिए ठगी की साजिश रची। ब्यूरो चीफ ने सतर्कता बरतते हुए ठगों के मंसूबों को नाकाम कर दिया। उन्होंने पुलिस को दिए आवेदन में संबंधित मोबाइल नंबरों का पूरा ब्यौरा सौंपते हुए कहा कि साइबर अपराधियों के इस तरह के दुस्साहस से आम नागरिकों के साथ-साथ पत्रकार भी असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू मामला दर्ज होने के बाद बिहार थाना पुलिस एक्शन मोड में आ गई है। पुलिस ने आवेदन स्वीकार कर औपचारिक जांच शुरू कर दी है। थाना पुलिस के अनुसार, संदिग्ध मोबाइल नंबरों के कॉल डिटेल रिकॉर्ड और अन्य तकनीकी साक्ष्यों को खंगाला जा रहा है। जांच पूरी होते ही दोषियों को चिह्नित कर कड़ी से कड़ी कानूनी सजा दिलाई जाएगी।

पत्रकार संगठनों ने जताया रोष

इधर, घटना की जानकारी मिलते ही विभिन्न पत्रकार संगठनों ने गहरा रोष व्यक्त किया है। संगठन के प्रतिनिधियों ने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ से जुड़े लोगों को निशाना बनाना एक बेहद चिंताजनक विषय है। उन्होंने जिला प्रशासन और पुलिस से मामले की त्वरित व निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ नजीर पेश करने वाली सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बीएसएल के सेक्टर-5 पुस्तकालय में कवि-गोष्ठी का आयोजन

बोकारो (ससे): बोकारो इस्पात संयंत्र एवं अखिल भारतीय चेतना दर्पण के संयुक्त तत्वावधान में सेक्टर-५ स्थित पुस्तकालय में कवि-गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि पुस्तकालय में आयोजित यह मासिक कवि-गोष्ठी साहित्यिक संवाद, सृजनशीलता और रचनात्मक अभिव्यक्ति का एक सशक्त मंच है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि नगर के वरिष्ठ एवं अनुभवी कवि तथा साहित्यकार अपने अनुभवों से युवा एवं उभरते रचनाकारों का मार्गदर्शन करें, जिससे उनकी लेखन प्रतिभा को नई दिशा एवं प्रोत्साहन मिल सके।

वक्ताओं ने कहा कि बोकारो इस्पात संयंत्र द्वारा साहित्यकारों एवं कवियों को उपलब्ध कराया गया यह मंच साहित्यिक गतिविधियों के संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका सार्थक एवं रचनात्मक उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि साहित्य, संगीत और कला मानव जीवन को संवेदनशील एवं समृद्ध बनाते हैं। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने सभी साहित्यकारों को शुभकामनाएँ देते हुए प्रसन्नता व्यक्त की कि मासिक गोष्ठी में कवि नियमित रूप से अपनी रचनाओं का पाठ कर साहित्यिक वातावरण को सुदृढ़ बना रहे हैं। गोष्ठी के दौरान उपस्थित साहित्यकारों ने रचनाओं के पाठ, साहित्यिक संवाद एवं विचार-विमर्श के लिए निरंतर सहयोग एवं मंच उपलब्ध कराने हेतु बोकारो इस्पात संयंत्र के प्रति आभार व्यक्त किया।

काव्य गोष्ठी का शुभारंभ श्री अरुण पाठक द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना हे सरस्वती विद्यादायिनी से हुआ। इसके उपरांत कवियों ने अपनी उत्कृष्ट एवं भावपूर्ण रचनाओं का पाठ कर वातावरण को काव्यमय बना दिया। इस क्रम में सुश्री करुणा कालिका ने हर नदी की चाह, श्री रजत नाथ ने तब तुम समझ लेना, श्री दिनानाथ ठाकुर ने करने दो गुणगान वतन का, श्री अतुल कुमार ने माँ भारती की पुकार तथा डॉ. परमेश्वर भारती ने मानवीकरण शीर्षक कविता का प्रभावशाली पाठ किया।

कार्यक्रम के अगले चरण में श्री अरुण पाठक ने हम हैं बिहार, बिहार है गौरव, सुश्री रीना यादव ने लोग नाराज़ हैं बेटियों से, सुश्री प्रीति प्रियंवदा ने सफलता का पत्र, सुश्री अमृता शर्मा ने जिससे शुरू, उससे खत्म, सुश्री कस्तूरी सिन्हा ने बातें होना ज़रूरी है, डॉ. मनोज कुमार सिंह ने ग़ज़ल, श्री दिनेश सिंह ने सावन, सुश्री रिंकू गिरि ने दर्शन तेरे, सुश्री संजू कुमारी ने रथ यात्रा, सुश्री ज्योतिर्मयी डे ने ज़िंदगी, श्री गंगेश पाठक ने मैथिली कविता, श्री डी.एन. सिंह ने परिवार के आदर्श, सुश्री गीता कुमारी गुस्ताख ने समर्पित स्त्री का सच, श्री मनोज उपाध्याय 'सुमन' ने मां का प्यार तथा डॉ. नरेंद्र कुमार राय ने सच छुपाया गया था, बताने चलें शीर्षक कविता का पाठ कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस कार्यक्रम का मंच संचालन सुश्री अमृता शर्मा द्वारा एवं धन्यवाद ज्ञापन सुश्री कस्तूरी सिन्हा द्वारा किया गया।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन

हाजीपुर (ससे): पूर्व मध्य रेल मुख्यालय, हाजीपुर में आज दिनांक २०.०७.२०२६ को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तीसरी (संयुक्त) बैठक का आयोजन हुआ. इस बैठक में आयकर विभाग, सीजीएसटी, नाइपर, जीवन बीमा निगम, डाक विभाग, सिपेट, बीएसएनएल, केंद्रीय विद्यालय, भारतीय खाद्य निगम, यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया, सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया, भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ़ बड़ोदा, केनरा बैंक, यूनाइटेड इंडिया इन्शुरन्स आदि कार्यालय के उच्चाधिकारी व प्रतिनिधिगण उपस्थित थे.

इस बैठक की अध्यक्षता करते हुए पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह ने कहा कि राजभाषा हिंदी हमारी संवैधानिक व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण अंग ही नहीं बल्कि प्रशासन को पारदर्शी तथा जनता से जोड़ने का प्रभावी माध्यम भी है. उन्होंने राजभाषा के प्रयोग को कार्यालयीन कार्यों का स्वाभाविक हिस्सा बनाने को कहा. साथ ही सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विभिन्न तकनीकी साधनों का उपयोग करने का निर्देश दिया.

आज की बैठक में कार्यसूची के विभिन्न मदों पर विस्तार से चर्चा हुई तथा हाजीपुर शहर के विभिन्न सरकारी संस्थानों/उपक्रमों/बैंकों में राजभाषा हिंदी के प्रगामी-प्रयोग की गहन समीक्षा की गई और कमियों को दूर करने हेतु कार्य योजना बनाई गई. हिंदी में मूल पत्राचार बढ़ाने, हिंदी कार्यशालाओं का समयबद्ध आयोजन सुनिश्चित करने, राजभाषा कार्यान्वयन समितियों के तिमाही बैठक का आयोजन जैसे विषयों पर सदस्य कार्यालयों को दिशा-निर्देश दिए गए. सदस्य कार्यालयों को राजभाषा हिंदी को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए जाँच बिंदु की स्थापना करने के निर्देश दिए गए.

उल्लेखनीय है कि आज की इस महत्वपूर्ण बैठक में पत्रिका प्रकाशन का भी निर्णय लिया गया तथा नराकास/हाजीपुर को कारगर व दक्ष बनाने हेतु नराकास स्तर पर निरीक्षण समिति का गठन किया गया ताकि निरीक्षण के माध्यम से कमियों का पता कर उन्हें दूर किया जा सके. इस अवसर पर अपने संबोधन में अपर महाप्रबंधक श्री अमरेन्द्र कुमार ने कहा कि राजभाषा का प्रचार-प्रसार प्रेरणा, प्रोत्साहन और पुरस्कार पर आधारित है. हमें उत्साहवर्धक वातावरण का निर्माण करते हुए अपने सभी अधीनस्थ अधिकारियों कर्मचारियों को अपना मूल कार्य हिंदी में करने के लिए प्रेरित करना चाहिए.

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

आईआईएम रांची में एक्जीक्यूटिव एमबीए बैच का शुभारंभ

धनबाद (कासं) : भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रांची में एक्ज़ीक्यूटिव एमबीए (कार्यकारी एमबीए २०२६२८) बैच के शुभारंभ समारोह में सीएमडी बीसीसीएल मनोज कुमार अग्रवाल ने बतौर मुख्य अतिथि सहभागिता की और संकाय छात्रों से संवाद किया। अवसर पर संस्थान के निदेशक, विभिन्न विभागों के डीन, संकाय सदस्य तथा छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ औपचारिक स्वागत एवं छात्रों के परिचय के साथ हुआ, जिसके उपरांत श्री अग्रवाल ने छात्रों को संबोधित किया।

अपने संबोधन में श्री अग्रवाल ने छात्रों से सकारात्मक दृष्टिकोण, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता तथा नैतिक मूल्यों को अपने व्यक्तित्व और पेशेवर जीवन का अभिन्न अंग बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रबंधन शिक्षा केवल ज्ञान अर्जित करने का माध्यम नहीं, बल्कि बदलते व्यावसायिक परिवेश में चुनौतियों का प्रभावी समाधान खोजने, नवाचार को बढ़ावा देने तथा समाज एवं राष्ट्र के समग्र विकास में सार्थक योगदान देने का एक अवसर भी है। उन्होंने छात्रों से टीम भावना के साथ कार्य करने तथा अपने ज्ञान एवं कौशल का उपयोग संगठन और समाज के हित में करने का आग्रह किया।

श्री अग्रवाल ने अपने शैक्षणिक अनुभव भी विद्यार्थियों के साथ साझा किए। अपने अध्ययन काल से जुड़े अनुभवों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आईआईएम रांची से प्राप्त शिक्षा, नेतृत्व विकास तथा व्यावहारिक दृष्टिकोण ने उनके व्यावसायिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने सभी छात्रों को संस्थान में उपलब्ध शैक्षणिक संसाधनों, संकाय के मार्गदर्शन तथा सहपाठियों के अनुभवों का अधिकतम लाभ उठाने की सलाह दी।

उल्लेखनीय है कि सीएमडी बीसीसीएल मनोज कुमार अग्रवाल स्वयं भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रांची के पूर्व छात्र हैं। उन्होंने इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स से माइनिंग इंजीनियरिंग में प्रौद्योगिकी स्नातक (बी.टेक.) तथा आईआईएम रांची से कार्यकारी एमबीए (एक्ज़ीक्यूटिव एमबीए) की उपाधि प्राप्त की है। समारोह के अंत में संस्थान की ओर से श्री अग्रवाल को स्मृतिचिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

बेटी बचाओबेटी पढ़ाओ व साइबर सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

धनबाद/गोविंदपुर (कासं) : जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप की देखरेख में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय,गोविंदपुर में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ और साइबर सुरक्षा विषय पर एक दिवसीय जागरूकता सत्र का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय की लगभग १२० छात्राओं ने बढ़चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को महिला सशक्तिकरण और सुरक्षा से जुड़ी विभिन्न महत्वपूर्ण सरकारी योजनाओं और कानूनों के प्रति जागरूक किया गया। इसमें मुख्य रूप से शामिल थे। बालिकाओं के अस्तित्व, सुरक्षा और शिक्षा को बढ़ावा देने पर चर्चा। किशोरियों की शिक्षा और उनके स्वावलंबन के लिए वित्तीय सहायता की जानकारी। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों की शादी के लिए मिलने वाली सहायता। अधिनियम कन्या भ्रूण हत्या को रोकने और लिंग चयन के खिलाफ बने कड़े कानून के बारे में जागरूकता। इसके साथ ही, वर्तमान डिजिटल युग को देखते हुए छात्राओं को साइबर सुरक्षा के बुनियादी गुर सिखाए गए, ताकि वे ऑनलाइन फ्रॉड, सोशल मीडिया के खतरों और साइबर बुलिंग से खुद को सुरक्षित रख सकें। जागरूकता सत्र को और अधिक प्रभावी व रोचक बनाने के लिए विद्यालय में विभिन्न संवादात्मक सत्रों का आयोजन किया गया। इसके तहत छात्राओं के बीच भाषण प्रतियोगिता, चित्रकला (ड्राइंग) प्रतियोगिता और क्विज़ प्रतियोगिता आयोजित की गई। छात्राओं ने इन प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा और ज्ञान का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में, तीनों प्रतियोगिताओं (भाषण, चित्रकला और क्विज़) में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली मेधावी छात्राओं को उनकी शानदार रैंकिंग के लिए प्रमाण पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की बेटियों को न सिर्फ उनके अधिकारों और कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना है, बल्कि उन्हें डिजिटल रूप से भी सुरक्षित और सशक्त बनाना है। मौके पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप समेत शुभम कुमार, हेमलता रजक, जयश्री शर्मा, संजू कुमारी, प्रेरणा बर्णवाल, राखी कुमारी समेत सभी महिला पर्यवेक्षिका मौजूद रहे।

साक्षरता कर्मियों के अधिकारों की लड़ाई हर मंच पर लड़ूंगी : विधायक रागिनी

धनबाद/झरिया (कासं) : झरिया स्थित बिहार बिल्डिंग कार्यालय में झारखंड राज्य साक्षरता कर्मचारी महासंघ के प्रतिनिधिमंडल ने झरिया विधायक रागिनी सिंह से शिष्टाचार भेंट कर अपनी वर्षों से लंबित समस्याओं एवं मांगों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने विधायक को बताया कि वर्ष २०१८ से साक्षरता कर्मियों का मानदेय लंबित है, जिससे उनके समक्ष आर्थिक संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई है। इसके साथ ही सेवा समायोजन एवं साक्षरता कर्मियों के सम्मानजनक पुनर्नियोजन की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि वर्षों तक शिक्षा और साक्षरता के क्षेत्र में सेवा देने के बावजूद आज भी उन्हें अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। ज्ञापन प्राप्त करने के बाद विधायक रागिनी सिंह ने प्रतिनिधिमंडल की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उन्हें भरोसा दिलाया कि उनकी सभी जायज़ मांगों को सरकार के समक्ष मजबूती से रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि साक्षरता कर्मियों के अधिकारों, सम्मान और भविष्य की सुरक्षा के लिए वे विधानसभा सहित हर उचित मंच पर प्रभावी ढंग से आवाज़ उठाएंगी।

इस अवसर पर विधायक रागिनी सिंह ने कहा, साक्षरता कर्मियों ने वर्षों तक समाज में शिक्षा का अलख जगाने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। ऐसे कर्मियों के साथ अन्याय किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। वर्ष २०१८ से लंबित मानदेय का भुगतान, सेवा समायोजन एवं सम्मानजनक पुनर्नियोजन उनकी न्यायोचित मांग है। मैं उनकी समस्याओं को सरकार के समक्ष पूरी मजबूती से रखूंगी और विधानसभा सहित हर मंच पर उनके अधिकार, सम्मान और न्याय के लिए संघर्ष करती रहूंगी। शिक्षा और साक्षरता के क्षेत्र में योगदान देने वाले कर्मियों के साथ न्याय होना ही चाहिए।

प्रतिनिधिमंडल ने विधायक रागिनी सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि उनके प्रयासों से साक्षरता कर्मियों की वर्षों पुरानी समस्याओं के समाधान की दिशा में सकारात्मक पहल होगी।

हाइवा व कार के बीच टक्कर

पुटकी (ससे) : पुटकी थाना क्षेत्र के नवनीत होटल के समीप दिन के लगभग एक बजे महुदा की ओर से धनबाद जा रही कार ओवर टेक करने के चक्कर में असंतुलित होकर आगे चल रही हाइवा में पीछे से टक्कर मार दिया। टक्कर इतना जोड़दार था कि डिवाइडर से टक्करा कर कार विपरीत दिशा में जाकर पल्टी मार दिया। गनीमत रही की एयर बैंग खुल जाने से दोनों कार सवार बड़की बस्ती महुआ निवासी मो. अमानुल अंसारी और मो. सैदुल अंसारी बालबाल बच गये। हाइवा चालक हाइवा छोड कर मौके से फरार हो गया। पुटकी पुलिस दोनों वाहनों को जब्त कर थाना ले आई है।

लहरा देवी मंदिर में आषाढ़ी पूजा संपन्न

केन्दुआ (ससे) : केन्दुआडीह थाना क्षेत्र के गोधर स्थित प्रसिद्ध मां लहरा देवी मंदिर में श्री श्री सार्वजनिक आषाढ़ी पूजा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और पारंपरिक रीतिरिवाजों के साथ संपन्न हुआ। चौहान बस्ती, गोधर के तत्वावधान में आयोजित इस वार्षिक धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर मां लहरा देवी की पूजाअर्चना की और सुखसमृद्धि की कामना की। बताया गया कि यह पूजा प्रत्येक वर्ष रथयात्रा के बाद पड़ने वाले पहले सोमवार को आयोजित की जाती है, जिसे वार्षिक आषाढ़ी पूजा के नाम से भी जाना जाता है। सुबह से ही मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था।

श्रद्धालुओं ने उपवास रखकर विधिविधान से मां लहरा देवी की पूजा की। पूजा के दौरान श्रद्धालुओं ने प्रसाद के रूप में फल, बतासा, लड्डू, नारियल, तथा विभिन्न पकवान मां को अर्पित किए। पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार बलि भी संपन्न हुई, जिसमें श्रद्धालुओं ने अपनी आस्था के अनुसार पाठा, भेड़ा एवं मुर्गा की बलि अर्पित की। १५० से अधिक पाठों एवं सैकड़ों की संख्या में मुर्गे की बलि दी गई।भक्तों का कहना है कि आषाढ़ी पूजा का गांव और आसपास के क्षेत्र में विशेष धार्मिक महत्व है। उनकी मान्यता है कि इस पूजा के आयोजन से गांवमोहल्ले में शांति, समृद्धि और खुशहाली बनी रहती है तथा लोगों को वर्षभर विभिन्न संकटों से रक्षा प्राप्त होती है। यही कारण है कि यह परंपरा वर्षों से पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ निभाई जा रही है। पूजा महोत्सव में गोधर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। दूर-दराज से आए भक्तों ने मां लहरा देवी के दरबार में माथा टेककर परिवार की सुखशांति, समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की। पूरे मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा और जयकारों से क्षेत्र गुंजायमान रहा। इस आयोजन में केंदुआडीह पुलिस की अहम योगदान रहा। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर प्रमोद पाण्डेय के नेतृत्व में पुलिस बल ने भीड़ व सड़क का नियंत्रण किया।

बिजली बाधित होने से झरिया क्षेत्र में जलापूर्ति प्रभावित

जोड़ापोखर (ससे) : झमाडा जल संयंत्र केंद्र, जामाडोबा से सोमवार को झरिया एवं आसपास के क्षेत्रों में आंशिक जलापूर्ति होने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई इलाकों में समय पर पानी नहीं पहुंचने से स्थानीय लोगों में नाराजगी और आक्रोश देखा गया। जानकारी के अनुसार सुबह जामाडोबा आरएस फीडर में अचानक तकनीकी खराबी आ जाने के कारण सुबह ९ से दोपहर २ बजे तक करीब पांच घंटे बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित रही। बिजली नहीं मिलने के कारण झरिया जलमीनार से होने वाली नियमित जलापूर्ति ठप हो गई। साथ ही १२ एमजीडी एवं ९ एमजीडी जल भंडारण गृह में पानी के संग्रहण का कार्य भी गंभीर रूप से प्रभावित हुआ, जिससे पूरे वितरण तंत्र पर असर पड़ा।

इधर, पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश ने भी झमाडा की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बारिश के कारण दामोदर नदी का जलस्तर बढ़कर ४५५ आरएल तक पहुंच गया है। नदी में तेज बहाव के साथ बड़ी मात्रा में कचरा आने से इंटेक वाल्व में लगे फुटबॉल बारबार जाम हो रहे हैं। स्थिति ऐसी है कि झमाडा कर्मियों को प्रतिदिन दो से तीन बार वाल्व की सफाई करनी पड़ रही है, जिससे जल भंडारण एवं आपूर्ति की प्रक्रिया लगातार प्रभावित हो रही है।

झमाडा के कनीय अभियंता आशुतोष राणा ने बताया कि फिलहाल जल संयंत्र को बिजली आपूर्ति सामान्य हो चुकी है। उन्होंने कहा कि जल भंडारण का कार्य तेज गति से किया जा रहा है और देर रात तक झरिया एवं आसपास के सभी क्षेत्रों में सामान्य रूप से जलापूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

जलजमाव पर फूटा जनाक्रोश, जलमग्न सड़क पर धरने पर बैठे विधायक

कतरास (ससे) : कतरास में बारिश के बाद जलजमाव की गंभीर समस्या को लेकर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। पचगढ़ी बाजार की मुख्य सड़क पूरी तरह पानी में डूब गई है। दुकानों और घरों में पानी घुसने से व्यापारियों और स्थानीय लोगों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। हालात का जायजा लेने पहुंचे बाघमारा के भाजपा विधायक शत्रुघ्न महतो स्थानीय लोगों के साथ जलमग्न सड़क पर ही धरने पर बैठ गए।

विधायक ने नगर निगम की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए अधिकारियों को मौके से ही फोन पर फटकार लगाई और तत्काल समाधान की मांग की। लगातार हो रही बारिश ने कतरास नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या३ स्थित पचगढ़ी बाजार की बदहाल व्यवस्था की पोल खोल दी है। पूरी सड़क घुटनों तक पानी में डूबी हुई है। जलजमाव के कारण लोगों का पैदल चलना मुश्किल हो गया है, जबकि कई दुकानों और घरों में भी बारिश का पानी घुस गया है। स्थानीय लोग बाल्टियों से पानी निकालने को मजबूर हैं और व्यापारियों को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड रहा है। जलजमाव की सूचना मिलने पर बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो मौके पर पहुंचे और हालात का निरीक्षण किया। इसके बाद वे स्थानीय लोगों और व्यापारियों के साथ जलमग्न सड़क पर धरने पर बैठ गए। विधायक ने आरोप लगाया कि एक वर्ष पहले जलनिकासी की समस्या के समाधान का आश्वासन दिया गया था और टेंडर भी स्वीकृत हुआ था, लेकिन काम सही तरीके से नहीं हुआ। उन्होंने नगर निगम अधिकारियों को फोन कर तत्काल राहत कार्य शुरू करने और स्थायी समाधान सुनिश्चित करने की मांग की। धरने पर बैठे प्रदर्शनकारियों ने नगर निगम और संबंधित विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। विधायक ने चेतावनी दी कि जब तक जलजमाव की समस्या के समाधान के लिए ठोस कार्रवाई शुरू नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि हर साल बारिश के मौसम में यही स्थिति बनती है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं हो पाया है।

केंदुआबोकारो मुख्य मार्ग चालू करने

केंदुआ (ससे) : केंदुआ-बोकारो मुख्य मार्ग को अविलंब चालू कराने की मांग को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता दिनेश धारी ने सुबह से एक दिवसीय धरना शुरू किया। धरना केंदुआ पुल के समीप फुटपाथ पर आयोजित किया गया, जहां उन्होंने हाथ में तिरंगा लेकर शांतिपूर्ण तरीके से अपना विरोध दर्ज कराया। दिनेश धारी ने कहा कि केंदुआबोकारो मुख्य मार्ग लंबे समय से बंद रहने के कारण क्षेत्र के हजारों लोगों को रोजाना आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग किया कि जनहित को देखते हुए मार्ग को जल्द से जल्द चालू किया जाए तथा सड़क की मरम्मत कर सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। समर्थन में रणवीर कुमार, मिंकु सिंह, राजीव झा, विकास रवानी, मनीष अग्रवाल, दिनेश गुप्ता, किशोर साव आदि उपस्थित थे।

सीटू व झाकोमयू ने निकाला एकजुटता जुलूस

केन्दुआ (ससे) : पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत सेंट्रल ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन (सीटू) एवं झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन (बीसीसीएल) के संयुक्त आह्वान पर सामाजिक एवं जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के समर्थन, जनहित, लोकतांत्रिक अधिकारों एवं संवैधानिक मूल्यों की रक्षा तथा नीट परीक्षा पेपर लीक मामले में जवाबदेही की मांग को लेकर धनबाद में एक विशाल एकजुटता जुलूस निकाला गया।

यूनियन के जोनल उपाध्यक्ष रतिलाल टुडू के नेतृत्व में जुलूस जिला परिषद मैदान, धनबाद से प्रारंभ होकर रणधीर वर्मा चौक तक पहुँचा। जुलूस में बड़ी संख्या में श्रमिकों, किसानों, छात्रों, युवाओं तथा आम नागरिकों ने भाग लेकर शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से अपनी एकजुटता व्यक्त की।

इस अवसर पर रतिलाल टुडू ने कहा कि लोकतंत्र में जनता की आवाज़ को सुनना सरकार का दायित्व है। उन्होंने कहा कि आंदोलनरत लोगों एवं छात्रों से संवाद स्थापित कर उनकी चिंताओं का समाधान खोजा जाना चाहिए। उन्होंने नीट परीक्षा पेपर लीक मामले में जवाबदेही तय करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध उचित कार्रवाई होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि देशभर में उठ रहे जनहित, शिक्षा, पर्यावरण एवं लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर समाज के प्रत्येक वर्ग को संवैधानिक और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने का अधिकार है। इसी उद्देश्य से धनबाद के श्रमिकों, किसानों, छात्रों एवं नागरिकों ने एकजुट होकर अपनी लोकतांत्रिक भागीदारी दर्ज कराई।

ज्ञातव्य है कि सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक अपनी विभिन्न मांगों को लेकर दिल्ली में आंदोलनरत रहे हैं। इस घटनाक्रम को लेकर देश के विभिन्न हिस्सों में व्यापक चर्चा और विभिन्न प्रकार की प्रतिक्रियाएँ सामने आई हैं। इसी क्रम में धनबाद में आयोजित इस एकजुटता जुलूस के माध्यम से प्रतिभागियों ने जनहित एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया।

जुलूस का समापन रणधीर वर्मा चौक पर सभा के रूप में हुआ, जहाँ विभिन्न सामाजिक एवं जनसंगठनों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया और जनहित, सामाजिक न्याय तथा लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होकर संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में महादेव हांसदा, मिथुन यादव, कन्हाई सिंह, रौनक सिन्हा, रियाजदीन अंसारी, महेन्द्र रवानी, बिरजू सोरेन, अर्जुन भुईयां, रामबाबू कुमार, घल्टु त्रिगुणायत, बप्पी हाजरा, शंभू पासवान, सोनू सिंह, भीम यादव, बिनोद यादव, सोनू मारंडी सहित झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन, सीटू एवं विभिन्न जनसंगठनों के पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में श्रमिक, किसान, छात्र एवं नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यकारिणी सदस्य पद से बिना सूचना हटाना संविधान का अपमान : संतोष सिंह

धनबाद (कासं) : धनबाद क्रिकेट एसोसिएशन के कार्यकारिणी सदस्य पद से हटाए जाने की खबर पर एसोसिएशन के सदस्य ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने इसे अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक कार्रवाई बताया। प्रेस वार्ता में सदस्य ने कहा कि उन्हें २० को समाचार चैनलों के माध्यम से जानकारी मिली कि उन्हें डीसीए की कार्यकारिणी समिति से हटा दिया गया है और उनके स्थान पर किसी अन्य व्यक्ति को नियुक्त कर दिया गया है। इस खबर से उन्हें गहरा दुख और निराशा हुई है। उन्होंने कहा कि उनका निर्वाचन वर्ष २०२४ से २०२७ के कार्यकाल के लिए तत्कालीन सहायक निर्वाचन अधिकारी और निर्वाचन अधिकारी के नेतृत्व में विधिवत चुनाव प्रक्रिया के माध्यम से हुआ था। वे लगातार निष्ठा और ईमानदारी से अपना दायित्व निभाते आ रहे हैं। सबसे आश्चर्यजनक बात यह है कि बिना मेरी जानकारी, सहमति और बिना किसी त्यागपत्र के मुझे पद से हटा दिया गया। इस संबंध में मुझे कोई औपचारिक सूचना तक नहीं दी गई,। सदस्य ने उन आरोपों को भी खारिज किया जिनमें उनके आचरण पर सवाल उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि मेरे आचरण पर लगाए गए सभी आरोप पूर्णतः निराधार, तथ्यहीन और असत्य हैं।

उन्होंने डीसीए के अध्यक्ष से अपील की कि एसोसिएशन की गरिमा, संविधान और लोकतांत्रिक परंपराओं का सम्मान करते हुए कार्य किया जाए। डीसीए को क्रिकेट के विकास के लिए समर्पित संस्था ही बने रहने दें। इसे राजनीतिक अखाड़ा बनने से बचाएं। उन्होंने विश्वास जताया कि पूरे प्रकरण पर निष्पक्ष विचार किया जाएगा और सत्य सभी के सामने आएगा।

जदयू प्रतिनिधिमंडल इसीएल के सीएमडी से मिला

केन्दुआ (ससे) : जदयू का एक प्रतिनिधि मंडल पार्टी के धनबाद जिलाध्यक्ष पिंटु कुमार सिंह के नेतृत्व में इ.सी.एल मुख्यालय, सांकतोड़िया में सीएमडी सतीश झा से मिला। इस दौरान श्री झा को गुलदस्ता देकर स्वागत किया। सीएमडी और प्रतिनिधिमंडल के बीच ईसीएल क्षेत्र में विकास और श्रमिकों के कल्याण के संदर्भ में चर्चा हुई। जदयू पार्टी के धनबाद जिलाध्यक्ष पिंटु कुमार सिंह के साथ प्रतिनिधिमंडल में तेज बहादुर सिंह उर्फ मुन्ना सिंह, धनबाद नगर अध्यक्ष धनलाल दूबे, निरसा के प्रखंड अध्यक्ष राज कुमार पांडेय, चिरकुंडा नगर अध्यक्ष टोनी सिंह आदि शामिल थे।

सभी सरकारी ऑफिसों में लगेंगे भ्रष्टाचार विरोधी बोर्ड : विजय सरकार

चेन्नई,(ईएमएस)। तमिलनाडु सरकार ने सार्वजनिक प्रशासन में पारदर्शिता को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से एक नया अभियान शुरू किया है। इसके तहत राज्य के सभी सरकारी विभागों, जिला प्रशासन, स्थानीय निकायों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों को ऐसे भ्रष्टाचार विरोधी सूचना बोर्ड प्रमुख स्थानों पर लगाने का निर्देश दिया है, जिन पर स्पष्ट रूप से लिखा होगा कि रिश्वत देना और रिश्वत लेना दंडनीय अपराध है। यह निर्देश मुख्य सचिव द्वारा हस्ताक्षरित आदेश के जरिए जारी किया गया।

आदेश के मुताबिक प्रत्येक सरकारी कार्यालय में तमिल और अंग्रेजी भाषा में द्विभाषी सूचना बोर्ड ऐसे स्थानों पर लगाए जाएंगे, जहां आम जनता उन्हें आसानी से देख सके। विजय सरकार ने सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे यही भ्रष्टाचार विरोधी संदेश अपनी आधिकारिक वेबसाइटों पर भी प्रकाशित करें। इसके साथ ही वेबसाइट पर सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय के पोर्टल का सीधा लिंक भी उपलब्ध कराया जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी आदेश में कहा गया है कि २००६ से इस संबंध में कई बार निर्देश जारी किए जाने के बावजूद अनेक कार्यालयों ने इनका पूरी तरह पालन नहीं किया गया। कई जगहों पर भ्रष्टाचार विरोधी बोर्ड लगाए ही नहीं गए, जबकि कुछ कार्यालयों में इन्हें ऐसी जगह लगाया है जहां आने वाले लोगों की नजर नहीं पड़ती थी। सरकार का कहना है कि नया आदेश राज्य के सभी सरकारी प्रतिष्ठानों में इस व्यवस्था को एक समान तरीके से लागू करने के उद्देश्य से जारी किया गया है। इन सूचना बोर्डों पर रिश्वत देना और रिश्वत लेना अपराध है संदेश के अलावा सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय का पता, टेलीफोन नंबर, व्हाट्सएप नंबर, फैक्स नंबर और आधिकारिक ईमेल आईडी भी प्रदर्शित की जाएगी। सरकार को उम्मीद है कि इन जानकारियों तक लोगों की आसान पहुंच होने से वे भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों की शिकायत बिना किसी कठिनाई के दर्ज करा सकेंगे। सभी विभागों को अपने प्रशासनिक नियंत्रण में आने वाले वैधानिक बोर्डों, निगमों, स्थानीय निकायों, सरकारी कंपनियों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को भी इसी प्रकार के निर्देश जारी करने को कहा है। अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे इन आदेशों को बिना किसी देरी के लागू करना सुनिश्चित करें।

इसके अलावा सरकार ने विभागीय सचिवों और विभागाध्यक्षों को निर्देश दिया है कि वे अपने अधिकार क्षेत्र के सभी कार्यालयों में आदेशों के पालन की पुष्टि करने के बाद मानव संसाधन प्रबंधन विभाग को अनुपालन रिपोर्ट पेश करें। यह नई पहल राज्य सरकार द्वारा हाल ही में शुरू की गई सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय की समर्पित व्हाट्सएप हेल्पलाइन ९४९८१८०९३६ शुरू किए जाने के कुछ ही दिनों बाद सामने आई है। इस हेल्पलाइन का उद्देश्य नागरिकों को भ्रष्टाचार की शिकायतें तेजी से दर्ज कराने की सुविधा उपलब्ध कराना और सार्वजनिक प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही को और मजबूत बनाना है।

जिला परिषद, धनबाद

अति अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना सं0–20/2026-27/DE/ZPDH/DHANBAD

मद : 15वें वित्त आयोग मद

क्र	प्रखण्ड	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	B.O.Q. मूल्य	अग्रधन राशि	समय अवधि
1	टुण्डी	आबद्ध निधि विरसिंहपुर पंचायत घुड़जोड़ा से मदनपुर पंचायत तिलतोड़िया होते हुए ई .सी.एल. के गोपालपुरा कॉलोनी तक 4 ईंच एवं 3 ईंच पाईपलाईन का अधिष्ठापन	15,12,400	5,000	B.O.Q. का 2%	3 माह

1. वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि : दिनांक **30-07-2026**
2. ई0–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय : दिनांक **11-08-2026** को **5 P.M.** बजे तक
3. निविदा खोलने कि तिथि एवं समय : दिनांक **13-08-2026** को **3:00 P.M.** बजे।
4. केवल ई–निविदा **(E-Tender)** ही स्वीकार की जाएगी।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी : जिला अभियंता, जिला परिषद, धनबाद
6. ई–निविदा प्रकोष्ट का दूरभाष संख्या– **9835071587/9431396945**
7. जिला परिषद, धनबाद के अन्तर्गत समुचित श्रेणी से निबंधित संवेदक ही निविदा में भाग लेगें।
8. परिमाण विपत्र विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है, तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल **Online Mode** द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। यदि खाता बन्द कर दिया जाता है तो सारी जवाबदेही संवेदक की होगी।
11. योजनाओं की विवरणी एवं अन्य विस्तृत जानकारी वेबसाईट https://jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

ह0/–
जिला अभियंता जिला परिषद, धनबाद।

PR 385303 Rural Development(26-27)D

कार्यालय : कार्यपालक पदाधिकारी, चिरकुण्डा नगर परिषद

अति अल्पकालीन निविदा उद्धरण आमंत्रण सूचना सं० :– 06/2026–27

चिरकुण्डा नगर परिषद द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु इच्छुक व्यक्ति/फॉर्म/संस्था/संवेदक इत्यादि से सीलबंद उद्धरण आमंत्रित की जाती है :–

कार्य का नाम– स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) अंतर्गत IEC गतिविधियों/विभाग द्वारा प्राप्त निदेश के आलोक में चिरकुण्डा नगर परिषद क्षेत्र में जन–जागरूकता संबंधी निम्न कार्यों हेतु एक वर्ष के लिए दर अनुबंध (Rate Contract)।

व्यक्ति/फॉर्म/संस्था/संवेदक नीचे अंकित विवरणी के अनुसार अपना दर समर्पित करेंगे, जो निम्न है :–

1. चित्रांकन (Artwork) सहित स्वच्छता संदेश/स्लोगन का वॉटर पेंट (डिस्टेंपर) से दिवार चित्रण (Wall Painting) – प्रति वर्गफुट
2. केवल स्लोगन/संदेश का वॉटर पेंट (डिस्टेंपर) से दीवार लेखन (बिना चित्रांकन) – प्रति वर्गफुट
3. वॉटर पेंट (डिस्टेंपर) से सजावटी/थीम आधारित पेंटिंग (Scenery, Landscape, Cartoon, SBM Theme आदि) –बिना स्लोगन –प्रति वर्गफुट
4. ऑयल पेंट से चित्रांकन (Artwork) सहित स्लोगन एवं दीवार लेखन –प्रति वर्गफुट
5. ऑयल पेंट से सामान्य रंग–रोगन/पेंटिंग (Plain Painting) – बिना स्लोगन एवं चित्रांकन– प्रति वर्गफुट
6. केवल स्लोगन/संदेश का ऑयल पेंट से दीवार लेखन (बिना चित्रांकन) –प्रति वर्गफुट

➢ उद्धरण जमा करने की तिथि एवं समय :– दिनांक 28.07.2026 को अप० 03:00 बजे तक
➢ उद्धरण खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक 28.07.2026 को अप० 04:00 बजे तक
➢ स्थान :– चिरकुण्डा नगर परिषद्

आवश्यक दस्तावेज:–
1. GST Registration
2. PAN Card
3. Aadhaar Card
4. Income Tax Return (Last three years)
5. GST Return (Upto date)
6. SBM IEC के तहत किसी सरकारी कार्यालय/संस्था में किए गए कार्य का अनुभव प्रमाण–पत्र (कम से कम 02 समान कार्य) के साथ संबंधित कार्य का फोटोग्राफ देना अनिवार्य होगा।
7. पूर्व में कोई कार्य लंबित नहीं होने तथा काली सूची में न होने से संबंधित शपथ पत्र।

महत्वपूर्ण शर्तें :–
1. सभी रंग Asian Paints/Berger/Nerolac/Indigo अथवा समकक्ष ब्राण्ड के होंगे।
2- Surface Cleaning, Scraping, Putty, Primer एवं दो कोट पेंट कार्य दर में शामिल रहेगा।
3. आवश्यकतानुसार Scaffolding, Transport एवं Labour की व्यवस्था अपने खर्च पर करना होगा। इसपर किसी प्रकार का भुगतान का दायित्व कार्यालय को नहीं होगा।
4. दर सभी करों (Tax) सहित अंकित करना अनिवार्य है। अंकित दर के अतिरिक्त अन्य किसी प्रकार का भुगतान कार्यालय द्वारा नही किया जाएगा।
5. कार्य आदेश प्राप्त होने के 07 दिनों के अंदर कार्य प्रारंभ करना होगा।
6. पेंटिंग की गुणवत्ता न्यूनतम 12 माह तक संतोषजनक रहनी चाहिए।
7. घटिया कार्य पाए जाने पर बिना अतिरिक्त भुगतान पुनः कार्य करना होगा।
8. भुगतान मापी एवं स्थल सत्यापन के आधार पर होगा।
9. L1 होने वाले व्यक्ति/फॉर्म/संस्था/संवेदक के साथ 01 वर्ष की अवधि के लिए एकरारनामा किया जाएगा यदि कार्य संतोषप्रद पाया जाता है, तो एकरारनामा की अवधि का विस्तार किया जाएगा।
10. एकरारनामा के समय रू0 25,000.00 (पचीस हजार) की राशि अग्रधन के रूप में अधोहस्ताक्षरी के पदनाम Executive Officer, Chirkunda Nagar Parishad से बनाकर कार्यालय में जमा करना होगा। जिसे एकरारनामा की अवधि समाप्त होने के उपरांत कार्य संतोषप्रद पाए जाने पर बिना ब्याज के लौटा दी जाएगी।
11. यदि व्यक्ति/फॉर्म/संस्था/संवेदक द्वारा कार्यादेश प्राप्त होने के पश्चात कार्य करने से इंकार करती है अथवा निर्धारित अवधि में कार्य पूर्ण नहीं करती है, तो अग्रधन कर राशि पूर्णतः जब्त कर ली जाएगी तथा एजेंसी के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।
12. एकरारनामा को रद्द करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा।

कार्यपालक पदाधिकारी
चिरकुण्डा नगर परिषद्

PR 385305 Urban Development and Housing(26-27).D

JHARKHAND URJA SANCHARAN NIGAM LIMITED

(CIN No.: U40108JH2013SGC001704)
Regd. Office: SLDC Building, Kusai Colony, Doranda, Ranchi–834002.
OFFICE OF THE GENERAL MANAGER, TRANSMISSION ZONE-VII, DHANBAD
Bijli Colony, Hirapur, Dist: - Dhanbad, Pin: - 826001
Email Id: gmtz7dhanbad@gmail.com, Website:www.jusnl.in

e-TENDER NOTICE

E-tender in two parts i.e. Technical Part (Part-I) and Price Part (Part-II) is invited from reputed, experienced and financially sound agencies/ firms for the following work: -

S. No.	NIT No.	Description of work	Tender Fee (non-refundable)	Earnest Money Deposit
1.	354/PR/JUSNL/ 2026-27	Construction of chemical earthing for towers along with supply and installation of Anti-Climbing Device of 220 kV D/C Govindpur-TTPS Transmission Line under Transmission Subdivision Govindpur.	Rs.5900.00 (Rs.5000+ CGST@9% +SGST@9%)	Rs.34,100.00

Availability of Tender Documents on e -tender website	From 22.07.2026 at 3:00 PM to 11.08.2026 upto 3:00 PM
Start Date & Time of upload of BID	22.07.2026 at 3:00 PM
End Date & Time for uploading BID	11.08.2026upto 3:00 PM
BID Opening date for Technical Part (Part-I)	12.08.2026 at 4:00 PM
BID Opening date for Price Part (Part-II)	Will be communicated later on
Tender Inviting Authority and address for communication	General Manager, Transmission Zone-VII, Dhanbad, Bijli Colony, Hirapur, Dist: - Dhanbad, Pin: - 826001

1. e-Tender document and BOQ including terms & conditions, tender specification can be downloaded from website http://jharkhandtenders.gov.in. Any details / clarification required in this regard can also be obtained from the office of the undersigned during office hours. Please contact 9771850485for any enquiry.
2. **The bids will be received through electronic tendering mode only.**
3. Bidder shall deposit tender fee & EMD as mentioned above through online mode as per rules of e-tendering portal.
4. If there is sudden announcement of holiday by Govt. or Nigam on the date of opening of tender/ last date of submission of hard copy of bid then the next working day will be considered.
5. No claim shall be entertained on account of disruption of internet services being used by bidders. Bidders are advised to upload their bids well in advance to avoid last minute technical snag.
6. JUSNL reserves the right to accept or reject any bid partly or fully or cancel the bidding without assigning any reason thereof and in such case no bidder/intending bidder shall have any claim arising out of such action.

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचायें। कृपया अपनी शिकायतों को टॉल फ्री नं० 1800 345 6570 पर दर्ज करायें।

Sd/-
General Manager
Transmission Zone – VII, Dhanbad

PR 385324 Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd (26-27)_D

झारखण्ड सरकार
उद्योग विभाग जिला उद्योग केन्द्र, धनबाद

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रबंधक निदेशक, जिडको, रॉंची के आदेशानुसार RAMP योजनान्तर्गत एम0एस0एम0ई0 इकाइयों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला उद्योग केन्द्र, धनबाद के तत्वावधान में **दिनांक 22.07.2026 को पूर्वाह्न 12.00 बजे से ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, बलियापुर, धनबाद** में एक दिवसीय उद्यम पंजीकरण सह जागरूकता शिविर **(Export Import Code विषयगत)** का आयोजन किया जाना है। उक्त शिविर में जिला के उद्यमी/व्यवसायी अपना उद्यम निबंधन कर सकेंगे।

अतः धनबाद जिले के सभी उद्यमी/व्यवसायी उक्त निर्धारित तिथि को आयोजित जागरूकता शिविर में अपने उद्यम/इकाई के निबंधन हेतु आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैक पास–बुक एवं आधार लिंक मोबाईल के साथ भाग लेंगे।

विशेष जानकारी हेतु श्री आदित्य चौधरी, ई0ओ0डी0बी0 प्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र, धनबाद (मो0 सं0–9304896924) से सम्पर्क किया जा सकता है।

कार्यक्रम विवरणी	निवेदक
1. आयोजन की तिथि : 22.07.2026 2. समय : 11.00 बजे पूर्वाह्न 3. आयोजन स्थल : ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान,	महाप्रबन्धक, जिला उद्योग केन्द्र, धनबाद

बलियापुर, धनबाद।

PR.NO.385327 Industries(25-26):D

जनजातीय गौरव का राष्ट्रीय महोत्सव गुमला में

गोविंदपुर (ससे) : झारखंड की वीर परंपरा, परमवीर चक्र विजेता लांस नायक अल्बर्ट एक्का सहित भारत के अमर शहीदों के सर्वोच्च बलिदान तथा राष्ट्रभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से वीर भूमि जारी महोत्सव-२०२६ का आयोजन ३ से ८ दिसंबर २०२६ तक झारखंड के गुमला जिले के जारी में राष्ट्रीय स्तर पर भव्य रूप से किया जाएगा। गोविंदपुर पुलिस इंस्पेक्टर विष्णु प्रसाद राउत ने बताया कि यह छह दिवसीय महोत्सव शहीदों के सम्मान, युवाओं में राष्ट्रसेवा एवं नेतृत्व की भावना विकसित करने, राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने तथा झारखंड की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, लोककला, विरासत एवं स्थानीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। देशभर से पूर्व सैनिक, सशस्त्र बलों के अधिकारी, शिक्षाविद, साहित्यकार, इतिहासकार, सामाजिक कार्यकर्ता, कलाकार, नीति-निर्माता, विद्यार्थी, युवा संगठन, शोधकर्ता एवं विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियाँ इसमें सहभागिता करेंगी।

उन्होंने बताया कि महोत्सव में अमर शहीदों को श्रद्धांजलि एवं भव्य शौर्य यात्रा, परमवीर चक्र विजेता लांस नायक अल्बर्ट एक्का के जीवन, शौर्य एवं सर्वोच्च बलिदान पर आधारित फीचर फिल्म की विशेष प्रस्तुति, १९७१ के भारत-पाक युद्ध के प्रत्यक्षदर्शी मेजर डीएन दास के मार्गदर्शन में निर्मित अल्बर्ट एक्का पर आधारित वृत्तचित्र का लोकार्पण एवं प्रदर्शन, अल्बर्ट एक्का के जीवन एवं वीरता पर आधारित ५ पुस्तकों का विमोचन, ५० फीट गुणा सौ फीट के विशाल पोर्ट्रेट का अनावरण, राष्ट्रभक्ति, नवाचार एवं सामाजिक जागरूकता पर आधारित अखिल भारतीय स्तर की १०० प्रतियोगिताओं का आयोजन समेत विविध कार्यक्रम होंगे।

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग
(गव्य प्रभाग)
जिला गव्य विकास कार्यालय, जामताड़ा

–: आम सूचना :–

विभागीय राज्यादेश सं0 11 रा0 (वि0) दिनांकः 09.06.2026 के आलोक में वित्तीय वर्ष 2026–27 में जामताड़ा जिलान्तर्गत इच्छुक साक्षर स्थायी निवासी ग्रामीण, दुग्ध उत्पादक या इस व्यवसाय से जुड़ने के लिए इच्छुक/युवा शिक्षित बेरोजगार, जिन्होनें गत तीन वर्षों में किसी भी स्थान से गव्य विकास का प्रशिक्षण प्राप्त नहीं किये हों, जिनका उम्र 18 से 55 वर्ष के बीच को, सूचित किया जाता है कि प्रशिक्षण एवं प्रसार संस्थान, राजकीय पशु अस्पताल परिसर, पो0–शिवपाहाड़, दुमका द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम (दुधारू पशु प्रबंधन एवं पशु पोषण प्रशिक्षण) संचालित की जा रही है। जिसका विवरणी निम्नवत है:–

संस्थान– प्रशिक्षण एवं प्रसार संस्थान, दुमका			प्रशिक्षण कार्यक्रम– दुधारू पशु प्रबंधन एवं पशु पोषण प्रशिक्षण।			
क्र0 सं0	प्रशिक्षण अवधि	जिला	प्रशिक्षणार्थियों की संख्या			
			TSP	OSP	SCSP	कुल
01.	20.07.2026 से 25.07.2026	जामताड़ा	13	03	03	19
02.	03.08.2026 से 08.08.2026	जामताड़ा	13	03	03	19
03.	17.08.2026 से 22.08.2026	जामताड़ा	13	03	03	19
04.	31.08.2026 से 05.09.2026	जामताड़ा	13	03	03	19
05.	14.09.2026 से 19.09.2026	जामताड़ा	13	03	03	19
06.	28.09.2026 से 03.10.2026	जामताड़ा	13	03	03	19
07.	12.10.2026 से 17.10.2026	जामताड़ा	13	03	03	19
08.	02.11.2026 से 07.11.2026	जामताड़ा	13	03	03	19
09.	16.11.2026 से 21.11.2026	जामताड़ा	13	03	03	19
10.	30.11.2026 से 05.12.2026	जामताड़ा	13	03	03	19
11.	14.12.2026 से 19.12.2026	जामताड़ा	13	03	03	19
	कुल		143	33	33	209

इच्छुक प्रशिक्षणार्थी/ प्रशिक्षणार्थीयों द्वारा अपना नाम/पता, आधार संख्या, बैंक का नाम एवं शाखा, खाता सं0, IFSC कोड अंकित करते हुए आवेदन पत्र संबंधित पंचायत के मुखिया से अनुशंसा करा कर जिला गव्य विकास कार्यालय, जामताड़ा में दिनांकः– 30.07.2026 तक जमा किया जा सकता है। प्रशिक्षण अवधि में निःशुल्क आवासीय एवं भोजन का प्रबंधन प्रशिक्षण एवं प्रसार संस्थान, दुमका द्वारा की जायेगी। प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षणार्थियों को अपने प्रखण्ड से प्रशिक्षण केन्द्र दुमका तक जाने एवं वापस आने का मार्ग व्यय के लिए राशि का व्यवस्था स्वंय करेंगे। प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरांत प्रशिक्षण एवं प्रसार संस्थान, दुमका द्वारा विपत्र पारित होने के पश्चात प्रशिक्षणार्थियों को उनके बैंक खाता के माध्यम से देय राशि का भुगतान किया जायेगा। उपरोक्त उल्लेखित प्रशिक्षण कार्यक्रम का क्रियान्वयन की जायेगी।

जिला गव्य विकास पदाधिकारी
जामताड़ा।

PR 385311 (District) 26-27 (D)

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल गिरिडीह

अल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना सं0 01/2026-27

01. विज्ञापनदाता का नाम :– कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, गिरिडीह।
02. परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि :– 03/08/2026 को 03.00 बजे अपराह्न तक।
03. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– 04/08/2026 को 03.00 बजे अपराह्न तक।
04. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 04/08/2026 को 03.30 बजे अपराह्न में।
05. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– (I) मुख्य अभियंता(या0), पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड, रॉंची। (II) अधीक्षण अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ अंचल, हजारीबाग। (III) कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, गिरिडीह।
06. निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान :– क्रमांक 5 में वर्णित सभी स्थानों पर।
07. कार्यों की विवरणी :–

क्रम सं.	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	अग्रधन की राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	पचम्बा–जमुआ पथ के 22वें कि0मी0 में जमुआ चौक (लिंक पथ) का साधारण मरम्मति कार्य वर्ष 2026–27	9,99,950.00	20,000.00	1,250.00	02 (दो) माह
2	पचम्बा–जमुआ पथ के कि0मी0 0.0 से 1.10 तक में विशेष मरम्मति कार्य वर्ष 2026–27	19,98,890.00	40,000.00	2,500.00	03 (तीन) माह
3	तिसरी–थानसिंहडीह–कौआकोल भाया कोदाईबॉक लिंक पथ के कि0मी0 0.0 से 9.0 कि0मी0 तक साधारण मरम्मति कार्य वर्ष 2026–27	19,99,897.00	40,000.00	5,000.00	03 (तीन) माह
4	एस0पी0 कोठी से अम्बेडकर चौक भाया नया बस स्टैण्ड पथ के कि0मी0 0.0 से 1.20 तक सतह नविकरण कार्य वर्ष 2026–27	14,95,895.00	30,000.00	1,250.00	02 (दो) माह
5	चैताडीह–बक्सीडीह पथ कुल लम्बाई 3.50 में साधारण मरम्मति कार्य वर्ष 2026–27	14,99,068.00	30,000.00	1,250.00	02 (दो) माह
6	जमुआ–खड़गडीहा–चतरो–श्रवण पथ के कि0मी0 0.0 से 23.60 तक साधारण मरम्मति कार्य वर्ष 2026–27	24,99,825.00	50,000.00	5,000.00	03 (तीन) माह
7	तिसरी–थानसिंहडीह–कौआकोल पथ भाया कोदाईबाग लिंक पथ पर कि0मी0 6वें पर नाली निर्माण कार्य वर्ष 2026–27	24,99,854.00	50,000.00	5,000.00	03 (तीन) माह
8	छोटकी–खरगडीहा– मिर्जागंज पथ 9वें कि0मी0 में पुल के Railing एवं चारो तरफ 200M Crash Barrier कार्य वर्ष 2026–27	14,99,992.00	30,000.00	1,250.00	02 (दो) माह
9	पचम्बा–जमुआ पथ के 23वें कि0मी0 में अवस्थित उच्चस्तरीय पुल के उपर मास्टीक असफॉल्ट एवं रंग रोगन कार्य वर्ष 2026–27	7,99,780.00	16,000.00	750.00	03 (तीन) माह
10	नावाडीह से मिर्जागंज में पुल के पास मोड़ रहने के कारण Crass Bariar अधिष्ठापण कार्य वर्ष 2026–27	19,99,917.00	40,000.00	5,000.00	03 (तीन) माह
11	कनीय अभियंता, पथ अवर प्रमण्डल, गॉवा का आवास का साधारण मरममति कार्य वर्ष 2026–27	9,99,296.00	20,000.00	1,250.00	03 (तीन) माह

नोट :– प्राक्कलीत राशि घट–बढ़ सकती है।
निविदा की अन्य शर्तें :– निविदा की शर्तें प्रमण्डल कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

ह०/–
कार्यपालक अभियंता
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, गिरिडीह

PR 385392 Road(26-27)#D

झारखण्ड शिक्षा परियोजना, गिरिडीह
समाहरणालय भवन, तृतीय तल्ला पपरवाटाड़, गिरिडीह– 815311.
Email Address:- jepgiridih123@gmail.com

"दो स्कॉर्पियो वाहन मासिक किराये पर देने हेतु अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण"

झारखण्ड शिक्षा परियोजना, गिरिडीह के जिला शिक्षा पदाधिकारी–सह–जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, गिरिडीह एवं जिला शिक्षा अधीक्षक–सह–अपर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, गिरिडीह हेतु एक–एक व्यवसायिक पंजीकृत MAHINDRA SCORPIO चार पहिया वाहन (जनवरी 2023 के पूर्व का रजिस्ट्रेशन न हो) एक वर्श के लिए मासिक किराये पर आवश्यकता है।

अतः उक्त आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए आप सभी इच्छुक वाहन मालिकों/कम्पनी/फर्म से अनुरोध है कि निविदा प्रपत्र दिनांक 22.07.2026 से 01.08.2026 तक किसी भी कार्य दिवस में पूर्वाह्न 10.00 बजे से अपराह्न 05.00 बजे तक कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है एवं भरा हुआ निविदा प्रपत्र दिनांक.03.08.2026 के पूर्वाह्न 10.00 बजे से अपराह्न 01.00 बजे तक जमा लिया जायेगा तथा निविदा उक्त तिथि को ही कय समिति के समक्ष अपराह्न 02.00 बजे खोली जायेगी निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी झारखण्ड शिक्षा परियोजना, गिरिडीह के कार्यालय सूचनापट्ट पर एवं वेबसाईट (https://giridih.nic.in) पर देखा जा सकता है।

ह0/–
जिला शिक्षा पदाधिकारी–सह–
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, गिरिडीह

PR 385326 Jharkhand Education Project Council(26-27)#D

जिला परिषद् कार्यालय, धनबाद

शुद्धि पत्र

जिला परिषद, धनबाद के पत्रांक 994, दिनांक– 29.06.2026 द्वारा प्रकाशित आम सूचना संख्या : 3/2026 के PR 383566 (Rural Development) 26-27*D में आम नागरिकों को विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी डिजिटल सेवाएँ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कॉमन सर्विस सेन्टर जिसमें ई–गवर्नेंस, बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य आवश्यक सेवाएँ आम जनों तक पहुँचाने के उद्देश्य से जिला परिषद, धनबाद कार्यालय परिसर में एक CSC (Common Service Centre) एवं Aadhar Centre का संचालन हेतु इच्छुक व्यक्ति से आवेदन आमंत्रित किया गया है। उक्त आम सूचना में आंशिक संशोधन करते हुए हेतु जिला परिषद धनबाद कार्यालय परिसर में केवल एक CSC (Common Service Centre) का संचालन किया जाएगा। तदनुसार दिनांक 25.07.2026 तक इच्छुक व्यक्ति CSC (Common Service Centre) के संचालन हेतु जिला परिषद, धनबाद में आवेदन समर्पित कर सकते हैं। उक्त आम सूचना को इस हद तक संशोधित समझा जाए।

अन्य नियम एवं शर्तें यथावत रहेंगे।

ह0/–
जिला अभियंता,
जिला परिषद, धनबाद

PR 385308 Rural Development (26-27)_D

जिला परिषद, धनबाद

अति अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना सं0–21/2026-27/DE/ZPDH/DHANBAD

मद : जिला परिशद (आंतरिक) मद

क्र	प्रखण्ड	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	B.O.Q. मूल्य	अग्रधन राशि	समय अवधि
1	गोविन्दपुर	मुर्गाबनी पंचायत अन्तर्गत फुफवाडीह आदिवासी टोला एन.एच. से गाँव की ओर 500 फीट पीसीसी पथ निर्माण (2) तिलाबनी पंचायत अन्तर्गत कारीटाँड़ आदिवासी टोला बढ़दोही से पुल तक 700 फीट पीसीसी पथ निमार्ण।	12,56,000	2,500	B.O.Q. का 2%	3 माह
2	बाघमारा	निचितपुर–1 पंचायत अन्तर्गत श्यामडीह अम्बेडकर स्टैच्यू के बगल में पेवर ब्लॉक का अधिष्ठापन	1,88,600	500	B.O.Q. का 2%	3 माह
3	बाघमारा	हाथुडीह पंचायत अन्तर्गत हाथुडीह कैलाश सिंह के घर के सामने चबूतरा का निर्माण	1,57,200	500	B.O.Q. का 2%	3 माह
4	बाघमारा	काण्ड्रा पंचायत अन्तर्गत राजु महतो के घर से कुमोध लाला के घर तक 400 फीट पीसीसी पथ निर्माण।	4,23,900	750	B.O.Q. का 2%	3 माह
5	तोपचाँची	ढाँगी पंचायत अन्तर्गत सार्वजनिक स्थल में चापाकल का अधिष्ठापन (2) सिंहदाहा पंचायत अन्तर्गत सार्वजनिक स्थल में चापाकल का अधिष्ठापन (3) लेदाटाँड़ पंचायत अन्तर्गत सार्वजनिक स्थल में चापाकल का अधिष्ठापन	2,25,000	500	B.O.Q. का 2%	3 माह
6	गोविन्दपुर	जमडीहा पंचायत अन्तर्गत सहाबुद्दीन अंसारी के खेत के सामने चापाकल का अधिष्ठापन (2) जयनगर पंचायत अन्तर्गत पुराना कब्रिस्तान के सामने रोड किनारे चापाकल का अधिष्ठापन	1,50,000	500	B.O.Q. का 2%	3 माह
7	एग्यारकुण्ड	एगारकुण्ड प्रखण्ड के कालीमाटी पंचायत अन्तर्गत गोगना सलखान घुटु गाँव में गौर लोहार के घर के सामने शेड निर्माण (2) एगारकुण्ड प्रखण्ड के मेढ़ा पंचायत अन्तर्गत गणेश बाउरी के घर के सामने चबूतरा निर्माण	5,01,800	1,250	B.O.Q. का 2%	3 माह

1. वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि : दिनांक **30-07-2026**
2. ई0–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय : दिनांक **11-08-2026** को **5 P.M.** बजे तक
3. निविदा खोलने कि तिथि एवं समय : दिनांक **13-08-2026** को **3:00 P.M.** बजे।
4. केवल ई–निविदा **(E-Tender)** ही स्वीकार की जाएगी।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी : जिला अभियंता, जिला परिशद, धनबाद
6. ई–निविदा प्रकोश्ट का दूरभाश संख्या– **9835071587/9431396945**
7. जिला परिशद, धनबाद के अन्तर्गत समुचित श्रेणी से निबंधित संवेदक ही निविदा में भाग लेगें।
8. परिमाण विपत्र विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है, तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल **Online Mode** द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में **अग्रधन की राशि** वापस होगी। यदि खाता बन्द कर दिया जाता है तो सारी जवाबदेही संवेदक की होगी।
11. योजनाओं की विवरणी एवं अन्य विस्तृत जानकारी वेबसाईट https://jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

ह0/–
जिला अभियंता
जिला परिषद, धनबाद

PR 385325 Rural Development(26-27)#D

जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों और पुलिस में टकराव

नई दिल्ली,(ईएमएस): संसद मार्च को लेकर सोमवार सुबह राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर व आस-पास तनावपूर्ण स्थिति बन गई। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रस्तावित संसद मार्च से पहले जंतर-मंतर पर बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी जुटे। मार्च को अनुमति नहीं मिलने के कारण दिल्ली पुलिस ने इलाके में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था करते हुए कई स्थानों पर बैरिकेडिंग लगा रखी है। प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने के दौरान पुलिस और भीड़ के बीच तीखी नोकझोंक हुई। प्रारंभिक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की बैरिकेडिंग लांघते हुए आगे बढ़ने का प्रयास किया। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज किया। इस दौरान मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

राम मंदिर ट्रस्ट की बैठक कल तीन नए ट्रस्टियों के नाम होंगे तय

अयोध्या (ईएमएस) : श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की अगली बैठक २२ जुलाई को आयोजित होने जा रही है। इस बार यह बैठक मणिराम दास छावनी में दो चरणों में संपन्न होगी। पहली बैठक तीन बजे होगी, इसमें ट्रस्ट में खाली हुए तीन सदस्यों के पद पर नए सदस्यों के नाम पर स्वीकृति दी जाएगी। दूसरी बैठक शाम चार बजे से प्रारंभ होगी। इसमें राम जन्मभूमि परिसर की व्यवस्था, सीईओ के नियुक्ति प्रक्रिया व अन्य कार्यों पर मंथन किया जाएगा। वहीं, ट्रस्ट के सदस्य महंत दिनेंद्र दास के अनुसार रिक्त पड़े तीन पदों पर नए सदस्यों के नाम तय हो चुके हैं।

सूत्रों के मुताबिक मुख्य बैठक से पहले तीन बजे होने वाली बैठक में ट्रस्ट अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास व अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन समेत अन्य सदस्य ही मौजूद रहेंगे। इसमें सबसे पहले ट्रस्ट में रिक्त

पड़े तीन सदस्य के पदों पर नए सदस्यों के नाम की चर्चा कर उसे अंतिम रूप दिया जाएगा। साथ ही मंदिर में नियुक्त होने वाले मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पद पर योग्य आवेदनकर्ता का चयन भी किया जा सकता है। हालांकि माना जा रहा है कि इसके लिए ट्रस्ट द्वारा गठित चयन समिति अभी इसके लिए तैयार नहीं है। आवेदक ज्यादा होने पर अंतिम तीन नामों को चयनित करने में दिक्कतें आ रही है।

वहीं, चार बजे आयोजित होने वाली मुख्य बैठक में अयोध्या के कुछ प्रमुख साधु-संतों को भी विशेष आमंत्रित सदस्यों के रूप में आमंत्रित किया जा सकता है। इन सबके समक्ष पहली बैठक में तय किए गए एजेंडे को रखा जा सकता है। उसके बाद ही अंतिम निर्णय लिया जा सकता है। इस बैठक में ट्रस्ट द्वारा विभिन्न समितियों के पुनर्गठन पर भी विचार किया जाएगा। इसके अलावा एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट मिलती है तो उस पर मंथन किया जाएगा। साथ ही अध्यक्ष की अनुमति से कुछ अन्य विषयों पर भी चर्चा की जा सकती है। सूत्र बताते हैं कि इस बैठक में अध्यक्ष नृत्य गोपाल दास के अधिकारों में बढ़ोतरी करने का भी प्रस्ताव पास किया जा सकता है। ट्रस्ट के अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन ने बैठक की अधिसूचना जारी कर दी है। सभी सदस्यों को बैठक में मौजूद रहने के लिए आमंत्रित किया गया है।

राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य महंत दिनेंद्र दास ने बताया कि ट्रस्ट में जो लोग चले गए या इस्तीफा दिए हैं, उनके स्थान पर नए लोगों के नाम तय हो चुके हैं। २२ जुलाई को बैठक में तय नाम घोषित किए जाएंगे। कहा कि बहुत से लोग अपने लिए पैरवी कर रहे हैं, लेकिन योग्य ही सदस्य बनेंगे। कहा कि राम जन्मभूमि वैष्णो संप्रदाय की है, जहां उसी परंपरा के अनुसार पूजन-अर्चन किया जा रहा है। मैं रोज दर्शन पूजन व व्यवस्था की निगरानी के लिए जा रहा हूं,

बिहार में 551 स्कूल भगवा रंग में रंगे

पटना(ईएमएस): बिहार की सम्राट चौधरी की अगुवाई वाली सरकार ने ५५१ मॉडल स्कूलों को भगवा रंग में रंगने के फैसले के साथ स्कूल के नाम बदलकर सरस्वती विद्या निकेतन कर दिया है। सीएम सम्राट चौधरी ने उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि कवि रामधारी सिंह दिनकर की जन्मभूमि बेगुसराय में ५५१वें सरस्वती विद्या निकेतन का उद्घाटन करके हमने शिक्षा के क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत की है। सम्राट चौधरी ने कहा कि इन स्कूलों में आधुनिक डिजिटल बुनियादी ढांचा, ई-लाइब्रेरी और स्मार्ट क्लासरूम मौजूद हैं।

अब इन स्कूलों में लाइव इंटरैक्टिव कक्षाओं के अलावा मुफ्त जेईई और नीट कोचिंग भी उपलब्ध कराई जाएगी। सरकार का मकसद यह पक्का करना है कि हर बच्चे को टेक्नोलॉजी और मूल्यों पर आधारित शिक्षा मिले। सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि सरकार सरकारी स्कूलों को अपग्रेड कर रही है ताकि उन्हें प्राइवेट स्कूलों जैसा शैक्षणिक माहौल मिल सके।

बिहार सत्र की हंगामेदार शुरुआत, निशाने पर नीट और निशांत का पदार्पण

पटना,(ईएमएस): बिहार विधानमंडल का मानसून सत्र सोमवार को हंगामेदार तरीके से शुरू हुआ, जहां विपक्षी विधायकों ने नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर जोरदार हंगामा किया। सत्र की शुरुआत में ही विपक्षी दलों ने नारेबाजी शुरू कर दी, जिसके बाद स्पीकर की समझाइश पर कुछ देर के लिए शांति लौटी।

इसके उपरांत, वित्त मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने वित्तीय वर्ष २०२६-२७ के लिए ८७ हजार ३८३ करोड़ रुपये का पहला अनुपूरक बजट सदन पटल पर रखा। इस बजट में स्कीम मद में ५७ हजार ७७ करोड़ रुपये और वेतन-पेंशन पर ३२ हजार २६५ करोड़ रुपये खर्च करने का प्रस्ताव है। दिवंगत नेताओं को श्रद्धांजलि देने के बाद सदन की कार्यवाही मंगलवार सुबह ११ बजे तक के लिए स्थगित की गई। अपने जन्मदिन पर पहली बार विधान परिषद पहुंचे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे और स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार, पोर्टिको में विपक्ष के हंगामे में

फंसे दिखे। जदयू विधायकों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

परिषद के भीतर, निशांत अचानक खड़े हुए और करीब आठ मिनट तक सदन को संबोधित किया। उन्होंने अपने पदार्पण पर संभावित भूलों के लिए क्षमा याचना करते हुए सदन में बेहतर प्रदर्शन, टीम वर्क और इसकी गरिमा बनाए रखने पर जोर दिया। निशांत ने युवाओं से सदन की मर्यादा बनाए रखने की अपील की और सरकार द्वारा शिक्षा, रोजगार व युवाओं के लिए किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला। उनके बोलने से ठीक पहले, सभापति ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को अर्जुन और निशांत को अभिमन्यु कहकर संबोधित किया था। विधानसभा परिसर में भी विपक्षी विधायकों ने नीट पेपर लीक के विरोध में पोस्टर लेकर धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो और नीट छात्रों के हत्यारे जैसे नारों के साथ अपना प्रदर्शन जारी रखा।

जब सपा सरकार थी तो जमीन जौहर यूनिवर्सिटी के नाम क्यों नहीं ट्रांसफर की : राजभर

लखनऊ,(ईएमएस): यूपी सरकार में मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा है कि अखिलेश यादव खुद चाहते हैं कि आजम खान बर्बाद हो जाएं। उन्होंने रामपुर स्थित जौहर यूनिवर्सिटी पर बुलडोजर एक्शन को लेकर सपा प्रमुख की टिप्पणी पर कहा कि अखिलेश यादव खुद चाहते हैं कि आजम खान बर्बाद हो जाएं। जब उनकी अपनी सरकार सत्ता में थी और जनता के पैसे का इस्तेमाल हुआ था, तो सरकारी जमीन यूनिवर्सिटी के नाम क्यों नहीं ट्रांसफर की? अखिलेश के समाजवाद को लेकर भी राजभर ने तीखी प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा कि अगर वे समाजवाद की बात कर रहे हैं, तो उन्हें सबसे पहले परिवारवाद से बाहर निकलना पड़ेगा। उन्हें अपने ही परिवार के सदस्यों को टिकट न देकर इसकी शुरुआत करनी चाहिए। तभी वे सच में समाजवाद की बात कर सकते हैं। राम मनोहर लोहिया ने कहा था कि उनके आदर्शों पर चलने का दावा करने से पहले व्यक्ति को अपने नाम से जातिसूचक शब्द हटा देने चाहिए। तभी कोई व्यक्ति असल में समाजवादी कहला सकता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मौलाना अरशद मदनी की ओर से रामपुर यूनिवर्सिटी पर कार्रवाई को गलत बताए जाने पर राजभर ने कहा कि मैं मौलाना मदनी से पूछना चाहता हूं, जब पांच साल तक अखिलेश सरकार सत्ता में थी, तब सरकारी जमीन शैक्षणिक संस्थान के नाम क्यों नहीं ट्रांसफर की गई? ग्राम प्रधान और जिला पंचायत अध्यक्षों के बाद ब्लॉक प्रमुखों को प्रशासक बनाए जाने पर राजभर ने कहा कि संविधान के दायरे में रहते हुए, त्रि-स्तरीय पंचायत व्यवस्था के तहत सबसे पहले ग्राम पंचायतों के लिए प्रशासक नियुक्त किए गए, उसके बाद जिला पंचायत अध्यक्षों और फिर ब्लॉक प्रमुखों के लिए प्रशासक नियुक्त किए गए।

राजभर ने कहा कि देश की जनता के मुद्दों पर चर्चा और राष्ट्रहित में अलग-अलग कानून बनाने संसद सत्र बुलाए जाते हैं। उसी कड़ी में मानसून सत्र बुलाया गया है। संसद में लाए जाने वाले वंदे मातरम बिल को लेकर उन्होंने कहा कि यह अच्छी पहल है। जो लोग वंदे मातरम का विरोध करते हैं, उनके लिए कानून होना चाहिए। सीजेपी के प्रदर्शन को लेकर उन्होंने कहा कि मैंने सोशल मीडिया पर देखा है कि छात्र नीट पेपर लीक के खिलाफ जंतर-मंतर गए और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की, लेकिन वहां कॉकरोच जनता पार्टी का प्रचार प्रसार किया जा रहा है। हालांकि, यह अनशन अपने आप खत्म हो जाएगा।

बिहार में भारी बारिश का कहरः रेलवे ट्रैक डूबे, ट्रेनें ठप, सड़कें जलमग्न

पटना,(ईएमएस): बिहार के कई जिलों में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। लखीसराय में जमालपुर-किऊल रेल रूट पर कजरा के पास रेलवे ट्रैक डूब जाने से भागलपुर-सूरत सुपरफास्ट सहित कई ट्रेनें दो घंटे तक रुकी रहीं, जिसके बाद उन्हें धीमी गति से रवाना किया गया। मुंगेर के जमालपुर रेल कारखाना के वर्कशॉप्स में पानी भर जाने से काम ठप हो गया है। खगड़िया, किशनगंज, जमुई सहित कई जिलों में सड़कें तीन फीट तक पानी में डूब गई हैं। बेगूसराय में मंसूरचक प्रखंड की मुख्य सड़क जलमग्न है, जीडी कॉलेज परिसर में पानी भर गया है और कई घरों में भी पानी घुस गया है।

पश्चिम चंपारण के मुलटोला सिरिसिया गांव में भपसा नदी पार करते समय एक मगरमच्छ ने केदार बैठा (४५) नामक किसान पर हमला कर दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। बारिश के बीच आकाशीय बिजली गिरने से ९ लोगों की मौत हो गई है, जिनमें नालंदा में ३, छपरा-सीवान में २-२ और बक्सर-रोहतास में एक-एक व्यक्ति शामिल हैं। मौसम विभाग ने आज प्रदेश के १० जिलों के लिए भारी बारिश और वज्रपात का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। अगले ४८ घंटों तक राज्य में भारी बारिश की आशंका है। कोसी नदी का जलस्तर भी बढ़ा है, जिसके चलते बराज के ३१ फाटक खोले गए हैं।

कच्चा मकान गिरने से पिता और 4 बच्चों की मौत

मुजफ्फरनगर (ईएमएस) : उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में हुई भारी बारिश एक परिवार के लिए काल बनकर आई। पुगाना थाना क्षेत्र के हबीबपुर सीकरी गांव में एक कच्चा मकान भरभराकर गिरने से पिता और उनके चार मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई। इस हृदय विदारक हादसे में ६० वर्षीय इस्लामुद्दीन और उनके चार बच्चों की मौके पर ही जान चली गई। वहीं दो अन्य बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के समय बच्चों की मां अपने दो बच्चों के साथ घर पर नहीं थीं, जिससे वे सुरक्षित बच गई। इस दुखद घटना से पूरे इलाके में गहरा शोक व्याप्त है। उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने हादसे पर दुख जताते हुए बताया कि जिला प्रशासन तत्काल सक्रिय हो गया। जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य की निगरानी की। मंत्री ने स्वयं अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना और बेहतर इलाज के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी घटना का संज्ञान लेते हुए गहरा शोक व्यक्त किया है और अधिकारियों को पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

कांग्रेस-सपा ने मुस्लिम समाज को केवल वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया : ओवैसी

सहारनपुर,(ईएमएस): यूपी के सहारनपुर में एआईएमआईएम की विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए असदुद्दीन ओवैसी ने सीएम योगी आदित्यनाथ, बीजेपी और विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने संभल विवाद, मस्जिदों पर कार्रवाई, अयोध्या में अनियमितताओं और युवाओं की बेरोजगारी के मुद्दे उठाते हुए राजनीतिक नेतृत्व मजबूत करने की अपील की। इस बीच उनका एक बयान काफी वायरल हो रहा है।

रही है। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर भी निशाना साधा और कहा कि मुस्लिम समाज को केवल वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ओवैसी ने जनसभा में जुटी भारी भीड़ के बीच कहा कि लोग अब सिर्फ दरी बिछाने का काम नहीं करेंगे, बल्कि अपना राजनीतिक नेतृत्व खुद तैयार करेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी संविधान के दायरे में रहकर गरीबों और मजलूमों के हक की लड़ाई लड़

ओवैसी को हराने के लिए ओवैसी ने चुनाव से पहले अन्य दलों के साथ गठबंधन करने की इच्छा जताई। भाषण में बार-बार माइक बंद होने पर उन्होंने साउंड सिस्टम वाले को बीजेपी की बी टीम और सपा का समर्थक बताया। उन्होंने कहा कि आवाज दबाने की कोशिशों के बावजूद वह पीछे नहीं हटेंगे और जल्द ही दोबारा सहारनपुर की जनता के बीच आएंगे। इस कार्यक्रम में समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ी, जहां लोग पेड़ों, पोलों पर चढ़कर ओवैसी को सुनते नजर आए।

रिपोर्ट के मुताबिक सीएम योगी के संभल में दिए गए बयान पर ओवैसी ने कहा कि प्रदेश में एक ही वर्ग को तवज्जो मिल रही है। उन्होंने अयोध्या में हुए राममंदिर चढ़ावा चोरी और अनियमितताओं को लेकर सरकार को घेरा और सवाल उठाया कि सीएम योगी के नाक के नीचे इतनी बड़ी गड़बड़ी कैसे हो गई। ओवैसी ने आरोप लगाया कि सरकार अपनी विफलताओं और असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए नए-नए विवाद खड़े कर रही है। उन्होंने कहा कि सच बोलने की अपनी आदत को वह हमेशा बरकरार रखेंगे।

ओवैसी ने सहारनपुर मस्जिद विवाद, संभल और रामपुर की जौहर यूनिवर्सिटी का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि सहारनपुर में सालों पुरानी मस्जिद को भारी जुर्माना और नोटिस दिया जा रहा है। रामपुर में जौहर यूनिवर्सिटी पर हो रही कार्रवाई को उन्होंने शिक्षा के खिलाफ बताया। उन्होंने कहा कि यूपी में पहले से ही केवल चार फीसदी मुस्लिम ग्रेजुएट हैं, ऐसे में शैक्षणिक संस्थानों और धार्मिक स्थलों को निशाना बनाना गलत है। इसके साथ ही उन्होंने पिछले १२ सालों में लगातार हो रहे पेपर लीक और बढ़ती बेरोजगारी पर भी चिंता जताई।

संसद से सड़क तक टकराव टालें और पेपर लीक पर सख्त कार्रवाई करें : मायावती

लखनऊ,(ईएमएस): बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से पहले केंद्र और राज्य सरकारों से राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर टकराव की स्थिति से बचने की अपील की है। उन्होंने कहा कि देश के मौजूदा राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक हालात को देखते हुए संसद से लेकर सड़कों तक तनाव की स्थिति पैदा होने से बचना चाहिए। साथ ही, पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था में लगातार सामने आ रही अनियमितताओं पर सरकारों को तत्काल प्रभावी और कठोर कदम उठाने की जरूरत है।

सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी अपने संदेश में मायावती ने कहा कि संसद के मानसून सत्र के साथ ही दिल्ली के जंतर-मंतर सहित विभिन्न स्थानों पर कई ज्वलंत मुद्दों को लेकर आंदोलन और विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। ऐसे में सरकारों को संयम, संवाद और बेहतर सूझबूझ का परिचय देते हुए स्थिति का समाधान निकालना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मेडिकल सहित अखिल भारतीय प्रतियोगी परीक्षाओं और राज्यों की भर्ती परीक्षाओं में लगातार पेपर लीक और अन्य गड़बड़ियों के कारण परीक्षाएं रद्द होने की नौबत आ रही है। इससे लाखों युवा और बेरोजगार अभ्यर्थी गहरे मानसिक तनाव और असुरक्षा का सामना कर रहे हैं। उनके अनुसार यह केवल परीक्षा प्रणाली का नहीं, बल्कि देश के भविष्य से जुड़ा गंभीर विषय है, जिस पर सरकारों को तत्काल और निर्णायक कार्रवाई करनी चाहिए।

बसपा प्रमुख ने कहा कि पेपर लीक जैसी घटनाओं के लिए जिम्मेदार लोगों की

जवाबदेही तय की जानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि परीक्षा प्रणाली से जुड़े उच्च पदों पर बैठे अधिकारियों के खिलाफ भी दोषी पाए जाने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई हो, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लग सके। मायावती ने सरकारी शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता पर भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अच्छे सरकारी स्कूलों और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अभाव में निजी स्कूलों और कोचिंग संस्थानों का तेजी से विस्तार हो रहा है। महंगाई के दौर में भी परिवार अपने बच्चों की शिक्षा के लिए भारी आर्थिक बोझ उठा रहे हैं।

उन्होंने सरकारों से सरकारी शिक्षा प्रणाली को प्राथमिक स्तर से लेकर उच्च शिक्षा तक मजबूत बनाने, पर्याप्त बजट उपलब्ध कराने तथा कोचिंग संस्थानों पर पारदर्शी और भ्रष्टाचार-मुक्त निगरानी रखने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि शिक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाए और युवाओं की समस्याओं का समय पर समाधान निकाला जाए, तो आंदोलन और विरोध प्रदर्शनों की नौबत नहीं आएगी। सरकारों को युवाओं के प्रति सहानुभूतिपूर्ण रवैया अपनाते हुए संवाद के माध्यम से समस्याओं का समाधान करना चाहिए।

भाजपा से दोबारा चुनाव लड़ने की गलती नहीं करूंगी : किरण बेदी

कानपुर(ईएमएस): भारत की पहली महिला आईपीएस और पुडुचेरी की पूर्व उपराज्यपाल किरण बेदी रविवार को कानपुर पहुंचीं, जहां उन्होंने एक महत्वपूर्ण बयान दिया कि वह भाजपा से चुनाव लड़ने की गलती दोबारा नहीं कर सकतीं। कानपुर रोटेरियन के एक कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद बेदी ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कई समसामयिक मुद्दों पर अपनी राय रखी। हालांकि, जब उनसे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और सोनम वांगचुक के मौजूदा आंदोलन को लेकर सवाल पूछे गए, तो उन्होंने टिप्पणी करने से साफ इनकार कर दिया। बेदी ने कहा कि वह इन लोगों को फॉलो ही नहीं करतीं, और इसलिए इनको लेकर नो कमेंट्स।

किरण बेदी ने कानपुर की हवाई सेवा की भी सराहना की। उन्होंने बताया कि पहले उन्हें लखनऊ तक फ्लाइट से आने के बाद जर्जर सड़कों से कार से

कानपुर आना पड़ता था, लेकिन इस बार दिल्ली से कानपुर तक का सफर काफी अच्छा रहा, क्योंकि अब सीधी फ्लाइट उपलब्ध है। साइबर क्राइम जैसे बढ़ते अपराधों पर उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही इनसे बचा जा सकता है। उनका मानना है कि चोर का काम चोरी करना है, लेकिन सुरक्षा की जिम्मेदारी हमारी है।

अपनी उम्र के इस पड़ाव पर भी देश के विकास में योगदान देने की अपनी प्रतिबद्धता जाहिर करते हुए किरण बेदी ने बताया कि उन्होंने अपने ७७वें जन्मदिन पर भारत स्किल एक्सचेंज नाम का एक स्टार्टअप शुरू किया है। उनका उद्देश्य युवाओं में कौशल विकास की आवश्यकता को पूरा करना है, जिसके लिए उन्होंने यह बीड़ा उठाया है।इससे पहले, किरण बेदी ने दिल्ली जिमखाना क्लब को खाली करने के केंद्र की भाजपा सरकार के फैसले पर भी नाराजगी जताई थी। उन्होंने उस आदेश के बारे में सुनकर अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा था कि उन्हें ऐसा महसूस हुआ, जैसे उन्हें कोई अपने ही घर से बेदखल कर रहा हो। एक इंटरव्यू में उन्होंने क्लब से जुड़ी अपनी पुरानी यादें साझा कीं। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने पहली बार बेदखली के आदेश के बारे में सुना तो उन्हें लगा जैसे उन्होंने अपना घर खो दिया हो। यह वह जगह थी जहां वह १४ साल की उम्र से टेनिस टूर्नामेंट खेलने अमृतसर से दिल्ली आया करती थीं।

इन्हीं दौरों की वजह से उन्हें दिल्ली से प्यार हो गया और उन्होंने यहीं काम करने और रहने का सपना देखा था।

लखनऊ के जवाहर भवन में लगी भीषण आग

लखनऊ,(ईएमएस): लखनऊ के बीआईपी इलाके में स्थित जवाहर भवन में सोमवार सुबह भीषण आग लग गई। आसमान में धुएं का गुब्बार छा गया। बताया जा रहा है कि आग चौथी मंजिल पर स्थित खाद्य एवं रसद विभाग के कार्यालय और कैंटीन में लगी है। सरकारी इमारत के ऊपरी हिस्से में आग लगने के बाद परिसर में हड़कंप मच गया। आग लगते ही कर्मचारी व लोग सुरक्षित बाहर निकल आए। आग बुझाने के लिए दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

कौशल ही विकसित उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी शक्ति : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ (ईएमएस) : विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के युवाओं को एक विशेष संदेश दिया है। अपनी योगी की पाती के माध्यम से मुख्यमंत्री ने कौशल विकास को विकसित उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत बताया और युवाओं से आह्वान किया कि वे कम से कम एक कौशल अवश्य सीखें।

उनका मानना है कि यह हुनर केवल नौकरी दिलाने वाला ही नहीं, बल्कि युवाओं को स्वयं रोजगार के अवसर पैदा करने वाला भी बनाएगा। मुख्यमंत्री ने लिखा कि अनेक युवा साथियों से मिलने और उनकी सफलता की प्रेरक कहानियों से उनका यह विश्वास और मजबूत हुआ है कि देश की सबसे बड़ी युवा शक्ति वाला उत्तर प्रदेश विकसित भारत और ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाएगा।

उन्होंने इस विश्वास का आधार कर्म और कौशल को सर्वोच्च स्थान देने वाली सनातन संस्कृति को बताया, जहां भगवान श्रीराम के जीवन और

भगवान श्रीकृष्ण के गीता उपदेश से लेकर ज्ञान और कार्यकुशलता की परंपरा समाज को आगे बढ़ाती रही है। राज्य सरकार द्वारा कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं, वहीं कौशल सखी और कौशल साथी जैसी नई पहलें भी शुरू की गई हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का हब बन रहा है। एक जनपद-एक उत्पाद योजना ने पारंपरिक उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाई है, जबकि टेक युवा-समर्थ युवा पहल नई पीढ़ी को भविष्य की तकनीकों से जोड़ रही है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, पॉलिटेक्निक संस्थानों में रोजगारपरक शिक्षा और फिनिशिंग स्कूल जैसी योजनाएं युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए तैयार कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने युवाओं से अकादमिक शिक्षा के साथ-साथ किसी एक कौशल में दक्षता हासिल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह कौशल उन्हें केवल रोजगार दिलाने वाला ही नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला भी बनाएगा। उन्होंने एमएसएमई क्षेत्र में करोड़ों युवाओं के लिए उपलब्ध रोजगार के अवसरों को प्रदेश की आर्थिक प्रगति का प्रमाण बताया।

अपने संदेश के अंत में मुख्यमंत्री ने युवाओं से कौशल विकास योजनाओं का लाभ उठाने और अन्य युवाओं को भी इससे जोड़ने का आग्रह करते हुए कहा, कौशल ही आत्मनिर्भरता का आधार, स्वाभिमान का संबल और विकसित उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी शक्ति है।

बिरसा मुंडा स्टेडियम में कल से मिलेंगे डूरंड कप के मुफ्त टिकट, 26 हजार से अधिक दर्शक देख सकेंगे मुकाबले

26 को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे उद्घाटन, झारखंड की कला और संस्कृति होंगे आकर्षण

रांची (एजेंसी): एशिया के सबसे पुराने और दुनिया के तीसरे सबसे पुराने फुटबाल टूर्नामेंट १३५वें इंडियन आयल डूरंड कप-२०२६ के लिए राजधानी रांची पूरी तरह तैयार है।

बिरसा मुंडा फुटबाल स्टेडियम में २६ जुलाई से मुकाबलों का आगाज होगा। उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। समारोह में झारखंड की समृद्ध कला और संस्कृति की रंगारंग प्रस्तुति होगी, जबकि भारतीय सेना के बैंड की विशेष प्रस्तुति भी आकर्षण का केंद्र रहेगी। इसकी जानकारी सोमवार को आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में खेल निदेशक छबि रंजन और ब्रिगेडियर मनोज झा ने दी।

दर्शकों के लिए २२ जुलाई से १६ अगस्त तक निशुल्क टिकटों का वितरण किया जाएगा। टिकट प्रतिदिन सुबह ११ बजे से शाम चार बजे तक स्टेडियम के गेट संख्या ११ और १३ के बीच बने १० टिकट काउंटर तथा गेट संख्या २३ के पास दो काउंटर से मिलेंगे। प्रत्येक व्यक्ति को अधिकतम चार टिकट दिए जाएंगे। मैच शुरू होने से तीन घंटे पहले स्टेडियम में प्रवेश शुरू कर दिया जाएगा।

28 हजार क्षमता, 26 हजार से अधिक मुफ्त टिकट

करीब २८ हजार दर्शक क्षमता वाले बिरसा मुंडा फुटबाल स्टेडियम में २६ हजार से अधिक दर्शकों के लिए निशुल्क टिकट उपलब्ध कराए जाएंगे। वीआइपी, वीवीआइपी और मीडिया के लिए अलग बैठने की व्यवस्था रहेगी। दर्शकों की सुविधा के लिए स्टेडियम के बाहर पार्किंग भी पूरी तरह निशुल्क होगी।

रांची में छह लीग मैच और एक क्वार्टर फाइनल

रांची को ग्रुप-सी के छह लीग मुकाबलों की मेजबानी मिली है। इसके अलावा १६ अगस्त को एक क्वार्टर फाइनल भी यहां खेला जाएगा। रांची में जमशेदपुर एफसी, एससी दिल्ली, इंडियन एयर फोर्स एफटी और श्रीलंका सेना की टीम डिफेंडर्स एफसी के बीच मुकाबले होंगे। उद्घाटन मैच २६ जुलाई को शाम पांच बजे जमशेदपुर एफसी और डिफेंडर्स एफसी के बीच खेला जाएगा।

सुरक्षा के लिए कई वस्तुओं पर रहेगा प्रतिबंध

स्टेडियम में सुरक्षा के मद्देनजर पावर बैंक, कैमरा, बड़े बैग, बाहरी भोजन, पानी की बोतल, हेलमेट, सेल्फी स्टिक, हथियार, शराब, तंबाकू उत्पाद, पटाखे, लेजर पाइंटर, बैनर, झंडे और पालतू जानवर ले जाने की अनुमति नहीं होगी। दर्शकों को सुरक्षा जांच के लिए निर्धारित समय से कम से कम एक घंटा पहले स्टेडियम पहुंचने की सलाह दी गई है।

टीवी और मोबाइल पर भी देख सकेंगे मुकाबले

भारत में डूरंड कप-२०२६ के मुकाबलों का सीधा प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के विभिन्न चैनलों पर किया जाएगा। वहीं, सोनी लिव ऐप और वेबसाइट पर भी मैचों की लाइव स्ट्रीमिंग उपलब्ध रहेगी। आयोजन समिति ने खेल प्रेमियों से बड़ी संख्या में स्टेडियम पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है।

एसआईआर को लेकर किए जा रहे दावों पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी बोले- किसी का नाम नहीं कटेगा

रांची (एजेंसी): मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा है कि राज्य में वर्तमान में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम का इन्यूमरेशन फेज चल रहा है। इस दौरान मतदाताओं के इन्यूमरेशन फॉर्म भरने, पूर्व मतदाता सूची से मैपिंग, फॉर्म जमा करने और उनके डिजिटाइजेशन का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस चरण में यह बताना संभव नहीं है कि कितने प्रतिशत मतदाताओं के फॉर्म में तार्किक विसंगतियां मिली हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर झारखंड जनाधिकार महासभा की ओर से प्रसारित उस दावे को पूरी तरह असत्य और भ्रामक बताया, जिसमें आदिवासी क्षेत्रों के प्रत्येक बूथ पर ३० प्रतिशत मतदाताओं के नाम तार्किक विसंगति सूची में होने और लाखों आदिवासियों का नाम कटने की आशंका जताई गई थी। उन्होंने सभी संबंधित पक्षों से अपील की कि इस तरह के दुष्प्रचार को बढ़ावा न दें। उन्होंने कहा कि वर्तमान मतदाता सूची के प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिक का नाम एसआईआर के माध्यम से नई मतदाता सूची में शामिल करना ही इस प्रक्रिया का उद्देश्य है।

के. रवि कुमार ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान तार्किक विसंगतियों की पहचान और उनका निराकरण मतदाता सूची को शुद्ध एवं त्रुटिरहित बनाने की नियमित प्रक्रिया का हिस्सा है। इसके तहत मतदाताओं की उम्र, नाम, पिता, माता, पति या पत्नी से संबंधित लिपिकीय त्रुटियों की पहचान कर संबंधित मतदाता से सत्यापन कराया जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर ईआरओ या एईआरओ नोटिस जारी कर आवश्यक दस्तावेजों के आधार पर त्रुटियों को दूर करेंगे। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य केवल अंतिम मतदाता सूची में सही और प्रमाणिक विवरण सुनिश्चित करना है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि जिन आदिम जनजाति एवं जनजातीय समुदाय के मतदाताओं की जानकारी में तार्किक विसंगति मिलेगी या जिनकी मैपिंग नहीं हो पाएगी, उन्हें अंचल कार्यालयों में उपलब्ध खतियान, वंशावली और अन्य अभिलेखों के आधार पर एईआरओ, ईआरओ और जिला निर्वाचन पदाधिकारी की ओर से हरसंभव सहायता प्रदान कर मतदाता सूची में पंजीकरण सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि झारखंड में इन समुदायों से संबंधित आवश्यक अभिलेख सरकारी कार्यालयों में उपलब्ध हैं, इसलिए किसी भी भ्रामक सूचना या दुष्प्रचार के बहकावे में आने की आवश्यकता नहीं है। के. रवि कुमार ने कहा कि प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल हो, इसके लिए चुनाव आयोग प्रतिबद्ध है। राज्य के सभी मतदान केंद्रों पर वृद्ध, दिव्यांग और दूरस्थ क्षेत्रों के मतदाताओं की सहायता के लिए विशेष वोलेंटियर्स तैनात किए गए हैं। ये वोलेंटियर्स इन्यूमरेशन फॉर्म भरने में मदद कर रहे हैं और ड्राफ्ट मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद आवश्यकता पड़ने पर जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराने में भी सहयोग करेंगे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने के लिए एएसडीडी सूची तैयार कर अपात्र प्रविष्टियों को हटाने की प्रक्रिया भी चल रही है। इसके लिए बीएलओ और बीएलए-२ द्वारा दो चरणों में बैठक आयोजित की जा रही है। घर-घर सत्यापन के साथ चुनाव पाठशाला में भी इस सूची को पढ़कर सुनाया गया है।

पृष्ठ एक का शेषांश

संसद में सवाल, बाहर---

के कारण सोमवार को पांच मेट्रो स्टेशन बंद कर दिए, जिससे सैकड़ों यात्रियों को परेशानी हुई। गेट बंद रहने के कारण राजीव चौक, पटेल चौक और दूसरे स्टेशनों पर भीड़ जमा हो गई। कुछ प्रदर्शनकारी मेट्रो परिसर के अंदर इक्ट्ठा हुए और नारे लगाए, जबकि पटेल चौक स्टेशन के पास सुरक्षा कर्मियों ने लोगों को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग किया। सूत्रों ने बताया कि सिक्योरिटी फोर्स ने शास्त्री भवन के पास आंसू गैस के गोले छोड़े, जब प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर बैरिकेड तोड़ने और कॉकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च में शामिल होने के लिए जंतर-मंतर की ओर मार्च करने की कोशिश की। हाई-सिक्योरिटी जोन में सिक्योरिटी कड़ी कर दी गई थी, जिसमें पुलिस और पैरामिलिट्री के जवानों की भारी तैनाती की गई थी। आस-पास के मेट्रो स्टेशनों तक पहुंच रोक दी गई थी, कई गेट बंद कर दिए गए थे और अधिकारियों द्वारा एहतियाती कदम उठाए जाने के कारण यात्री फंसे हुए थे। इस बीच कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संसद के मानसून सत्र के दौरान आरोप लगाया। सोमवार को संसद के मानसून सत्र के दौरान, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कथित नीट पेपर लीक का मुद्दा उठाया और दावा किया कि जंतर-मंतर पर छात्रों के विरोध प्रदर्शन पर लाठीचार्ज हुआ था।

भारत में पहली---

सकती है और अगर नहीं डेंगू नहीं हुई है तो भी इसे लगाया जा सकता है। भारत दुनिया के उन देशों में शामिल है जहां डेंगू के सबसे ज्यादा मामले सामने आते हैं। अनुमान है कि दुनिया के कुल डेंगू मामलों का लगभग एक-तिहाई बोझ भारत पर है। कंपनी के मुताबिक, पिछले २० साल में भारत में डेंगू के रिपोर्ट किए गए मामलों में करीब ११ गुना बढ़ोतरी हुई है। साल २०२५ में देश में १.१३ लाख से ज्यादा मामले दर्ज किए गए थे। हालांकि एक्सपट्र्स का मानना है कि असली संख्या इससे कहीं ज्यादा हो सकती है।

पश्चिम बंगाल के---

के लिए बांग्ला का इस्तेमाल किया जाएगा। मंत्री और विधायक शुभेंदु अधिकारी को १ हफ्ते के अंदर पत्र का जवाब देना होगा। एक लिस्ट सीएमओ को भेजनी होगी। उन्होंने कहा कि मैं एक हफ्ते के अंदर अनुपालन रिपोर्ट दूंगा।

पेड़ लगाएं और मुफ्त---

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निदेशित किया कि वन क्षेत्रों में हेलीकॉप्टर के माध्यम से बीज गिराकर वन क्षेत्रों के विकास के लिए एक बेहतर कार्य योजना तैयार करने, जंगली हाथियों के हमलों से मृत व्यक्तियों के आश्रितों तथा क्षतिग्रस्त फसल एवं घरों के मुआवजा भुगतान में तत्परता बरतने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि झारखंड में इको टूरिज्म की असीम संभावनाएं हैं अतएव इस निमित्त एक बेहतर प्लान के साथ आगे बढ़ें। वन विभाग तथा पर्यटन विभाग समन्वय स्थापित कर इको टूरिज्म के विकास को गति प्रदान करें। मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने वन विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि पौधरोपण केवल संख्या बढ़ाने तक सीमित न रहे, बल्कि उपयोगिता आधारित और स्थानीय इको सिस्टम के अनुरूप हो। उन्होंने कहा कि ऐसे वृक्षों का चयन किया जाए, जो पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीणों की आजीविका, पशुओं की जरूरतों और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करें। मुख्यमंत्री ने वन एवं गैर-वन क्षेत्रों में महुआ, जामुन, करंज, पलाश, कुसुम, बैर तथा तसर उत्पादन के लिए उपयोगी अर्जुन जैसे वृक्षों का बड़े पैमाने पर रोपण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

होर्मुज संकट का---

कीमतों में आई तेज बढ़ोतरी रही। यही रुझान एलएनजी आयात और पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में भी देखने को मिला, जहां वॉल्यूम घटा लेकिन ऊंची कीमतों के कारण कुल वैल्यू बढ़ गई। कुल मिलाकर, देश का नेट ऑयल और गैस आयात पिछले साल के लेवल से ४५ प्रतिशत ज्यादा बढ़ गया, जो एनर्जी आयात पर निर्भर भारत पर पश्चिम एशिया संकट के बुरे आर्थिक असर को दिखाता है।

आज अगर बिल्डिंग---

उन्होंने कहा, आज अगर इस पूरी तरह से गिरा भी दिया जाए, तब मैं लिस्टिंग की अनुमति नहीं दूंगा। यह टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट के उस रुख को रेखांकित करती है, जिसमें वह हाई कोर्ट को बायपास कर सीधे सर्वोच्च न्यायालय आने की प्रवृत्ति पर लगातार आपत्ति जताता रहा है। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि अनुच्छेद २२६ के तहत रिट याचिकाओं के लिए हाई कोर्ट पहला उचित संवैधानिक मंच है। सर्वोच्च अदालत केवल उन्हीं विशेष मामलों में सीधी सुनवाई को प्राथमिकता देती है, जो राष्ट्रीय महत्व के हों, मौलिक अधिकारों का गंभीर उल्लंघन हो रहा हो, या जब हाई कोर्ट जाना व्यावहारिक न हो। इस घटना से एक बार फिर साफ हो गया है कि सुप्रीम कोर्ट न्यायिक पदानुक्रम को बनाए रखने और अनावश्यक याचिकाओं के बोझ से बचने के लिए प्रतिबद्ध है।

छात्र आंदोलन पर पुलिस कार्रवाई निंदनीय, केंद्र छात्रों की मांगों पर गंभीरता से विचार करेः देवेन्द्र नाथ महतो

रांची (एजेंसी): झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के वरीय उपाध्यक्ष सह छात्र नेता देवेन्द्र नाथ महतो ने नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों द्वारा किए जा रहे शांतिपूर्ण आंदोलन और संसद मार्च के दौरान पुलिस द्वारा किए गए बल प्रयोग एवं लाठीचार्ज की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि देश के लाखों छात्र अपने भविष्य, पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया तथा शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज़ उठा रहे हैं। ऐसे में उनकी बात सुनने की बजाय बल प्रयोग करना लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की भावना के विपरीत है।

देवेन्द्र नाथ महतो ने कहा कि संसद भवन में बैठे हुक्मरानों को यह समझना चाहिए कि संसद किसी व्यक्ति, दल या सरकार की जागीर नहीं है। संसद पूरे देश की जनता की आवाज़ का सर्वोच्च मंच है। छात्र देश के भविष्य हैं और उनकी आवाज़ संसद तक पहुँचना लोकतंत्र की ताकत है, न कि अपराध। उन्होंने कहा कि देशभर के छात्र लंबे समय से नीट पेपर लीक, परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, निष्पक्ष भर्ती और शिक्षा व्यवस्था में सुधार जैसे मुद्दों को उठा रहे हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को छात्रों की न्यायोचित मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए स्वेच्छा से इस्तीफा दे देना चाहिए। देवेन्द्र नाथ महतो ने कहा कि लोकतंत्र में लाठी नहीं, बल्कि संवाद सबसे प्रभावी माध्यम है। सरकार को दमन का रास्ता छोड़कर छात्रों का विश्वास जीतना चाहिए और उनकी समस्याओं का शीघ्र एवं न्यायपूर्ण समाधान करना चाहिए।

एक्साइज ड्यूटी घटने का लाभ जेबीवीएनएल को मिलेगा, ठेकेदार की याचिका खारिज

रांची (एजेंसी): झारखंड हाई कोर्ट ने एक्साइज ड्यूटी में कमी के बाद झारखंड ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) द्वारा ठेकेदार के बिल से की गई १८.४९ लाख रुपये की कटौती को वैध ठहराते हुए जय बी इंटरप्राइजेज की याचिका खारिज कर दी। जस्टिस आनंद सेन की अदालत ने कहा कि यदि कर बढ़ने पर अतिरिक्त वित्तीय भार जेबीवीएनएल वहन करता है, तो कर घटने का लाभ भी उसी को मिलेगा। ऐसे में ठेकेदार उस राशि की वापसी का दावा नहीं कर सकता।

मामला वर्ष २००९ में कतरास की १०वीं एपीडीआरपी परियोजना से जुड़ा है। कार्यादेश के समय सामग्री की कीमत सभी करों और एक्साइज ड्यूटी सहित तय की गई थी। बाद में केंद्र सरकार ने एक्साइज ड्यूटी ८ प्रतिशत से घटाकर ६ प्रतिशत कर दी, जिसके बाद जेबीवीएनएल ने ठेकेदार के बिल से १८.४९ लाख रुपये की कटौती कर ली। ठेकेदार ने इसे अनुबंध का उल्लंघन बताते हुए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

अदालत ने कहा कि निविदा की शर्तों में कर एवं शुल्क में वैधानिक बदलाव का समायोजन करने का स्पष्ट प्रावधान था। एक्साइज ड्यूटी कम होने से ठेकेदार की लागत या लाभ में कोई कमी नहीं आई, बल्कि उसकी कर देनदारी घटी। इसलिए कर में कमी का लाभ भुगतान करने वाली संस्था यानी जेबीवीएनएल को मिलना चाहिए। इसी आधार पर अदालत ने याचिका खारिज कर दी।

कांग्रेस ने बोर्ड-निगम नियुक्तियों के साथ मतदाता सूची के लिए समय बढ़ाने की मांग की

रांची (एजेंसी): झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने रविवार को रांची स्थित कांग्रेस भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में संगठनात्मक नियुक्तियों और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर अपना रुख स्पष्ट किया।

प्रेस वार्ता में झारखंड प्रभारी के. राजू और कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने कहा कि पार्टी राज्य में विभिन्न बोर्डों, निगमों और बीस सूत्री कार्यक्रम समितियों में कांग्रेस कोटे से होने वाली नियुक्तियों की प्रक्रिया को आगे बढ़ा रही है। इसके लिए प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में एक चयन समिति गठित करने का निर्देश दिया गया है।

पार्टी के अनुसार चयन समिति नियुक्तियों के लिए ऐसे नामों पर विचार करेगी जिन्होंने लंबे समय तक संगठन में सक्रिय भूमिका निभाई हो। साथ ही अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक और महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के अलावा क्षेत्रीय एवं सामाजिक संतुलन को भी प्राथमिकता दी जाएगी। समिति की अनुशंसाओं को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की स्वीकृति के बाद राज्य सरकार को भेजा जाएगा।

झारखंड में एसआईआर 15 दिन बढ़ाने की मांग

इस दौरान कांग्रेस विधायक दल ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत गणना प्रपत्र जमा करने की समय-सीमा कम से कम १५ दिन बढ़ाने की मांग भी की। कांग्रेस का कहना है कि राज्य में भारी बारिश, दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों, तकनीकी समस्याओं और बड़ी संख्या में लंबित डिजिटलीकरण के कारण अनेक पात्र मतदाता सूची से बाहर होने के खतरे में हैं।

पंचायत और मतदान केंद्र स्तर पर विशेष सहायता शिविर लगे

पार्टी नेताओं ने दावा किया कि शहरी क्षेत्रों में भी गणना प्रपत्रों के डिजिटलीकरण की गति अपेक्षा से काफी धीमी है और बड़ी संख्या में मतदाता अभी तक सत्यापन प्रक्रिया से नहीं जुड़ पाए हैं। प्रवासी मजदूरों, दूरदराज के ग्रामीण इलाकों और आदिवासी क्षेत्रों के मतदाताओं को भी समय पर प्रक्रिया पूरी करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग से समय-सीमा बढ़ाने के अलावा पंचायत और मतदान केंद्र स्तर पर विशेष सहायता शिविर लगाने तथा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाली ग्राम सभाओं के माध्यम से मतदाता सूची संबंधी जागरूकता अभियान चलाने की भी मांग की। पार्टी का कहना है कि पर्याप्त समय मिलने से वास्तविक मतदाताओं का नाम सूची में सुरक्षित रहेगा और बाद में दावे एवं आपत्तियों की संख्या भी कम होगी।

खूंटी में 11 हजार वोल्ट की लाइन से रथ टकराया, दो स्कूली छात्रों की मौत, सात घायल

खूंटी (एजेंसी): झारखंड के खूंटी जिले में सोमवार को एक हादसे में दो स्कूली छात्रों की जान चली गई, जबकि सात अन्य छात्र गंभीर रूप से झुलस गए। तोरपा थाना क्षेत्र के कोटेगसेरा स्थित मौसीबाड़ी के पास लंच अवकाश के दौरान छात्र एक रथ को घुमाने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान रथ का ऊपरी हिस्सा ११ हजार वोल्ट की हाईटेंशन बिजली लाइन के संपर्क में आ गया। देखते ही देखते पूरे रथ में करंट दौड़ गया और उसके आसपास मौजूद नौ छात्र इसकी चपेट में आ गए। हादसे के बाद पूरे इलाके में मातम पसर गया है। पुलिस और प्रशासन मामले की जांच में जुट गए हैं।

दो छात्रों की इलाज के दौरान मौत

हादसे में गंभीर रूप से घायल चंदन कुमार (१६ वर्ष), निवासी पेट्रोल पंप क्षेत्र, तोरपा और तारकेश्वर महतो (१५ वर्ष), निवासी टुराटोली को पहले तोरपा रेफरल अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, खूंटी भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

तोरपा में लंच ब्रेक के दौरान हुआ हादसा

जानकारी के अनुसार, तोरपा थाना क्षेत्र स्थित श्री हरि प्लस टू स्कूल में सोमवार दोपहर लंच ब्रेक चल रहा था। इसी दौरान कुछ छात्र स्कूल से निकलकर कोटेगसेरा मौसीबाड़ी के पास पहुंचे, जहां एक रथ खड़ा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक छात्र रथ को घुमाने या आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे थे। तभी रथ का ऊपरी हिस्सा वहां से गुजर रही ११ हजार वोल्ट की हाईटेंशन बिजली लाइन से टकरा गया। संपर्क होते ही पूरे रथ में तेज करंट फैल गया और वहां मौजूद छात्र इसकी चपेट में आ गए।

सात घायल छात्रों का अस्पताल में इलाज जारी

हादसे में अरमान आलम (१६ वर्ष), सूजय लुहरा (१७ वर्ष), नीलय एक्का, पंकज राम (१६ वर्ष), रुपेश कुमार, गिरिराज यादव और कमलेश गोप घायल हुए हैं। सभी घायलों का उपचार तोरपा रेफरल अस्पताल में चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार सभी घायल छात्रों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

अस्पताल में मची अफरा-तफरी, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने सभी छात्रों को अस्पताल पहुंचाया। हादसे की सूचना मिलते ही अस्पताल में परिजनों और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मृत छात्रों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। अस्पताल परिसर में लंबे समय तक गम और अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

पुलिस हर पहलू की कर रही जांच

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि छात्र लंच ब्रेक के दौरान स्वयं मौसीबाड़ी पहुंचे थे या उन्हें रथ खींचने अथवा धक्का देने के लिए किसी ने बुलाया था। इसके साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि रथ हाईटेंशन बिजली लाइन के नीचे कैसे पहुंचा और सुरक्षा संबंधी मानकों का पालन किया गया था या नहीं।

प्रशासन ने घायलों के बेहतर इलाज के दिए निर्देश

जिला प्रशासन ने घायलों के समुचित उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस हादसे ने एक बार फिर हाईटेंशन बिजली लाइनों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था और सतर्कता को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बालों में मुल्तानी मिट्टी लगाने से क्या होता है, जान लें इस्तेमाल करने का सही तरीका

बरसात का मौसम शुरू होते ही बालों से जुड़ी समस्याएं बढ़ जाती है। इस मौसम में सबसे ज्यादा डैंड्रफ, हेयर फॉल की समस्या होती है। इनसे छुटकारा पाने के लिए लोग कई तरह के हेयरकेयर प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन फिर भी छुटकारा नहीं मिल पाता। ऐसे में मुल्तानी मिट्टी का इस्तेमाल आपके लिए फायदेमंद हो सकता है।

बारिश के मौसम में बालों से जुड़ी कई तरह की समस्याएं होती है। ऐसे में हेयर प्रॉब्लम्स से छुटकारा पाने के लिए लोग कई तरह के हेयर केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन मुल्तानी मिट्टी का इस्तेमाल कर बालों से जुड़ी समस्याओं से आसानी से छुटकारा पाया जा सकता है। मुल्तानी मिट्टी का इस्तेमाल सदियों से त्वचा और बालों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। यह एक नेचुरल क्लींजर है, जो बिना किसी केमिकल के बालों की कई समस्याओं को जड़ से खत्म कर सकती है। आइए जानते हैं कि बालों में मुल्तानी मिट्टी लगाने से क्या होता है और इसका इस्तेमाल करने का सही तरीका क्या है।

बालों में मुल्तानी मिट्टी लगाने के फायदे

स्कैल्प की गहरी सफाई

मुल्तानी मिट्टी स्कैल्प पर जमी धूल-मिट्टी, प्रदूषण और एक्सट्रा ऑयल को गहराई से साफ करती है।

डैंड्रफ से छुटकारा

इसमें मौजूद एंटी-बैक्टीरियल गुण स्कैल्प के इन्फेक्शन और डैंड्रफ को कम करने में बेहद मददगार हैं।

ब्लड सर्कुलेशन में सुधार

इसे स्कैल्प पर लगाने से ब्लड फ्लो बेहतर होता है, जिससे बालों की जड़ों को पोषण मिलता है और बालों का झड़ना कम होता है।

नेचुरल कंडीशनर

मुल्तानी मिट्टी रूखे और बेजान बालों को गहराई से कंडीशन करके उन्हें मुलायम, चमकदार और सिल्की बनाती है। ऐसे में आप इसे हफ्ते में एक से दो बार इस्तेमाल कर सकते हैं।

मुल्तानी मिट्टी इस्तेमाल करने का सही तरीका

चूंकि मुल्तानी मिट्टी की प्रकृति सोखने की होती है, इसलिए इसे कभी भी सीधे बालों में नहीं लगाना चाहिए, वरना बाल रूखे हो सकते हैं। इसे हमेशा अन्य पोषक तत्वों के साथ मिलाकर हेयर पैक के रूप में लगाएं।

1. मुल्तानी मिट्टी और नींबू

ऑयली बालों और डैंड्रफ से छुटकारा दिलाने में मुल्तानी मिट्टी और नींबू का हेयर पैक बेहद कारगर माना जाता है। इसके लिए 3 चम्मच मुल्तानी मिट्टी, 2 चम्मच नींबू का रस और थोड़ा सा गुलाब जल मिलाकर एक हेयर मास्क बनाएं। फिर इसे बालों पर अप्लाई करें। आधे घंटे के बाद इसे धो लें।

2. मुल्तानी मिट्टी और दही

रूखे और बेजान बालों से निजात पाने के लिए मुल्तानी मिट्टी और दही से बने हेयर मास्क का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप 3 चम्मच मुल्तानी मिट्टी, 4 चम्मच खट्टा दही और 1 चम्मच शहद लें। दही और शहद को मुल्तानी मिट्टी में मिलाकर पैक तैयार करें। इसे बालों की जड़ों से लेकर सिरों तक लगाएं। 25-30 मिनट बाद बालों को माइल्ड शैम्पू से धो लें। दही बालों को नमी देगा और मुल्तानी मिट्टी उन्हें साफ करेगी।

बारिश में स्किन हो गई है बेजान, तो घर पर तैयार करें ये नेचुरल टोनर, लौट आएगा ग्लो

बारिश के मौसम में स्किन से जुड़ी तमाम तरह की समस्याएं होती है। इस मौसम में चेहरे का नूर भी कम हो जाता है। ऐसे में चेहरे का खोया नूर वापस पाने के लिए आप घर पर नेचुरल टोनर तैयार कर सकते हैं।

बारिश के मौसम में हवा में उमस बहुत बढ़ जाती है। इस वजह से त्वचा चिपचिपी, बेजान और सुस्त नजर आने लगती है। मानसून में चेहरे का खोया हुआ ग्लो वापस लाने और स्किन को तरोताजा रखने के लिए लोग कई तरह के स्किन केयर प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन शायद आपको मालूम नहीं है कि कुछ नेचुरल टोनर की मदद से आप चेहरे का खोया नूर वापस पा सकते हैं। बाजार के केमिकल युक्त टोनर की जगह आप घर पर ही आसानी से ये 3 नेचुरल टोनर तैयार कर सकते हैं।

1. खीरा और पुदीना टोनर

मानसून में ऑयली स्किन वालों को पिंपल्स और एक्स्ट्रा ऑयल की समस्या ज्यादा होती है। खीरा त्वचा को ठंडक देता है और पुदीना बैक्टीरिया से लड़ता है। इसके लिए एक छोटे खीरे को कद्दूकस करके उसका रस निकाल लें। अब मुट्ठी भर पुदीने की पत्तियों को थोड़े से पानी में उबालें और पानी को ठंडा कर छान लें। खीरे के रस और पुदीने के पानी को बराबर मात्रा में मिलाएं। फिर इसे चेहरे पर लगाएं। यह टोनर पोर्स को टाइट करता है और चेहरे के एक्स्ट्रा ऑयल को कंट्रोल कर तुरंत ग्लो लाता है।

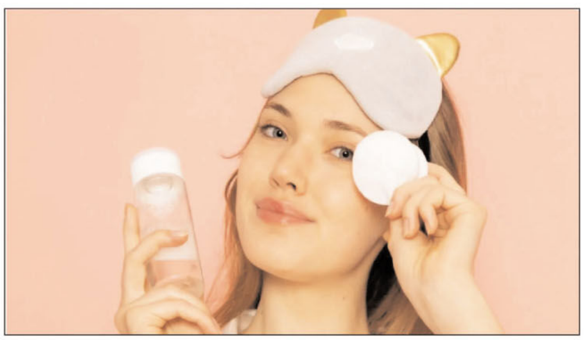

2. गुलाब जल और ग्लिसरीन टोनर

अगर बारिश के मौसम में भी आपकी त्वचा ड्राई और बेजान लगती है, तो यह टोनर आपके लिए रामबाण साबित हो सकता है। इसके लिए आधा कप गुलाब जल लें। इसमें एक छोटा चम्मच ग्लिसरीन और आधा चम्मच नींबू का रस मिलाएं। इसे अच्छी तरह हिलाकर एक स्प्रे बोतल में भर लें। गुलाब जल त्वचा का श्च॥ लेवल बैलेंस करता है और ग्लिसरीन नमी को लॉक करती है, जिससे चेहरा एकदम हाइड्रेटेड और चमकदार दिखता है।

3. ग्रीन टी और एलोवेरा टोनर

बारिश के पानी या उमस से चेहरे पर रैशेज या दाने हो जाते हैं। ग्रीन टी के एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को हील करते हैं। एक कप पानी में एक ग्रीन टी बैग उबालें। जब यह ठंडा हो जाए, तो इसमें दो चम्मच फ्रेश एलोवेरा जेल मिलाएं। इसे अच्छे से मिक्स कर लें। यह टोनर चेहरे की सूजन और रेडनेस को कम करता है और बेजान त्वचा में नई जान फूंक देता है।

केले के छिलके से बाल हो सकते हैं मुलायम और चमकदार

केले का इस्तेमाल स्किन और हेयर के लिए खूब किया जाता है। लेकिन आज हम आपको केले के छिलके के फायदे के बारे में बताने वाले हैं। अगर आपके बाल दो मुहें हैं और जैसे ही आप कॉम्ब करते हैं वे उलझ जाते हैं और जड़ से निकलने लगते हैं तो इस समस्या को दूर करें के लिए आप केले के छिलके का इस्तेमाल कर सकते हैं। केले का छिलका बेजान और डल बालों की नेचुरल चमक को लौटाता है और उसे सॉफ्ट बनाता है। चलिए जानते हैं फ्रिजी हेयर के लिए केले के छिलके का इस्तेमाल कैसे करें?

कैसे बनाएं केले के छिलके का मास्क?

एकदम पका हुआ केला लें। पके हुए केले के छिलके बेहद सॉफ्ट हो जाते हैं। केले के छिलके में मौजूद पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स बालों को पोषण देकर उन्हें मुलायम और चमकदार बनाते हैं। इन दोनों केले के छिलके को मिक्सर जार में डालें। इसके साथ दो से तीन चम्मच दही और तीन चम्मच एलोवेरा जेल डालें। अब इस मिश्रण को मिक्सर जार में पीस लें और एकदम स्मूथ पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को एक बाउल में निकालें और उसमें दो से तीन चम्मच ग्लिसरीन डालकर मिलाएं।

इस बात का ध्यान रखें कि ग्लिसरीन हमेशा एकदम लास्ट में ही डालें, पहले नहीं। अगर आप ग्लिसरीन पहले डाल देंगे तो मिक्सर जार की गर्मी की वजह से ग्लिसरीन खराब हो जाती है जिससे उसके बेहतर रिजल्ट आपको नहीं मिल पाएगा।

कैसे करें इस्तेमाल?

अब, इस मास्क को अपने हेयर की जड़ों से लेकर बालों के एंड्स तक लगाएं। इस मास्क को आधे से एक घंटे तक अपने बालों पर रखें। तय समय के बाद अपने बालों को किसी माइल्ड शैम्पू से धोएं। इस मास्क का इस्तेमाल आप हफ्ते में एक बार कर सकते हैं?

इस हेयर पैक से मिलेंगे कौन से फायदे?

इस पैक का इस्तेमाल करने से आपको हेयर की कई परेशानियों से छुटकारा मिलेगा। सबसे पहले तो ये हेयर पैक आपके बालों के रूखेपन को दूर करता है और उन्हें मुलायम बनाता है। इस पैक के इस्तेमाल से आपके बाल जड़ से मजबूत बनते हैं साथ ही दो मुहें बाएं की समस्या दूर होती है।

डिस्क्लेमर: इस आर्टिकल में सुझाए गए टिप्स केवल आम जानकारी के लिए हैं। सेहत से जुड़े किसी भी तरह का फिटनेस प्रोग्राम शुरू करने अथवा अपनी डाइट में किसी भी तरह का बदलाव करने या किसी भी बीमारी से संबंधित कोई भी उपाय करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लें। इंडिया टीवी किसी भी प्रकार के दावे की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं करता है।

ब्रेकफास्ट में झटपट बनाएं मसाला ब्रेड पोहा, खाने में स्वादिष्ट और बनाने में बेहद आसान

बारिश के मौसम में लोगों का कुछ चटपटा खाने का मन करता है। खासकर सुबह ब्रेकफास्ट में लोग टेस्टी और हेल्दी दोनों ही चीजें ढूंढते हैं। लेकिन सुबह की भागदौड़ में लोगों को समझ नहीं आता कि क्या बनाया जाए। अगर आपकी भी यही समस्या है तो घबराने की जरूरत नहीं है। सुबह की भागदौड़ में जब समझ न आए कि नाश्ते में क्या बनाया जाए, जो टेस्टी भी हो और जल्दी भी बन जाए, तो मसाला ब्रेड पोहा एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है। अगर आपके घर में ब्रेड बची हुई है, तो आप सिर्फ 10 से 15 मिनट में यह लाजवाब नाश्ता तैयार कर सकते हैं। बच्चे हों या बड़े, यह चटपटा और क्रिस्पी नाश्ता हर किसी को बेहद पसंद आता है। यहां हम आपके लिए मसाला ब्रेड पोहा की सिंपल रेसिपी लेकर आए हैं।

सामग्री

ब्रेड स्लाइस: 5-6 (व्हाइट या ब्राउन, छोटे टुकड़ों में कटी हुई)
बारीक कटा प्याज: 1 मध्यम आकार का
बारीक कटा टमाटर: 1 छोटा
हरी मिर्च: 1-2 (बारीक कटी हुई)
करी पत्ता: 7-8
राई (सरसों के दाने): 1 छोटा चम्मच
हल्दी पाउडर: 1/4 छोटा चम्मच
लाल मिर्च पाउडर: 1/2 छोटा चम्मच
चाट मसाला: 1/2 छोटा चम्मच
मूंगफली के दाने: 2 बड़े चम्मच (रोस्टेड)
हरा धनिया: बारीक कटा हुआ
तेल या घी: 2 बड़े चम्मच
नमक: स्वादानुसार
नींबू का रस: 1 चम्मच

बनाने का तरीका

स्टेप 1: सबसे पहले ब्रेड स्लाइस को छोटे-छोटे चौकोर क्यूब्स में काट लें। आप चाहें तो इन्हें तवे पर बिना तेल के थोड़ा सेक सकते हैं ताकि ब्रेड हल्की क्रिस्पी हो जाए।

स्टेप 2: एक कड़ाही में तेल या घी गर्म करें। तेल गर्म होने पर इसमें राई और करी पत्ता डालें। जब राई चटकने लगे, तो इसमें कटी हुई हरी मिर्च और प्याज डालकर हल्का गुलाबी होने तक भूनें।

स्टेप 3: अब इसमें कटे हुए टमाटर डालें और गलने तक पकाएं। इसके बाद हल्दी, लाल मिर्च पाउडर और स्वादानुसार नमक डालकर मसालों को अच्छी तरह मिला लें।

स्टेप 4: मसाला भुन जाने के बाद, इसमें कटे हुए ब्रेड के टुकड़े और रोस्टेड मूंगफली डालें। हल्के हाथों से चलाएं ताकि मसाला ब्रेड पर अच्छी तरह कोट हो जाए। इसे धीमी आंच पर 2 मिनट के लिए पकने दें।

स्टेप 5: गैस बंद करने से पहले ऊपर से चाट मसाला और नींबू का रस निचोड़ें। फिर इसे सर्व करें और बारिश के मौसम में इसका आनंद लें।

अगर दूध में नहीं जमती मोटी मलाई, तो अपनाएं यह ट्रिक, हर बार मिलेगी गाढ़ी और मलाईदार परत

भारतीय घरों में दूध खान पान का सबसे जरूर हिस्सा होता है। ज्यादातर घरों में सुबह की शुरुआत ही दूध की चाय से होती है। दूध से घी, मक्खन, दही और पनीर के अलावा कई तरह के पकवान बनाए जाते हैं। घर पर मिठाइयां बनाने के लिए हर किसी को दूध से मोटी और गाढ़ी मलाई निकालना पसंद होता है। हालांकि, यह इतना भी आसान नहीं होता है। कई लोगों की यह शिकायत होती है कि दूध में मलाई अच्छी तरह जम नहीं पा रही है। अगर मलाई जमती भी है तो बहुत पतली जमती है। ऐसे में आज हम आपके लिए एक बेहतरीन ट्रिक लेकर आए हैं। इस ट्रिक की मदद से आप एकदम मोटी और गाढ़ी मलाई बना सकते हैं। चलिए जानते हैं वह ट्रिक क्या है?

कैसे जमाए मोटी मलाई?

पहल स्टेप: दूध से मोटी मलाई जमाने के लिए सबसे पहले आप दो लीटर दूध लें। दूध को तब तक गर्म करें जब तक उबाल न आ जाए। जैसे ही उबाल आए गैस बंद कर दें। मलाई के लिए आपको दूध ज्यादा उबालने की जरूरत नहीं है।

दूसरा स्टेप: दूध गर्म होने के बाद लोग उसे पूरी तरह से ढक देते हैं। मोटी मलाई जमाने के लिए यही गलती आपको नहीं करनी है। दरअसल, दूध ढकने से भाप पानी में बदल जाता है। पानी की ये बूंदे जब दूध पर गिरती हैं तो इस वजह से मलाई पतली हो जाती है।

तीसरा स्टेप: आप दूध को एक घंटे तक नहीं ढकें। आप चाहें तो दूध को छलनी से ढककर ठंडा करें, ताकि भाप बाहर निकलती रहे। एक घंटे के बाद आप दूध को तीन से चार घंटे के लिए आधा ढक कर रख दें। तीन चार घंटे के बाद, दूध पर मलाई की एक पतली लेयर जम जाती है और दूध ठंडा भी हो जाता है।

चौथा स्टेप: अब इस दूध को बिना हिलाए धीरे से फ्रिज में रखें। अगर आप दूध को रात में 10 बजे के आसपास फ्रिज में रख रहे हैं तो सुबह 10 बजे तक उसे फ्रिज से निकालें।

पांचवां स्टेप: अब दूध के बर्तन को धीरे से चाकू की मदद से निकालें। आप देखंगे दूध की मलाई रोटी की तरह मोटी जम गयी है।

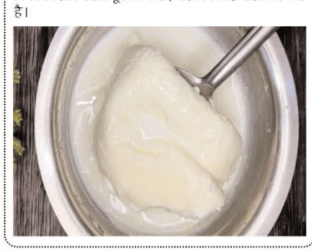

मानसून में गद्दे और तकिए से आने वाली बदबू को ऐसे करें दूर

गद्दे और तकिए से आने वाली बदबू को ऐसे करें दूर मानसून में अक्सर बच्चे अंदर-बाहर करते और झटपट बिस्तर पर चढ़ जाते हैं। ऐसे में उनके पैर हाथ में मौजूद पानी गद्दे और चादर पर लग जाता है और सही धूप न मिल पाने के कारण इनमें से गंध आने लगती है। इस समस्या को दूर करने के लिए आप चादर के नीचे बड़ी पॉलीथीन बिछाएं। पन्नी नमी को गद्दे तक नहीं पहुंचने देगी।

मानसून में घर में आने वाली नमी के कारण हर-जगह से स्मेल आने लगती है, जिसमें बिस्तर से लेकर कपड़े भी शामिल है। गद्दे में बदबू के साथ पूरे मौसम नमी बरकरार रहती है। इस वजह से बिस्तर में कीटाणु पनपने लगते हैं, जो हमें नॉर्मल आंखों से दिखाई नहीं पड़ते हैं। इसकी वजह से रात में सोते वक्त दिक्कत का सामना करना पड़ता है। यह दिक्कत तब ज्यादा बढ़ जाती है जब घर में छोटे बच्चे हो। ऐसे में बिस्तर को स्मेल फ्री रखना सबसे बड़ा काम होता है। इस आर्टिकल में आज हम आपको कुछ ऐसे हैक्स के बारे में बताने जा रहे है, जिसकी मदद से आप बिस्तर में आने वाली बदबू को दूर रख सकती है।

बिस्तर को हफ्ते में 3 से 4 बार दिखाए धूप

गद्दे को स्मेल फ्री बनाने का सबसे सस्ता और आसान जुगाड़ यह है कि इसे हफ्ते में जितने बार भी धूप दिखे, उसे सुखाएं। इससे मैटर्स में मौजूद नमी खत्म हो जाएगी।

सोडा का करें छिड़काव

गद्दे से आने वाली बदबू को दूर करने के लिए आप बेकिंग सोडा का उपयोग कर सकती हैं। इसके लिए सबसे पहले बिस्तर पर विनेगर का स्प्रे करें। सूखने के बाद इसके ऊपर सोडा का छिड़क कर कुछ समय के लिए छोड़ दें। अब कपड़े की मदद से रगड़ते हुए क्लीन करें।

सिंपल कुर्ती के साथ बेस्ट रहेंगी ट्रेंडी इयररिंग्स की ये डिजाइंस

अगर आप सिंपल कुर्ती पहन रही हैं तो इस कुर्ती के साथ आप ये लेटेस्ट डिजाइंस वाली इयररिंग्स वियर कर सकती हैं।

इयररिंग्स आपके लुक को कम्पलीट करने का काम करते हैं। इसी वजह से महिलाएं अपने आउटफिट के साथ वियर करने के लिए इयररिंग्स बड़े ही सोच समझ कर लेती हैं। वहीं अगर आप सिंपल कुर्ती वियर कर रही हैं और इस बात को लेकर कन्फ्यूज्ड है कि इस तरह की कुर्ती के साथ किस तरह का इयररिंग्स पहने तो इस आर्टिकल की मदद से आप एक परफेक्ट इयररिंग्स का चुनाव कर सकती हैं।

कुंदन झुमकी डिजाइन

कुर्ती के साथ आप कुंदन झुमकी वियर कर सकती हैं। इस तरह की झुमकी आप किसी खास मौके पर अपने आउटफिट के साथ मैच करके वियर कर सकती हैं। यह झुमकी आपको आसानी से बाजार या ऑनलाइन प्लेटफार्म में मिल जाएंगी। इन झुमकी में मिरर वर्क किया गया है साथ ही इन झुमकी में मोती भी लगाए गए हैं। इस तरह झुमकी पस्टेल कलर में मिल जाएंगी जिन्हें आप अपने आउटफिट के साथ मैच करके वियर कर सकती हैं। इस तरह की झुमको आप कई सारे डिजाइन और कलर में 200 से 300 रुपये में खरीद सकती हैं।

पर्ल इयररिंग्स

यह पर्ल इयररिंग्स इन दिनों काफी ट्रेंड में है और इस तरह इयररिंग्स भी आप अपने सिंपल कुर्ती के साथ वियर कर सकती हैं। यह पर्ल इयररिंग्स आपको कई सारे डिजाइन में मिल जाएंगे जिन्हें आप ऑनलाइन या फिर ऑफलाइन दोनों ही जगहों से खरीद सकती हैं इस पर्ल इयररिंग्स में सिर्फ एक मोती हैं जिसकी वजह से पर्ल इयररिंग्स काफी खूबसूरत नजर आती है और इस तरह के पर्ल इयररिंग्स को आप 300 तक की रेंज में खरीद सकती हैं।

चांदबाली इयररिंग्स

यह चांदबाली इयररिंग्स भी आप अपने आउटफिट के साथ मैच कर वियर कर सकती हैं। जहां ये चांदबाली इयररिंग्स सिंपल कुर्ती के साथ स्टाइल की जा सकती है तो वहीं ये चांदबाली इयररिंग्स गोल चेहरे वाली महिलाओं पर भी बेस्ट लगेंगी। यह चांदबाली इयररिंग्स आपको आसानी से मार्केट में मिल जायेंगी साथ ही ऑनलाइन भी आप इस तरह की इयररिंग्स भी आप इस तरह की इयररिंग्स 300 रुपये में खरीद सकती हैं।

अगर आपका बच्चा विदेश या घर से दूर जाकर पढ़ाई करने का फैसला ले चुका है, तो ऐसी स्थिति में माता-पिता के रूप में आपको क्या करना चाहिए या आपकी क्या जिम्मेदारी बनती है?

आसान नहीं होता अपने बच्चे को पढ़ाई के लिए विदेश भेजना

कई माता-पिता इस बात को लेकर दुविधा में रहते हैं कि अपने बच्चों को पढ़ाई के लिए दूर भेजें या नहीं। यह सफर हमारे जीवन में कई बदलाव लाता है। यह भावनात्मक रूप से एक झूले की तरह होता है जिसमें उत्साह, चिंता और अपार विकास के अवसर होते हैं। अपने बच्चे को दूर भेजना आसान काम नहीं होता है बल्कि इसके लिए बहुत सारा भरोसा, साहस और गहन शोध की जरूरत होती है। कई पेरेंट्स अपने बच्चे को पढ़ाई या नौकरी के लिए घर से दूर भेज देते हैं। कभी-कभी तो यह काफी सुहावना लगता है लेकिन इसके साथ परेशानियां भी हैं। इसमें अवसर हैं, तो बच्चे को लेकर डर भी बना रहता है। ऐसे में एक भरोसा ही है जिसके दम पर पेरेंट्स अपने बच्चे को अपने आप से और घर से इतना दूर भेज देते हैं।

क्या होता है भरोसा करने का फायदा

आप अपने बच्चे के विदेश में पढ़ाई करने के फैसले पर भरोसा करते हैं और उनके निर्णय पर विश्वास जताते हैं। इससे बच्चे अपनी जर्नी में अधिक आत्मविश्वास और सशक्त महसूस करते हैं। माता-पिता को समझना चाहिए कि उनका डर बच्चे के उत्साह को कम न करे और उन्हें यह साहसिक कदम उठाने दें।

बच्चे के निर्णय पर विश्वास जताना

बच्चे के निर्णय पर विश्वास जताना और उन्हें बताना कि आप उस पर भरोसा करते हैं, उनके आत्मविश्वास और सशक्तिकरण में बड़ा योगदान दे सकता है। इससे आप अपने बच्चे को अनंत अवसरों के सागर में डुबकी लगाने का मौका देते हैं।

बच्चे की च्वॉइस

हो सकता है कि आपको अपने बच्चे का विदेश में पढ़ने का फैसला पसंद न आए फिर भी आप उनका समर्थन करें। हो सकता है वो ऐसे देश में जाना चाहें, जिसके बारे में आप ज्यादा नहीं जानते हैं या फिर ऐसा कोर्स चुनें जो आपको थोड़ा अजीब लगे। उनके फैसलों को मान्य समझें क्योंकि उन्होंने शायद इस पर काफी सोच-विचार किया होगा। याद रखें, ये उनकी खुद की जिंदगी का सफर है और आपको उनका साथ देना चाहिए।

इमोशनल सपोर्ट

विदेश में पढ़ाई करने का सपना आपके बच्चे के लिए रोमांचक जरूर होगा, लेकिन कभी-कभी थोड़ा डरावना भी हो सकता है। ऐसे में उन्हें आपके भावनात्मक सपोर्ट की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। उनकी बात सुनने के लिए हमेशा मौजूद रहें, उन्हें प्रोत्साहित करें और उनकी उपलब्धियों का जश्न मनाएं। अपने शब्दों और विश्वास से उनका हौसला बढ़ाएं।

कनेक्ट रहना

बच्चे का दूर जाना भले ही जरूरी हो, लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि आप उनका साथ छोड़ दें। उनके साथ जुड़े रहना और मजबूत रिश्ता बनाए रखना जरूरी है। इससे उन्हें दूर रहते हुए भी भावनात्मक सहारा मिलेगा और वो आत्मनिर्भर बनने में सक्षम होंगे। आधुनिक तकनीक ने तो इसे और भी आसान बना दिया है। आप वीडियो कॉल के जरिए उनसे बात कर सकते हैं और उनसे जुड़ाव महसूस कर सकते हैं। साथ ही, आप उनकी छुट्टियों में उनसे मिलने भी जा सकते हैं।

रिसर्च में साथ देना

बेशक, रिसर्च में आपके बच्चे को ही आगे रहना चाहिए, लेकिन इसमें आपका शामिल होना दोनों के लिए ही राहत का काम कर सकता है। आप उनके साथ कॉलेजों, प्रोग्रामों और जगहों के बारे में रिसर्च कर सकते हैं। इससे न सिर्फ आपको पता चलेगा कि उन्हें क्या पसंद है और क्या नहीं, बल्कि आप उन्हें अपना ज्ञान और सलाह भी दे सकते हैं।

बारिश के दौरान इन तरीकों से पाएं कीड़े मकोड़े से छुटकारा

बारिश के मौसम में बल्ब या रोशनी करते ही कीड़ों का झुंड टूट पड़ता है। घर में कीट-पतंगे के आने से काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

मानसून का मौसम शुरू हो गया है। ऐसे में कई प्रकार की समस्या पैदा हो जाती है जैसे दीवारों पर नमी आना, कपड़ों से बदबू, अनाज में सीलन आ जाना इत्यादि। इन्हीं दिक्कतों में एक और परेशानी है- रोशनी करते ही कीड़ों का आना। बारिश के दौरान रात के वक्त बल्ब जलाने पर घर के अंदर कीट-पतंगे घुस आते हैं। इस स्थिति में खाना बनाने से लेकर किसी अन्य काम को करना दुश्वार हो जाता है। इन कीड़ों की संख्या इतनी ज्यादा होती है कि इन्हें बाहर निकालना काफी मुश्किल हो जाता है। कई बार तो ये बरसाती कीड़े बल्ब में चिपके-चिपके ही मर जाते हैं। अगर आप इन बरसाती कीड़ों से बचना चाहते हैं ये घरेलू उपाय बेहद कारगर साबित हो सकते हैं। इन तरीकों को अपनाकर आप बरसाती कीट-पतंगों से निजात पा सकते हैं।

अच्छे से करें सफाई

बेहतर रोशनी के लिए हम सभी कमरे में लाइट लगाने के साथ-साथ बालकनी से लेकर खिड़की और मुख्य दरवाजे के बाहर भी बल्ब लगाते हैं। कीड़ों से बचने के लिए बल्बों के अगल-बगल के हिस्से की सफाई करना जरूरी है। मानसून शुरू होते ही आप इस हैक को अपना सकती हैं। इसके लिए एक बाल्टी में एक चौथाई पानी लें। अब इसमें नींबू का रस और 1 चम्मच सिरका डालकर अच्छे से मिक्स करें। अब इस घोल की मदद से खिड़की और दरवाजे की अच्छे से क्लीनिंग करें। इसके साथ ही ट्यूब लाइट को नम कपड़े की मदद से पोंछे। इस तरकीब से कीड़ों का आना कम हो जाएगा। मानसून के दौरान आने वाले कीड़ों से बचने के लिए आप घर पर इंसेक्ट फेशनर तैयार कर सकती हैं। इसको तैयार करने के लिए एक बर्तन में पानी लें। अब इसमें 2 चम्मच बेकिंग सोडा, यूकेलिप्टस, सिट्रोनेला ऑयल और लेमन जूस डालकर मिक्स करें। अब इस लिक्विड का उन जगहों पर छिड़काव करें जहां पर बल्ब जलता है।

ये हैक्स भी है कारगर

बल्ब पर लगने वाले कीट-पतंगों को दूर करने के लिए आप किसी पेड़ की पत्ती लगी डाल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए हल्के पौधे जैसे कनेर की डाल का उपयोग कर सकती हैं। इस हैक को अपनाने के लिए सबसे पहले डाल की एक टहनी तोड़कर उसे बल्ब के ऊपर फंसा दें। इसके बाद बल्ब जलाए। ऐसा करने से घर के अंदर कम आएंगे।

नीम के तेल का कर सकती हैं उपयोग

कीड़ों को दूर भगाने के लिए आप नीम के तेल का यूज कर सकती हैं। इसके लिए नीम के तेल को स्प्रे बोतल में भरकर उसका छिड़काव करें।

घर के बाहर लाइट जलाएं

घर के अंदर कीड़े को कम करने के लिए बाहर की लाइट जलाएं। यह उपाय अंधेरा होने से पहले करें। ऐसा करने से उड़ने वाले कीड़े घर के अंदर की बजाय बाहर की लाइट की ओर आकर्षित होंगे।

लहसुन से कीड़ों को करें दूर

इस उपाय को इस्तेमाल में लाने के लिए लहसुन का घोल बनाएं। इसके लिए लहसुन के रस और पानी को 1:6 के अनुपात में मिलाएं। आप जिस आकार या क्षेत्र में स्प्रे करना चाहते हैं,उसके आधार पर मात्रा अलग-अलग होगी। बिजली के खतरे से बचने के लिए छिड़काव सावधानी से किया जाना चाहिए।

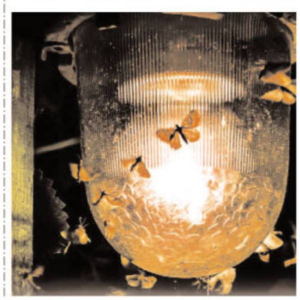

बांग्लादेश में खसरे से मरने वालों का आंकड़ा 788 पहुंचा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में बीते 24 घंटों में खसरे जैसे लक्षणों के चलते चार और बच्चों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया के अनुसार, देश में खसरे से जुड़ी मौतों की कुल संख्या बढ़कर 788 हो गई है। सभी नई मौतों को खसरा से संदिग्ध रूप से जुड़ी मौत माना गया है। नए अपडेट के अनुसार, बांग्लादेश में खसरे से संदिग्ध मौतों की संख्या बढ़कर 693 हो गई है, जबकि प्रयोगशाला जांच में पुष्टि हुई मौतों का आंकड़ा 95 है। यह जानकारी यूनाइटेड न्यूज ऑफ बांग्लादेश के हवाले से सामने आई है। पिछले 24 घंटे के दौरान बांग्लादेश में खसरे के 938 नए संदिग्ध मामले सामने आए, जिससे देश में संदिग्ध मामलों की कुल संख्या बढ़कर 1,17,648 हो गई। इसी अवधि में खसरे के 113 नए पुष्ट मामले दर्ज किए गए, जिसके बाद प्रयोगशाला जांच से पुष्टि किए गए संक्रमणों की कुल संख्या बढ़कर 14,431 हो गई।

इस महीने की शुरुआत में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी थी कि डेंगू के बढ़ते मामलों से स्वास्थ्य व्यवस्था पर और दबाव पड़ सकता है और मौतों का खतरा बढ़ सकता है। बांग्लादेश के अस्पताल पहले से ही खसरे के रोजाना 900 से ज्यादा मरीजों के भर्ती होने के कारण दबाव में हैं। रिपोर्टों के मुताबिक, ढाका के बड़े सरकारी अस्पताल, जहां पहले डेंगू के प्रकोप के दौरान हजारों मरीजों का इलाज किया गया था, अभी खसरे के मरीजों के बोझ से जूझ रहे हैं। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अगर डेंगू के मामलों में अचानक बढ़ोतरी होती है, तो पहले से सीमित स्वास्थ्य सुविधाओं पर और दबाव पड़ेगा और इलाज की सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

मध्य अफ्रीकी देश कैमरून में सात यात्रियों का अपहरण

याउंडे, एजेंसी। कैमरून के उत्तर पश्चिमी क्षेत्र में शनिवार देर रात (स्थानीय समय) सात यात्रियों का अपहरण कर लिया गया। रविवार को सुरक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी। ये यात्री वेस्ट क्षेत्र की राजधानी बाफौसम से उत्तर पश्चिम क्षेत्र की राजधानी बामेंडा जा रहे थे। इसी दौरान हथियारबंद लोगों ने उनकी गाड़ी को रोक लिया और यात्रियों को अपने साथ ले गए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, परिवार के सदस्यों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि अपहरणकर्ताओं ने यात्रियों को छोड़ने के बदले फिरौती की मांग की है। रिपोर्ट के मुताबिक इस इलाके में फिरौती के लिए अपहरण की घटनाएं आम हैं। यहां अलगाववादी समूह स्वतंत्र देश की मांग को लेकर सरकारी सुरक्षा बलों से संघर्ष कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार, इस इलाके में यात्रा करने वाले लोगों को अक्सर ऐसे हथियारबंद लोग निशाना बनाते हैं, जिनके अलगाववादी लड़ाकों से जुड़े होने का शक है। पिछले महीने भी कैमरून के नॉर्थवेस्ट क्षेत्र में करीब 12 लोगों का अपहरण किया गया था। इनमें एक बस के 10 यात्री शामिल थे। स्थानीय लोगों और सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, यह घटना उस इलाके में हुई जहां लंबे समय से अलगाववादी हिंसा जारी है।

गुयाना में बड़ा हादसा...116 लोगों को ले जा रही नाव पलटी

जॉर्जटाउन, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश गुयाना से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है, यह एक बड़ा मुद्री हादसा हो गया है। 116 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को लेकर जा रही एक फेरी समुद्र में पलटकर डूब गई। हादसे के बाद राहत और बचाव अभियान तुरंत शुरू किया गया। अब तक 53 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि कई अन्य लोगों की तलाश अभी भी जारी है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, एमवी बरिमा नाम की फेरी राजधानी जॉर्जटाउन से पोर्ट कैतूमा जा रही थी। रास्ते में आयरन पंट के पास देर रात अचानक फेरी का संतुलन बिगड़ गया और वह समुद्र में पलट गई। हादसे के तुरंत बाद डिस्ट्रेस कॉल भेजी गई, जिसके बाद प्रशासन और बचाव एजेंसियां मौके पर पहुंच गई। प्रशासन लगातार बचाव अभियान चला रहा है और लापता लोगों का पता लगाने की कोशिश कर रहा है।

कोस्ट गार्ड और निजी नावों ने बचाए यात्री: गुयाना के लोक निर्माण मंत्री जुआन एडघिल ने बताया कि हादसे की जानकारी मिलते ही सरकारी एजेंसियों के साथ-साथ आसपास मौजूद निजी नावों को भी राहत कार्य में लगाया गया। कोस्ट गार्ड और निजी नौकाओं की मदद से कई लोगों को समुद्र से सुरक्षित बाहर निकाला गया। बचाए गए यात्रियों को तुरंत इलाज देने के लिए मेडिकल टीमों को भी मौके पर भेजा गया। जानकारी के मुताबिक, एमवी बरिमा वर्ष 1939 में बनाई गई थी और इसकी लंबाई लगभग 40 मीटर थी। अधिकारियों का कहना है कि सुरक्षा के लिए फेरी में 250 लाइफ जैकेट, दो लाइफबोट और छह फुलाने वाली लाइफ राफ्ट मौजूद थीं।

मुश्किल में इमरान खान की बहन

पाकिस्तान सरकार ने विवादित बयान मामले में भेजा समन

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की एंटी-साइबरक्राइम एजेंसी ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन नूरीन नियाजी को समन भेजा है। उन पर आरोप है कि उन्होंने देश की सरकारी संस्थानों को बदमान करने और झूठी बातें फैलाने के लिए सोशल मीडिया पर गलत, अपमानजनक और भड़काऊ कंटेंट शेयर किया।

यह समन नियाजी के एक इंटरव्यू के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद भेजा गया है।

नेशनल साइबर क्राइम इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने समन भेजकर इस्लामाबाद स्थित एजेंसी कार्यालय में पेश होकर बयान दर्ज कराने को कहा है। यह समन उनके इंटरव्यू के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद भेजा गया है।

इस इंटरव्यू में नियाजी ने दावा किया था कि मई 2025 में हुए सैन्य टकराव को सैन्य नेतृत्व की छवि बेहतर बनाने के उद्देश्य से रचा गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि यह घटनाक्रम एक सुनियोजित मिलीभगत का नतीजा था। नियाजी ने इंटरव्यू में चार दिन तक चले सैन्य टकराव के दौरान भारत के खिलाफ पाकिस्तानी सेना की कार्रवाई को कमतर दिखाने की कोशिश करने की बात कही। उन्होंने बिना किसी सबूत के दावा किया कि भारत ने टकराव को और बढ़ाने से इसलिए परहेज किया क्योंकि पाकिस्तान इज़राइल को मान्यता देने की दिशा में आगे बढ़ रहा था। इस घटना का मकसद इस्लामाबाद के लिए अब्राहम एकॉर्ड्स में शामिल होने का रास्ता आसान बनाना था। पाकिस्तान उन कई देशों में शामिल है जो इजरायल को एक देश के तौर पर मान्यता नहीं देते हैं और इजराइल के साथ जिनके कोई राजनयिक संबंध नहीं हैं। नियाजी की टिप्पणियों पर पंजाब की सूचना और संस्कृति मंत्री अजमा बुखारी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। बुखारी ने कहा कि नूरीन नियाजी का बयान उनके भाई इमरान खान की सोच को दर्शाता है। खान का परिवार हमेशा से पाकिस्तान की उपलब्धियों से असहज रहा है और राष्ट्रीय हित के खिलाफ की गई ये टिप्पणियां बेहद अफसोसजनक हैं।

ड्रामेबाज नील द सील ने जीता दुनिया का दिल; कारों पर चढ़ा और सड़क पर सोया इंटरनेट स्टार

सिडनी , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के तस्मानिया राज्य में रहने वाला नील नाम का एक विशाल दक्षिणी एलिफेंट सील अपनी अनोखी हरकतों के कारण पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बन गया है। करीब एक

टन वजनी यह समुद्री जीव कभी सड़क पर आराम करता दिखता है, कभी ट्रैफिक कोन से खेलता है और कभी खड़ी कारों पर चढ़ जाता है। उसकी यही शरारतें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई और वह लाखों लोगों का चहेता बन गया।हालांकि वैज्ञानिकों का कहना है कि नील की ये हरकतें सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि उसके प्राकृतिक व्यवहार का हिस्सा हैं। उसकी कहानी इंसानों और वन्यजीवों के शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व का भी महत्वपूर्ण संदेश देती है।

2020 में हुआ जन्म, हर साल लौट आता है तस्मानिया: विशेषज्ञों के अनुसार नील का जन्म अक्टूबर 2020 में तस्मान प्रायद्वीप में हुआ था। तब से वह लगभग हर साल तस्मानिया लौटता है। दक्षिणी एलिफेंट सील की यह स्वाभाविक प्रवृत्ति होती है कि वे अपने जन्मस्थल या प्रजनन स्थलों पर बार-बार लौटते हैं। पिछले कुछ वर्षों में नील को सेवन माइल बीच के आसपास कई बार देखा गया, जहां वह बेफिक्र होकर सड़क पर लेट जाता है या आसपास की वस्तुओं के साथ खेलता नजर आता है।

आखिर कारों पर क्यों चढ़ता है नील?: डीकिन यूनिवर्सिटी के समुद्री जीव विशेषज्ञों के मुताबिक नील अभी युवा नर सील है और अपने स्वाभाविक विकास के दौर से गुजर रहा है। युवा नर एलिफेंट सील बड़े होने के दौरान अपनी ताकत आजमाते हैं, नई चीजों को परखते हैं और प्रभुत्व स्थापित करने का अभ्यास करते हैं। चूंकि आसपास दूसरी सील नहीं होती, इसलिए नील अपनी जिज्ञासा कारों, ट्रैफिक कोन और सड़क किनारे लगे खंभों पर दिखाता है।

अमेरिका के एरिजोना में हमलावर ने की गोलीबारी, 9 लोग घायल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एरिजोना स्थित टक्सन शहर के डाउनटाउन से गोलीबारी की खबर सामने आ रही है। जहां रविवार तड़के एक भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में दो गुटों की झड़प के बाद एक हमलावर ने गोलीबारी कर दी। इस गोलीबारी में कम से कम 9 लोग घायल हो गए। घटना के बाद सभी घायलों और संदिग्ध को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। फिलहाल टक्सन पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रात 2 बजे सुनाई दी गोली की आवाज: टक्सन पुलिस विभाग के अनुसार, नियमित गश्त पर निकले अधिकारियों ने स्थानीय समयानुसार रात करीब 2 बजे गोलीबारी की आवाज सुनी और तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस विभाग के प्रवक्ता फ्रैंक मैगोस के हवाले से बताया कि उनका सामना संदिग्ध से हुआ, उन्होंने उसे बार-बार आदेश दिए और फिर गोली मार दी।

पुलिस ने शुरू की गोलीबारी की जांच: पुलिस ने बताया कि संदिग्ध ने भागने की कोशिश की, जिसके बाद मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारी ने उसे गोली मार दी। उसकी पहचान अभी तक जारी नहीं की गई है। गोलीबारी की जांच जारी है। फिलहाल पुलिस ने अभी तक गोलीबारी के कारणों का आधिकारिक तौर पर खुलासा नहीं किया है। इस घटना में कोई भी पुलिसकर्मी घायल नहीं हुआ स्थानीय मीडिया केजीयूएन-टीवी ने पुलिस सूत्रों का हवाला देते हुए बताया कि गोलीबारी दो समूहों के बीच हुई झड़प के परिणामस्वरूप हुई। जिन दो पक्षों में गोलीबारी हुई है, वह एक दूसरे को जानते थे। इस दौरान कई राहगीर गोलीबारी की चपेट में आ गए।

घायलों की हालात स्थिर: टक्सन की मेयर रेजिना रोमेरो ने ने एक बयान में कहा, एक हमलावर ने भीड़भाड़ वाले इलाके में लापरवाही से गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें नौ लोग घायल हो गए सभी पीड़ितों की हालत स्थिर कर दी गई है और उन्हें अस्पताल ले जाया गया है, जहां हमें उम्मीद है कि वे सभी ठीक हो जाएंगे।

हिटलर की जन्मस्थली पर पुलिस स्टेशन खोलने का फैसला, जर्मन तानाशाह के प्रशंसक बना रहे थे जगह को तीर्थस्थल

वियना, एजेंसी। ऑस्ट्रिया सरकार उस इमारत में पुलिस स्टेशन खोलने जा रही है जहां 1889 में जर्मन तानाशाह एडॉल्फ हिटलर का जन्म हुआ था। इसका उद्देश्य दशकों से चली आ रही इस बहस को खत्म करना है कि इस जगह को दूर-दराज चरमपंथियों के लिए तीर्थस्थल बनने से कैसे रोका जाए।

जर्मनी की सीमा पर साल्जबर्ग के उत्तर में ब्रौनौ एम इन शहर में स्थित साल्जबर्गर वोरस्टेड 15 नाम की यह 17वीं शताब्दी की इमारत अब सरकार द्वारा राष्ट्रीयकृत की जा चुकी है।

इस इमारत के नवीनीकरण पर करीब 20 मिलियन यूरो खर्च किए गए हैं। ऑस्ट्रिया के आंतरिक मंत्री गेरहार्ड कार्नर बुधवार को नए पुलिस स्टेशन का उद्घाटन करेंगे।

ऑस्ट्रिया सरकार ने इस इमारत के भविष्य को लेकर गठित 13 विशेषज्ञों के आयोग की सिफारित पर यह फैसला लिया है। आयोग ने 2016 में अपनी रिपोर्ट में कहा था यहां संग्रहालय बनाने का प्रस्ताव खारिज कर दिया जाना चाहिए क्योंकि इसे आगुंतकों द्वारा गलत तरीके से पेश किए जाने का खतरा है।

वहीं इस इमारत को ध्वस्त करने की योजना भी नहीं बन सकी क्योंकि यह शहर के ऐतिहासिक केंद्र का हिस्सा है और विरासत संरक्षण के तहत आती है। आयोग को डर था कि ध्वस्तीकरण को साइट को इतिहास को नकारने के प्रतीक के रूप में देखा जा सकता है। आयोग के अनुसार पुलिस स्टेशन के रूप में इस इमारत का इस्तेमाल करने से प्रतिबंधित सार्वजनिक पहुंच और राज्य प्राधिकरण की मौजूदगी सुनिश्चित होगी। साथ ही एक सरकारी संस्थान होने के कारण यहां स्थिरता और सार्वजनिक भरोसा भी बना रहेगा। हालांकि इस फैसले पर सवाल भी उठे हैं।

इस इमारत के भविष्य पर चर्चा कराने वाले एक समूह द्वारा 2023 में कराए गए सर्वेक्षण में 1 हजार लोगों में से सिर्फ 6 प्रतिशत ने ही प्रशासनिक उपयोग का समर्थन किया। आधे से ज्यादा लोगोंने यहां स्मरण और फासीवाद विरोध संस्था बनाने की वकालत की, जबकि करीब एक चौथाई लोगों ने इस इमारत को गिरा देने का सुझाव दिया था।

30 साल बाद एक्शन में अमेरिका की गुप्त अदालत, ट्रंप प्रशासन ने विदेशी आतंकी को खदेड़ने के लिए दायर की पहली याचिका

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के प्रशासन ने 30 वर्ष पहले अमेरिका से तथाकथित विदेशी आतंकियों को निर्वासित करने के सरकारी अनुरोधों पर विचार करने के लिए बनाई गई एक गुप्त और निष्क्रिय अदालत में पहली बार याचिका दायर की है।

बता दें कि विदेशी आतंकवादी निष्कासन न्यायालय की स्थापना 1996 में हुई थी, लेकिन इसमें पहली याचिका पिछले बुधवार को दायर की गई। न्याय विभाग ने एक ऐसे व्यक्ति को निष्कासित करने के लिए याचिका दायर की है, जिसका नाम अदालत की वेबसाइट पर पोस्ट किए गए एक पृष्ठ के दस्तावेज में गुप्त रखा गया है।

सुनवाई के दौरान क्या-क्या हुआ?: पांच सदस्यों वाली अदालत की मुख्य न्यायाधीश जोन एरिक्सन ने याचिका के जवाब में लिखित रूप से कहा कि गुरुवार को सुनवाई हुई। इस दौरान अदालत के मन में सरकार की ओर से प्रतिवादी पर लगाए गए आरोपों और उस पर लगाई गई खास धाराओं व उप-धाराओं के बीच संबंधों पर कई सवाल थे। मिनेसोटा की फेडरल जज एरिक्सन ने लिखा, जवाबों से अदालत को यकीन हो गया कि सरकार को इस मामले पर और सोच-विचार करने का मौका मिलने से फायदा हो सकता है।

ऑस्ट्रेलियाई आसमान में हुंकार भरेंगे भारत के राफेल, पिच ब्लैक में दिखेगा दम

कैनबरा, एजेंसी। भारतीय वायुसेना सोमवार से रायल आस्ट्रेलियाई वायुसेना (आरएएएफ) के बेस डार्विन में आयोजित होने वाले अभ्यास पिच ब्लैक 2026 में अपने शौर्य का प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

सात अगस्त तक चलने वाला यह द्विवार्षिक युद्धाभ्यास आरएएएफ का सबसे प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय हवाई मुकाबला है। 45वें वर्ष में प्रवेश कर चुका यह आयोजन इस बार इतिहास के सबसे बड़े वायुसैनिक जमावड़ों में से एक का गवाह बनने जा रहा है।

रात के सन्नाटे को चीरेगी राफेल की गर्जना

इस खास युद्धाभ्यास का नाम पिच ब्लैक इसलिए रखा गया है क्योंकि इसका मुख्य फोकस उत्तरी आस्ट्रेलिया के विशाल और कम आबादी वाले इलाकों में रात के घने अंधेरे में उड़ान भरने और युद्ध कौशल को निखारने पर होता है। भारत की ओर से इस बार आसमान के सिकंदर कहे जाने वाले राफेल लड़ाकू

विमान मुख्य भूमिका में होंगे। इन लड़ाकू विमानों को युद्धक सहायता प्रदान करने के लिए सी-17 ग्लोबमास्टर तृतीय रणनीतिक परिवहन विमान और हवा में ही ईंधन भरने वाला आइएल-78 टैंकर विमान भी मोर्चे पर तैनात रहेंगे।

इस युद्धाभ्यास में भारतीय वायुसेना के जांबाज पायलट, इंजीनियर, तकनीशियन और रणनीतिक विशेषज्ञ शामिल हो रहे हैं। यह अभ्यास न केवल लंबी दूरी के अभियानों को परखने का सुनहरा अवसर है, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा और आपसी तालमेल को भी नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

गौरतलब है कि इससे पहले भारत 2018, 2022 और 2024 के संस्करणों में अपनी धाक जमा चुका है। इस बार भी यह वैश्विक मंच भारतीय वायुसेना की बढ़ती ताकत, पेशेवर साझेदारी और क्षेत्रीय सुरक्षा के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता को पूरी दुनिया के सामने मजबूती से पेश करेगा।

इराक में ईरानी ड्रोन के विस्फोटक को निष्क्रिय करते समय अमेरिकी सैन्यकर्मी की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा है कि उत्तरी इराक में ईरानी वन-वे अटैक (आत्मघाती) ड्रोन से जुड़े बिना फटे विस्फोटक को नियंत्रित तरीके से निष्क्रिय (कंट्रोल्ड डेटोनेशन) करने के दौरान एक अमेरिकी सैन्यकर्मी की मौत हो गई। सेंटकॉम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रविवार को जारी बयान में कहा कि इस घटना में एक अन्य अमेरिकी सैन्यकर्मी घायल हुआ है, जिसका मामूली चोटों के लिए उपचार किया जा रहा है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, अमेरिकी सेना को रविवार को मानव अवशेष मिले। इससे पहले सेंटकॉम ने शनिवार को बताया था कि शुक्रवार को जॉर्डन में हुए ईरानी हमले के बाद दो अमेरिकी सैन्यकर्मियों की मौत हो गई थी, जबकि एक अन्य लापता था।

सेंटकॉम ने कहा कि बरामद अवशेषों की पहचान की पुष्टि के लिए जांच प्रक्रिया जारी है। सेंट्रल कमांड ने कहा, 'जब तक परिजनों को आधिकारिक रूप से सूचना देने की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, तब तक मृत और लापता सैन्यकर्मियों की पहचान सहित अन्य विवरण सार्वजनिक नहीं किए जाएंगे।' वहीं, सेंट्रल कमांड ने एक्स पर जारी ताजा अपडेट में बताया कि रविवार तक अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ नौसैनिक नाकेबंदी जारी रखते हुए छह वाणिज्यिक जहाजों का मार्ग बदल दिया, जबकि एक जहाज को रोक दिया गया।

इस बीच, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया कि उसने रविवार को ईरान के अहवाज क्षेत्र में अमेरिका के एमक्यू-9 ड्रोन को मार गिराया। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, आईआरजीसी का कहना है कि ड्रोन को इंटरसेप्ट करने के बाद उसे सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया गया। ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी ने कहा कि ईरान के इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस नेटवर्क की कमांड में आईआरजीसी एयरोस्पेस फोर्स के एडवांस्ड एयर-डिफेंस सिस्टम ने एमक्यू-9 ड्रोन को मार गिराया। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब ईरान पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई कर रहा है।

एफिल टावर पहुंचकर टूटा महिला का सपना, बोली-सपनों का पेरिस सिर्फ सोशल मीडिया पर, दिखाई असलियत

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस की राजधानी पेरिस और एफिल टावर को दुनिया के सबसे खूबसूरत पर्यटन स्थलों में गिना जाता है। सोशल मीडिया पर इसकी आकर्षक तस्वीरें और वीडियो लाखों लोगों को यहां आने के लिए प्रेरित करते हैं। लेकिन अब एक महिला ट्रैवल ब्लॉगर का वीडियो वायरल होने के बाद एफिल टावर को लेकर नई बहस छिड़ गई है। महिला ने अपने अनुभव साझा करते हुए भीड़, धूल, कथित गंदगी, जेबकतरों की चेतावनी और अव्यवस्थाओं को दिखाया, जिसे अब तक 7 लाख से अधिक बार देखा जा चुका है। महिला, जिनकी पहचान मेहरमा के रूप में बताई जा रही है, ने इंस्टाग्राम पर साझा वीडियो में दावा किया कि एफिल टावर तक पहुंचने वाले कई रास्तों पर धूल, सूखी घास और भीड़ देखने को मिली।

उनके अनुसार, टावर तक पहुंचते-पहुंचते पर्यटक धूल से भर सकते हैं।उन्होंने यह भी बताया कि छोटे बच्चे के साथ प्रैम लेकर चलना आसान नहीं था। कुछ स्थानों पर उन्हें प्रैम मोड़कर बच्चे और सामान के

साथ सीढ़ियां चढ़नी पड़ीं, जिससे उन्हें काफी परेशानी हुई। वीडियो में मेहरमा ने कई ऐसे चेतावनी बोर्ड दिखाए, जिनमें पर्यटकों को जेबकतरों से सतर्क रहने की सलाह दी गई थी।हालांकि यह चेतावनी दुनिया के अधिकांश बड़े पर्यटन स्थलों पर आम बात है, लेकिन उन्होंने इसे अपने अनुभव का हिस्सा बताते हुए कहा कि पर्यटकों को हर समय अपने सामान की सुरक्षा को लेकर सतर्क रहना पड़ता है।

एफिल टावर के ऊपरी हिस्से तक जाने के दौरान महिला ने दावा किया कि लिफ्ट में काफी भीड़ थी और अंदर गर्मी महसूस हो रही थी।उन्होंने वीडियो में कथित तौर पर मकड़ी के जाले और कुछ स्थानों पर क्षतिग्रस्त दिखाई दे रहे शीशों की ओर भी इशारा किया। हालांकि इन दावों की किसी आधिकारिक संस्था ने पुष्टि नहीं की है।महिला ने यह भी स्वीकार किया कि एफिल टावर की पहली मंजिल से दिखाई देने वाला पेरिस का दृश्य बेहद खूबसूरत था और उन्हें काफी पसंद आया।लेकिन उनका कहना था कि ऊपरी मंजिल पर पहुंचने के बाद भीड़ और सुरक्षा बैरियर की वजह से उन्हें खुला दृश्य देखने का वैसा अनुभव नहीं मिला, जैसा उन्होंने सोशल मीडिया पर देखा था।

मेहरमा ने एफिल टावर के अलावा पेरिस के अन्य इलाकों के भी दृश्य दिखाए, जहां उन्होंने कथित तौर पर कूड़ा, ग्रैफिटी, बेघर लोगों और भीड़भाड़ का जिक्र किया।उन्होंने कहा कि शहर के कुछ हिस्सों में एक ओर आधुनिकता और चमक दिखाई देती है, जबकि दूसरी ओर गरीबी और अव्यवस्था भी नजर आती है। वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आईं। कुछ यूजर्स ने महिला के अनुभव से सहमति जताते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर पेरिस की वास्तविक तस्वीर कम दिखाई जाती है। वहीं कई लोगों ने एफिल टावर और पेरिस का बचाव करते हुए कहा कि हर पर्यटक का अनुभव अलग हो सकता है और किसी एक वीडियो के आधार पर पूरे शहर का आकलन नहीं किया जाना चाहिए।

100%

जीत का रिकॉर्ड फाइनल में स्पेन ने रखा बरकरार

फीफा विश्व कप के 96 साल के इतिहास में अब तक जितनी भी टीमों ने ट्रॉफी जीती है, उनके मुख्य कोच उसी देश के नागरिक रहे हैं। 1930 में उरुग्वे की जीत से लेकर 2022 में अर्जेंटीना की खिताबी सफलता तक यह सिलसिला लगातार जारी था। अब 2026 में भी यह रिकॉर्ड कायम रहा। स्पेन ने फाइनल में अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर दूसरी बार विश्व कप जीता और उसके मुख्य कोच लुइस दे ला फुएंते भी स्पेन के ही नागरिक हैं। यानी विश्व कप के इतिहास में अब तक कोई विदेशी कोच अपनी टीम को चैंपियन नही बना सका है।

फेर्रान टोरेस के एक गोल ने बदली किस्मत मेसी की अर्जेंटीना का टूट गया सपना

न्यूयॉर्क। फीफा विश्व कप 2026 का नया चैंपियन स्पेन बन गया है। न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में रविवार को खेले गए रोमांचक फाइनल में स्पेन ने गत विजेता अर्जेंटीना को एक्स्ट्रा टाइम में 1-0 से हराकर दूसरी बार विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। मैच का एकमात्र और निर्णायक गोल फेर्रान टोरेस ने 106वें मिनट में दागा। 2010 के बाद यह स्पेन का दूसरा विश्व कप खिताब है, जबकि अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार चैंपियन बनने से चूक गया।निर्धारित 90 मिनट तक दोनों टीमें गोल नहीं कर सकीं। इसके बाद एक्स्ट्रा टाइम में 106वें मिनट पर पेड्रो पोरो के क्रॉस को निको विलियम्स ने हेडर से टोरेस की ओर बढ़ाया। बॉक्स के अंदर मौजूद फेर्रान टोरेस ने बिना समय गंवाए पहला ही शॉट गोलपोस्ट में पहुंचा दिया।

स्पेन का पूरे मैच में दबदबा

फाइनल मुकाबले में स्पेन ने शुरुआत से ही गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और लगातार अर्जेंटीना के गोल पर हमले करता रहा। पांचवें मिनट में ही लामिन यमाल ने पहला बड़ा मौका बनाया, लेकिन एमिलियानो मार्टिनेज ने शानदार बचाव किया। इसके बाद मिकेल ओयरजाबाल, मार्क कुकुरेला, पाउ कुबार्सी, पेड्री और निको विलियम्स ने भी कई अच्छे प्रयास किए, लेकिन मार्टिनेज लगातार स्पेन के रास्ते में दीवार बने रहे। अर्जेंटीना के गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज ने पूरे मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक के बाद एक कुल 12 शानदार सेव किए और टीम को लंबे समय तक मुकाबले में बनाए रखा। उन्होंने लामिन यमाल की फ्री-किक समेत कई मुश्किल मौकों पर बेहतरीन बचाव किया, लेकिन एक्स्ट्रा टाइम में फेर्रान टोरेस के दमदार शॉट के सामने उनकी कोशिश नाकाम रही।फाइनल के दौरान अर्जेंटीना को कई बड़े झटके लगे।

रोनाल्डो की टीम के पास था इतिहास बदलने का मौका

इस रिकॉर्ड को तोड़ने की सबसे बड़ी दावेदार पुर्तगाल थी। पुर्तगाल के मुख्य कोच रॉबर्टो मार्टिनेज स्पेन के हैं। अगर पुर्तगाल पहली बार विश्व कप जीत जाता, तो वह विदेशी कोच के साथ ट्रॉफी जीतने वाली पहली टीम बन जाता। हालांकि, पुर्तगाल नॉकआउट चरण में ही बाहर हो गया और इसके साथ ही 96 साल पुराने इस रिकॉर्ड के टूटने की संभावना भी खत्म हो गई।

स्पेन ने दूसरी बार विश्व कप ट्रॉफी अपने नाम

स्पेन इससे पहले केवल एक बार विश्व कप फाइनल में पहुंचा था और 2010 में नीदरलैंड को हराकर पहली बार चैंपियन बना था। अब 2026 में उसने अर्जेंटीना को अतिरिक्त समय में 1-0 से हराकर दूसरी बार विश्व कप ट्रॉफी अपने नाम कर ली।इस जीत के साथ स्पेन ने विश्व कप फाइनल में अपना 100 प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड भी बरकरार रखा। यानी स्पेन अब तक दो विश्व कप फाइनल खेल चुका है और दोनों में चैंपियन बना है। निर्णायक गोल अतिरिक्त समय के 106वें मिनट में फेरान टोरेस ने किया।

अब यह रिकॉर्ड 100 साल की ओर

2026 के विश्व कप के बाद यह अनोखा रिकॉर्ड लगातार 96 साल तक कायम हो गया है। फुटबॉल इतिहास में अब तक कोई विदेशी कोच अपनी टीम को विश्व चैंपियन नहीं बना सका है। स्पेन की जीत के साथ यह सिलसिला एक बार फिर जारी रहा और अब दुनिया की नजर 2030 विश्व कप पर होगी।

विश्व फुटबॉल की नई बादशाहत

स्पेन ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह विश्व फुटबॉल की सबसे मजबूत टीमों में शामिल है। दूसरी ओर, गत चैंपियन अर्जेंटीना का लगातार दूसरा विश्व कप जीतने का सपना अधूरा रह गया। फेरन टोरेस के गोल ने स्पेन को विश्व फुटबॉल की नई बादशाहत दिला दी।

रोहित ने आलोचकों को दिया जवाब

लॉर्ड्स में हिटमैन ने किया धमाल

लंदन। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर कई तरह की अटकलें चल रही थी। रोहित पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे थे जिससे वनडे विश्व कप 2027 को लेकर उनका दावा कमजोर नजर आ रहा था। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में जब रोहित बल्लेबाजी के लिए उतरे तो शुभमन गिल के साथ उन्होंने धीमी शुरुआत की। लेकिन क्रीज पर टिकने के बाद वह पुरानी लय में नजर आए और उनके बल्ले से शानदार शतक निकला। पिछले कुछ दिनों से भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की बल्लेबाजी से ज्यादा चर्चा उनके भविष्य को लेकर हो रही थी। लगातार कम स्कोर और मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा कि यह लॉर्ड्स उनका आखिरी वनडे मैच हो सकता है, इसने 39 वर्षीय इस दिग्गज खिलाड़ी के करियर को लेकर एक नई बहस छेड़ दी थी। लेकिन क्रिकेट के मक्का कहे जाने वाले लॉर्ड्स के मैदान पर रोहित ने जुबान से नहीं, बल्कि अपने बल्ले से जवाब दिया। उन्होंने एक ऐसी जुझारू पारी खेली जिसने एकतरफा दिख रहे मैच में भारत को सम्मानजनक स्थिति तक पहुंचाया और दुनिया को याद दिलाया कि वे क्यों देश के सबसे बेहतरीन वनडे बल्लेबाजों में से एक हैं।रोहित लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान पर वनडे में शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज हैं। उनसे पहले 50 ओवर के प्रारूप में अब तक कोई भारतीय बल्लेबाज लॉर्ड्स में सैकड़ा नहीं जड़ सका था। रोहित लॉर्ड्स में वनडे शतक लगाने के वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। रोहित ने 39 साल और 80 दिन की उम्र में ऐसा किया है।

शतक के बाद नहीं उतारा हेलमेट

जीत के लिए मिले 388 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए जब रोहित ने अपना शतक पूरा किया, तो उनके चेहरे पर कोई आक्रामक जश्न नहीं था। उन्होंने न तो हवा में हेलमेट उछाला और ना ही आक्रामक अंदाज में जश्न मनाया। उन्होंने बेहद सादगी से अपना बल्ला उठाया, लॉर्ड्स के हर कोने से गूंजती तालियों का शालीनता से जवाब दिया और फिर से अपनी क्रीज पर मुस्तैद हो गए।

विश्वकप से पहले युवराज की दो टूक

रोहित-विराट को लेकर स्पष्टता जरूरी

लंदन, एजेंसी। भारतीय टीम में रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य को लेकर चर्चा लगातार जारी है, लेकिन पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह की चिंता इस समय युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को लेकर है। युवराज का मानना है कि जायसवाल को पर्याप्त मौके नहीं मिल रहे हैं, जबकि उन्होंने अपनी पिछली तीन वनडे पारियों में दो शतक लगाए हैं।युवराज सिंह ने 'जियोस्टार' पर बातचीत करते हुए कहा कि टीम मैनेजमेंट, रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य को लेकर साफ बातचीत करे। उन्होंने कहा कि अगर अगले साल दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया और जिम्बाब्वे में होने वाले वनडे विश्वकप के लिए दोनों खिलाड़ियों को योजना में रखा गया है तो टीम को उनका पूरी तरह समर्थन करना चाहिए। युवराज ने कहा 'विराट और रोहित से ज्यादा मेरी चिंता यशस्वी जायसवाल को लेकर है। अगर विश्वकप आता है और उसे पर्याप्त मैच खेलने का मौका नहीं मिलता है तो अचानक उस पर दबाव आ जाएगा। रोहित शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में 110 गेंदों पर 138 रन की शानदार पारी खेलकर संन्यास की अटकलों को शांत किया था। वहीं विराट कोहली ने भी तीन मैचों की वनडे सीरीज में लगातार दो अर्धशतक लगाकर अपनी फॉर्म दिखाई थी। हालांकि भारत यह सीरीज 1-2 से हार गया। युवराज ने कहा कि कोच, कप्तान और चयनकर्ताओं की ओर से स्पष्टता होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि मैं उस स्थिति में रह चुका हूं, जिसमें आज रोहित और विराट हैं। इसलिए यह फैसला करना हमारा काम नहीं है कि उन्हें खेलना चाहिए या नहीं। यह टीम मैनेजमेंट, कोच और चयनकर्ताओं का फैसला है।युवराज ने कहा कि अगर रोहित शर्मा और विराट कोहली विश्वकप की योजना का हिस्सा हैं तो उन्हें अभी से भरोसा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर आप चाहते हैं कि वे विश्वकप खेलें तो उनके कंधे पर हाथ रखकर कहना चाहिए कि हम चाहते हैं कि आप विश्वकप खेलें। हम आपका पूरा समर्थन कर रहे हैं। आप अपना स्वाभाविक खेल खेलिए।

जायसवाल को टीम से बाहर रखने पर चिंता जताई

युवराज सिंह ने यशस्वी जायसवाल को टीम से बाहर रखने पर चिंता जताई। इंग्लैंड वनडे सीरीज के लिए जायसवाल को मौका नहीं मिला था, जबकि उन्होंने पिछले महीने चेन्नई में अफगानिस्तान के खिलाफ नाबाद शतक लगाया था। युवराज ने कहा कि कहीं न कहीं उसे विश्वकप से पहले ज्यादा गेम टाइम चाहिए, अगर वह आपकी योजना में है। अगर कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाता है तो आप क्या करेंगे? उन्होंने 2019 विश्वकप का उदाहरण देते हुए कहा कि चोट के कारण दो युवा खिलाड़ियों को बिना ज्यादा अनुभव के मौका मिला था और टीम को ऐसी गलती दोबारा नहीं करनी चाहिए।युवराज सिंह ने कहा कि भारतीय टीम इस समय बदलाव के दौर में है। इंग्लैंड दौरे पर भारत को वनडे सीरीज में 1-2 से हार मिली, जबकि इससे पहले टीम आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज 0-2 और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज 0-4 से हार चुकी थी। उन्होंने कहा कि हमें इसे समझना और आलोचना को स्वीकार करना होगा। साथ ही लोगों को यह नहीं भूलना चाहिए कि इस भारतीय टीम ने पिछले कुछ वर्षों में तीन बड़े खिताब जीते हैं। युवराज ने कहा कि टीम में नए खिलाड़ी आ रहे हैं और ऐसे दौर आते रहते हैं। अब समय है दोबारा सोचने और वापसी करने का। भारत का अगला वनडे मुकाबला सितंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू मैदान पर तीन मैचों की सीरीज में होगा।

संग्राम सिंह ने पाकिस्तानी फाइटर को 20 सेकंड में कर दिया चित

नई दिल्ली। भारत के स्टार एमएमए फाइटर संग्राम सिंह ने पाकिस्तानी फाइटर मोहम्मद आबिद अली का घमंड तोड़ दिया और उन्हें सिर्फ एक मिनट 20 सेकंड में ही चित कर दिया। एमएमए में ये संग्राम सिंह की लगातार चौथी जीत भी रही साथ ही पाकिस्तानी फाइटर पर उनकी ये दूसरी जीत रही। संग्राम सिंह का एमएमए के मंच पर अपराजित रहने का सिलसिला जारी है।

संग्राम सिंह ने देश को समर्पित की जीत

इस फाइट का आयोजन मलयेशिया में किया गया था और इसे लेकर मलयेशियाई दर्शकों में जबरदस्त उत्साह था। संग्राम सिंह के जीतने के बाद भारतीय फैंस रिंग के बेहद करीब आकर भारत माता की जय के नारे लगाने लगे। वहीं संग्राम सिंह ने जहां इस जीत को 140 करोड़ भारतीयों को समर्पित किया तो वहीं मोहम्मद बूटा के नाम से मशहूर मोहम्मद आबिद अली ने फेस ऑफ वाले दिन की तरह ही विवादास्पद बयान दिए। उसकी हार की खीझ लगातार बाहर आती रही। आबिद ने कहा कि मलयेशिया में जितने भी मुसलमान हैं, वह उन सबसे बहुत प्यार करते हैं। उनके इस बयान पर भी वहां काफी हूटिंग हुई। वहीं संग्राम सिंह ने कहा कि उनका किसी भी फाइट में एक ही उद्देश्य रहता है कि देश का तिरंगा ऊंचा हो और उन्हें खुशी है कि उन्हें एक बार फिर इसे ऊंचा करने का सौभाग्य मिला। इससे पहले संग्राम सिंह पाकिस्तान के अली रजा नासिर, ट्यूनीशिया के हाकिम तराबेसी और फ्रांस के फ्लोरियन काउडियर को हरा चुके हैं।

संग्राम सिंह ने डटकर किया मुकाबला

फाइनल से पहले वजन और मोहम्मद आबिद अली के बड़ेबोले बयान के बाद यह मुकाबला प्रतिष्ठा की लड़ाई बन चुका था, लेकिन दोहरे हैवीवेट कॉमनवेल्थ चैम्पियन ने अपने देशवासियों को निराश नहीं होने दिया। संग्राम सिंह के कोच भूपेश कुमार ने बताया कि मोहम्मद आबिद अली की पंचिंग काफी अच्छी थी। उसने पंचिंग से अटैक किया जिस पर संग्राम लगातार बचते रहे। उसकी ऊंची कदकाठी होने से उसके पंच की पहुंच भी अच्छी थी जिससे उसका एक पंच संग्राम की आंख पर लगा। उसकी इस खूबी को देखकर संग्राम ने कोई जल्दबाजी या हड़बड़ाहट नहीं दिखाई। हालांकि आबिद भी कुश्ती से एमएमए में आए हैं लेकिन कुश्ती के दांव-पेंचों में संग्राम ने उन्हें बुरी तरह असहाय कर दिया।